THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 329 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.7 2081 गुरुवार, 20 फरवरी-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 12 मूल्य : 8 रुपये

महाकुंभ के कारण चार राज्यों की 46 ट्रेनें कैंसिल कीं

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ खत्म होने में अब सिर्फ 7 दिन बचे हैं। 38 दिनों में कुल 55.56 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई है। रेलवे ने महाकुंभ के चलते विभिन्न राज्यों से प्रयागराज जाने वाली 46 ट्रेनें कैंसिल कर दी हैं।

राजस्थान से 10, हरियाणा से 4, मप्र होकर जाने वाली 16 और बिहार से जाने वाली 16 ट्रेनें कैंसिल कर दी हैं। इसके अलावा कई ट्रेनों के रूट भी बदले गए हैं। जयपुर, जोधपुर, अजमेर और बीकानेर से चलने वाली 10 ट्रेनें रद्द की गई हैं। एक ट्रेन के रूट में भी बदला है। रेलवे कई ट्रेनों के रेक का उपयोग महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों के संचालन में कर रहा है। इससे उनकी कैंसिलेशन अवधि बढ़ा दी गई है।

रेखा गुप्ता दिल्ली की सीएम

प्रवेश वर्मा डिप्टी सीएम

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। रेखा गुप्ता दिल्ली की नई मुख्यमंत्री होंगी। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से विधायक हैं। नई दिल्ली सीट से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हराने वाले प्रवेश वर्मा डिप्टी सीएम होंगे। बीजेपी ने इसका ऐलान कर दिया है।

बीजेपी ने मुख्यमंत्री का चयन करने के लिए वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद और ओमप्रकाश धनखड़ को नियुक्त किया है। बताना होगा कि विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने बड़ी जीत दर्ज की है और पार्टी का 27 साल का वनवास खत्म हुआ है। 70 सीटों वाली विधानसभा में बीजेपी को 48, आम आदमी पार्टी को 22 सीटों पर जीत मिली है। कांग्रेस का एक बार फिर दिल्ली में खाता नहीं खुला। रेखा गुप्ता ने पहली बार विधानसभा का चुनाव जीता है। वह शालीमार बाग सीट से विधायक चुनी गई हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार वंदना कुमारी को 29,595 वोटों के बड़े अंतर से मात दी है। रेखा गुप्ता बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की सक्रिय सदस्य हैं। संघ की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के जरिये उन्होंने छात्र राजनीति में प्रवेश किया। 1994-95 में वह दौलत राम कॉलेज में सचिव चुनी गईं। 1995-96 में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डीयूएसयू) की सचिव बनीं। 1996-97 में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ की अध्यक्ष बनीं।

रेखा गुप्ता 2003-2004 तक बीजेपी युवा मोर्चा दिल्ली में सचिव के पद पर रहीं। 2004-2006 में वह युवा मोर्चा की राष्ट्रीय सचिव बनीं। अप्रैल 2007 में उत्तरी पीतमपुरा वार्ड से बीजेपी के टिकट पर पार्षद बनीं। नगर निगम में पार्षद बनने के बाद उन्हें 2007-2009 तक महिला कल्याण एवं बाल विकास समिति के अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। मार्च, 2010 में उन्हें भाजपा में राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया। 5ौजूदा वक्त में वह भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। >14

एमपी में मुठभेड़ में तीन महिला नक्सली समेत 4 ढेर

बालाघाट, 19 फरवरी (एजेंसियां)। बालाघाट के गढ़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक मुठभेड़ में तीन महिलाओं समेत 4 नक्सलियों को मार गिराया है। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। बताया जा रहा है कि कुछ घायल नक्सली जंगल की ओर भाग गए। पुलिस इलाके में सर्चिंग कर रही है। सूपखार वनक्षेत्र के रौंदा फॉरेस्ट कैंप के पास पुलिस और हॉक फोर्स ने ये कार्रवाई की है। एएसपी विजय डाबर ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। एएसपी ने बताया कि मारी गई महिला नक्सलियों के पास से एक इंसास राइफल, एक एसएलआर राइफल और एक 303 राइफल बरामद की गई है। इसके अलावा, दैनिक उपयोग की अन्य सामग्री भी मिली है। एएसपी ने बताया कि नक्सलियों की तलाश के लिए जंगल में जवान सर्चिंग में जुटे हैं। >14

सीईसी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई टली

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। देश की सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई स्थगित कर दी है, जिसमें चुनाव आयुक्तों के चयन पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया गया था। इससे पहले कोर्ट ने मंगलवार को कहा था कि वह मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) की नियुक्तियों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर 19 फरवरी को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करेगा।

याचिकाकर्ताओं की क्या है दलील

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ को एक गैर सरकारी संगठन की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने बताया था कि संविधान पीठ के 2023 के फैसले में कहा गया था कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियां ऐसा पैनल करेगा, जिसमें भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) भी शामिल होंगे। इसके बावजूद सरकार ने सीजेआई को इसमें शामिल नहीं किया और इस तरह से लोकतंत्र का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा, यह मामला 19 फरवरी के लिए सूचीबद्ध है, लेकिन इसे आइटम नंबर 41 के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। सरकार ने संविधान पीठ के दृष्टिकोण की अनदेखी करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त, निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की है। कृपया इसे पहले उठाएं, क्योंकि मामले पर तत्काल विचार करने की आवश्यकता है। याचिकाकर्ता जया ठाकुर की ओर से पेश हुए अधिवक्ता वरुण ठाकुर ने कहा था कि सरकार ने नए कानून के तहत तीन नियुक्तियां की हैं, जिन्हें चुनौती दी गई है। इस पर पीठ ने भूषण और अन्य पक्षों को आश्वासन दिया कि कुछ अत्यावश्यक सूचीबद्ध मामलों के बाद वह 19 फरवरी को सुनवाई के लिए याचिकाओं पर विचार करेगी। इससे पहले सरकार ने सोमवार को ज्ञानेश कुमार को अगला मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया है।

अदाणी केस में अमेरिकी नियामक ने कानून मंत्रालय से मांगी मदद

> 2029 करोड़ रुपये की रिश्वत देने का है आरोप

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी प्रतिभूति विनिमय आयोग (एसईसी) ने उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे के खिलाफ कथित प्रतिभूति धोखाधड़ी और 265 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रिश्वतखोरी योजना की जांच में कानून मंत्रालय से मदद मांगी है। अमेरिकी एसईसी ने न्यूयॉर्क जिला न्यायालय को बताया कि गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर तक अपनी शिकायत पहुंचाने की लगातार कोशिश कर रहा है। नियामक ने बताया है कि उसने अदाणी तक अपनी शिकायत पहुंचाने के लिए भारत के कानून मंत्रालय से मदद मांगी है। नियामक ने बताया कि उसने पहले ही अदाणी और उनके वकील से संपर्क कर लिया और उन्हें मुकदमे की सूचना भेज दी।

सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए 2029 करोड़ की रिश्वत देने का है आरोप

पिछले साल नवंबर में, अमेरिकी अभियोजकों ने गौतम अदाणी और अन्य पर 2020-2024 के बीच राज्य बिजली वितरण कंपनियों के साथ सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए 265 मिलियन अमरीकी डालर (लगभग 2,029 करोड़ रुपये) की रिश्वत देने का आरोप लगाया था। अमेरिका में गौतम अदाणी के खिलाफ अभियोग में आरोप लगाया गया है कि उद्योगपति ने भारत में सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए रिश्वत दी और धोखाधड़ीपूर्ण वित्तीय खुलासे कर अमेरिकी निवेशकों को गुमराह किया। बाइडन प्रशासन के तहत हुए इस अभियोग को अदाणी समूह ने निराधार बताकर खारिज कर दिया है। समूह ने कहा कि वह इस मामले में सभी 'संभव कानूनी उपाय' तलाशेगा। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम के लागू होने पर रोक लगा दी थी। यह विनियमन अदाणी के मामले में भी लागू था।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने संभाला पदभार

26 जनवरी 2029 तक रहेगा कार्यकाल

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। ज्ञानेश कुमार मार्च 2024 से निर्वाचन आयुक्त के पद पर कार्यरत थे और सोमवार को उन्हें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में पदोन्नत किया गया। राजीव कुमार के मंगलवार को सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद ज्ञानेश कुमार को निर्वाचन आयोग के प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुखबीर सिंह संधू निर्वाचन आयुक्त हैं, जबकि विवेक जोशी को सोमवार को निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया। नवनियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कार्यभार संभालने के बाद कहा, 'राष्ट्र निर्माण के लिए पहला कदम मतदान है। इसलिए भारत का प्रत्येक नागरिक जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका है, उसे मतदाता बनना चाहिए और हमेशा मतदान करना चाहिए।

भारत के संविधान, चुनावी कानूनों, नियमों और उसमें जारी निर्देशों के अनुसार भारत का चुनाव आयोग मतदाताओं के साथ था, है और हमेशा रहेगा।' ज्ञानेश कुमार को सोमवार को नया मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया था। ज्ञानेश कुमार निर्वाचन आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं। उनका कार्यकाल 26 जनवरी, 2029 तक रहेगा। इसके कुछ दिन बाद ही निर्वाचन आयोग अगले लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है।

आंध्र प्रदेश को बाढ़ राहत के लिए 608.08 करोड़ रुपये मंजूर

> *सीएम चंद्रबाबू नायडू ने पीएम मोदी और शाह का जताया आभार*

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में उच्च-स्तरीय समिति (एचएलसी) ने वर्ष 2024 के दौरान बाढ़, भूस्खलन, चक्रवाती तूफान से प्रभावित हुए आंध्र प्रदेश समेत पांच राज्यों को राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) के अंतर्गत 1554.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य को बाढ़ सहायता राशि देने के लिए पीएम मोदी और अमित शाह का आभार व्यक्त किया।

सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आंध्र प्रदेश के लोगों की ओर से, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आपदा और बाढ़ राहत के तहत सभी राज्यों को आवंटित 1554.99 करोड़ रुपये में से हमारे राज्य के लिए 608.08 करोड़ रुपये मंजूर करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।' बता दें कि उच्च-स्तरीय समिति ने पांच राज्यों को एनडीआरएफ के तहत 1554.99 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है, जो वर्ष के लिए राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) में उपलब्ध प्रारंभिक शेष राशि के 50 प्रतिशत के समायोजन के अधीन है। 1554.99 करोड़ रुपये की कुल राशि में से आंध्र प्रदेश के लिए 608.08 करोड़ रुपये, नागालैंड के लिए 170.99 करोड़ रुपये, ओडिशा के लिए 255.24 करोड़ रुपये, तेलंगाना के लिए 231.75 करोड़ रुपये और त्रिपुरा के लिए 288.93 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। यह अतिरिक्त सहायता केंद्र द्वारा राज्यों को एसडीआरएफ से जारी की गई धनराशि के अतिरिक्त है, जो पहले से ही राज्यों के पास उपलब्ध है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, केंद्र सरकार ने एसडीआरएफ में 27 राज्यों को 18,322.80 करोड़ रुपये और एनडीआरएफ से 18 राज्यों को 4,808.30 करोड़ रुपये, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष (एसडीएमएफ) से 14 राज्यों को 2208.55 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) से 8 राज्यों को 719.72 करोड़ रुपये जारी किए हैं। केंद्र सरकार ने आपदाओं के तुरंत बाद, औपचारिक ज्ञापन की प्राप्ति की प्रतीक्षा किए बिना, इन राज्यों में अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीमों को भेज दिया था।

आप किसी बड़े वकील का नाम लेंगे और हम सुनवाई स्थगित कर देंगे, ऐसे नहीं चलेगा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान वकील ने पीठ से सुनवाई स्थगित करने की मांग की क्योंकि एक वरिष्ठ वकील सुनवाई में शामिल होने वाले थे। इस पर पीठ ने वकील को फटकार लगाई और सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर आपको लगता है कि किसी बड़े वकील का नाम लेकर आप मामले की सुनवाई स्थगित करा लेंगे तो आपका ये सोचना गलत है।

जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइंया की पीठ ने एक व्यवसायिक विवाद के मामले में सुनवाई के दौरान ये टिप्पणी की। दरअसल सुनवाई के दौरान पेश हुए एक वकील ने कोर्ट से अपील की कि सुनवाई के चार हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया जाए, क्योंकि वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे इस मामले में आगे सुनवाई करेंगे। वकील ने बताया कि साल्वे अभी विदेश में हैं और जब वे वापस भारत लौटेंगे तो सुनवाई में शामिल होंगे। इस पर पीठ ने नाराजगी जताते हुए कहा कि 'क्या आपको ऐसा लगता है कि हम मामले की सुनवाई इसलिए स्थगित कर देंगे क्योंकि आपने एक वरिष्ठ वकील का नाम लिया है? वकीलों को ये आदत छोड़नी होगी। हम इस आधार पर सुनवाई स्थगित नहीं कर सकते।' पीठ ने कहा कि 'हम इस सोच को खत्म करना चाहते हैं।' हालांकि बाद में पीठ ने वकील की अपील को स्वीकार कर लिया और मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। हरीश साल्वे देश के जाने-माने वकील हैं और कई हाई प्रोफाइल मामलों से जुड़े रहे हैं।

'चुनाव परिणामों के लिए आप जवाबदेह होंगे'

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, सभी महासचिव और विभिन्न राज्यों के प्रभारी शामिल थे। खरगे ने पार्टी नेताओं से कहा, 'दिल्ली ने बदलाव के लिए मतदान किया और संसाधनों की कमी के बावजूद अच्छी लड़ाई लड़ने के लिए राज्य नेतृत्व के प्रयासों की सराहना की जाती है।'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के भीतर जवाबदेही की जरूरत पर जोर देते हुए बुधवार को शीर्ष पार्टी नेताओं को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सभी महासचिव और प्रभारी अपने प्रभार वाले राज्यों में संगठन व चुनाव परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे। दरअसल, खरगे ने बुधवार को पार्टी महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की एक अहम बैठक की। इसमें नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति के मुद्दे का भी जिक्र किया गया। खरगे ने कहा कि चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर करने से साफ है कि सरकार को उनकी निष्पक्षता पर भी भरोसा नहीं है। उन्होंने मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ी को लेकर कहा कि इस चुनौती से निपटना होगा। खरगे ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि कई बार पार्टी की मजबूती के लिए जल्दबाजी में कई लोगों को शामिल कर लिया जाता है, लेकिन विचारधारा में कमजोर लोग मुश्किल समय में भाग खड़े होते हैं।

'असल फिसल पड़े और नकल चल पड़े' यह पुरानी कहावत है, ऐसे लोगों से हम दूर रहें। आपको ऐसे लोगों को लाना चाहिए, जो वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध हों और जो मुश्किल समय में पार्टी के पीछे चट्टान की तरह खड़े रहें। यह टिप्पणी दिल्ली चुनाव में पार्टी की करारी हार को लेकर आई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'मैंने कार्य समिति की पिछली दो बैठकों में संगठनात्मक सृजन बात की थी। उस कड़ी में कई फैसले लिए जा चुके हैं। कुछ और फैसले जल्दी ही किए जाएंगे।'

डंकी से अमेरिका भेजने के मामले में किसान नेता पर केस दर्ज, लिए थे 45 लाख रुपये

जालंधर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका से निर्वासित जसविंदर सिंह की शिकायत पर किसान यूनियन बीकेयू टोटेवाल के प्रदेश अध्यक्ष सुखविंदर सिंह सुख गिल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सुख गिल एक इमिग्रेशन ऑफिस भी चलाते हैं। अमेरिका से निर्वासित 10वीं पास जसविंदर सिंह ने आरोप लगाया है कि उन्होंने अमेरिकी वीजा के लिए 45 लाख रुपये का भुगतान किया, लेकिन इसके बजाय उन्हें डंकी से भेजा गया।

बंगाल की अदालतों ने छह महीने में

6 दोषियों को सुनाई मौत की सजा, पोक्सो के मामलों पर सख्ती

कोलकाता, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में आखिरी बार करीब दो दशक पहले दुष्कर्म और हत्या के दोषी को मौत की सजा सुनाई गई थी, लेकिन बीते छह महीनों में राज्य की विभिन्न अदालतों ने छह दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। अदालतों ने पोक्सो कानून के तहत छोटी बच्चियों की हत्या और दुष्कर्म के सात में से छह मामलों को दुर्लभ से दुर्लभतम माना और दोषियों की मौत की सजा सुनाई।

गौरतलब है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में दोषी पाए गए संजय रॉय को कोलकाता की अदालत ने मौत की सजा नहीं दी है। हालांकि इस मामले पर पूरे बंगाल समेत देशभर में बवाल देखने को मिला था। अदालत ने संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही इस साल 7 फरवरी को कोलकाता के नजदीक स्थित न्यू टाउन इलाके में आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र का शव बरामद हुआ था। छात्र

इन मामलों में दी गई मौत की सजा

पश्चिम बंगाल में आखिरी बार दो दशक पहले धनंजय चटर्जी को मौत की सजा दी गई थी। धनंजय दक्षिण कोलकाता की एक रिहायशी बिल्डिंग में सिक्योरिटी गार्ड था। धनंजय को साल 1990 में 16 साल की स्कूल छात्रा के साथ उसके ही अपार्टमेंट में दुष्कर्म और हत्या करने का दोषी पाया गया था। धनंजय को साल 2004 में स्वतंत्रता दिवस की संध्या पर बंगाल की अलीपुर जेल में फांसी दी गई थी।

अब जिन लोगों को फांसी दी गई है, उन्हें बीते साल सितंबर से फरवरी के बीच सजा सुनाई गई है। पोक्सो अदालत ने बीते साल 7 सितंबर को मोहम्मद अब्बास को अगस्त 2023 में एक 16 साल की किशोरी से दुष्कर्म और हत्या के मामले में मौत की सजा सुनाई थी। 26 सितंबर को अलीपुर जिले की पोक्सो अदालत की जज ने अशोक शॉ को मौत की सजा सुनाई थी। अशोक ने पूर्वी कोलकाता के तिलजाला इलाके में पड़ोसी की बच्ची से दुष्कर्म के बाद हथौड़े से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी।

बच्ची के शरीर पर 28 घाव मिले थे। बीते साल छह दिसंबर को बरुइपुर की पोक्सो अदालत ने 19 साल के मुस्तकीन सरदार को मौत की सजा सुनाई थी। मुस्तकीन को एक 10 साल की बच्ची से दुष्कर्म और उसकी हत्या का दोषी पाया गया था। 14 दिसंबर को मुर्शिदाबाद के जंगीपुर की अदालत ने 35 साल के दीनबंधु हलदर को एक छोटी बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में मौत की सजा सुनाई थी।

दीनबंधु के सहयोगी सुभाजीत हलदर को भी उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। दिसंबर में ही हुगली जिले की सत्र अदालत ने 42 साल के अध्यापक प्रमथेश घोषाल को अपने पिता, माता और बहन की हत्या के दोष में मौत की सजा सुनाई गई थी। इस साल 17 जनवरी को हुगली की पोक्सो अदालत ने 42 साल के अशोक सिंह को पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में दोषी पाए जाने पर मौत की सजा सुनाई थी। मंगलवार को ही कोलकाता की पोक्सो अदालत ने राजिब घोष को भी मौत की सजा सुनाई है। राजिब पर सात महीने की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या की कोशिश के मामले में दोषी पाया गया है।

जम्मू के चिल्ला डांगा से गोला बारूद और जिंदा कारतूस बरामद

बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम

सांबा, 19 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू की सांबा पुलिस ने जिले के चिल्ला डांगा वन क्षेत्र से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद और विस्फोटक पदार्थ बरामद किया है। सांबा पुलिस के प्रवक्ता के मुताबिक इस पुष्टि की है। बता दें कि चिल्ला डांगा वन क्षेत्र पुलिस स्टेशन सांबा के अधिकार क्षेत्र में आता है। दरअसल, डीएसपी मुख्यालय सांबा के नेतृत्व में एक पुलिस टीम एसएचओ पुलिस स्टेशन सांबा और आई/सी बीपीपी चिल्ला डांगा के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। उसी समय विश्वसनीय सूत्रों से चिल्ला डांग के कवाला वन क्षेत्र में आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना पुलिस को मिली। गुप्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक पुलिस दल ने क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया और भारी मात्रा में गोला-बारूद और विस्फोटक पदार्थ बरामद किए, जो पेड़ और चट्टान के नीचे छिपाए गए थे।

राष्ट्र विरोधी तत्वों के मंसूबे नाकाम

सांबा पुलिस द्वारा बरामद गोला बारूद में 29 जिंदा कारतूस, एके राइफल की एक मैगजीन और विस्फोटक पाउडर शामिल हैं। इस बरामदगी से पता चलता है कि कुछ राष्ट्र-विरोधी तत्वों ने आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने और जान-माल को नुकसान पहुंचाने के लिए इन्हें इलाके में छिपा दिया था। सांबा पुलिस की इस सतर्कता ने राष्ट्र विरोधी तत्वों के मंसूबों को नाकाम कर दिया है। साथ पुलिस संभावित बड़े हादसे को भी टाल दिया है। सांबा पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'अपने भाषण में खुद 9 बार उर्दू के शब्द बोले'

उर्दू के खिलाफ सीएम योगी के बयान पर आप नेता संजय सिंह का बड़ा दावा

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में भाषा को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है। नेता प्रतिपक्ष ने मंगलवार को सदन में अंग्रेजी भाषा के उपयोग पर आपत्ति जताई और उर्दू को भी कार्रवाई में शामिल करने की मांग की। इस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग जनता को उर्दू भाषा सिखाकर मौलवी बनाना चाहते हैं। अब सीएम योगी के इस बयान पर आप नेता संजय सिंह ने बड़ा दावा किया है। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ट्वीट कर कहा, योगी जी ने अपने 4 मिनट 28 सेकंड के उर्दू के खिलाफ दिए गए भाषण में नौ उर्दू के शब्द बोले। इनमें तबके (उर्दू), पायदान (उर्दू), अगर (उर्दू), बात (उर्दू), बच्चों (उर्दू), आदी (उर्दू), सरकार (उर्दू), अंदर (उर्दू), दुनिया (उर्दू) शामिल हैं।

पीएम मोदी पर बोला हमला

वहीं एक दूसरे ट्वीट में संजय सिंह ने अप्रवासी भारतीयों को लेकर बीजेपी की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर लिखा, अमेरिका हर दिन भारत का अपमान कर रहा है। वाइट हाउस हाथ में हथकड़ी पैरों में बेड़ियां डालकर भारतीयों की तस्वीर जारी कर रहा है। महामानव की महाचुप्पी देश को परेशान कर रही है। 144 करोड़ भारतीयों का रहनुमा इतना संवेदनहीन कैसे हो सकता है? मोदी के मुंह से विरोध का एक शब्द क्यों नहीं?

सीएम योगी ने कहा, समाजवादी पार्टी भोजपुरी, बुंदेलखंडी और अवधी का विरोध क्यों कर रही है। यही सपा का ढोंग हैं। सपा के लोग दोहरे चरित्र वाले हैं। यह बड़ी विचित्र बात है समाजवादी पार्टी वाले उर्दू की वकालत कर रहे हैं। समाजवादियों का चरित्र इतना दोहरा हो चुका है कि यह अपने बच्चों को तो इंग्लिश मीडियम स्कूलों में भेजेंगे लेकिन आपके बच्चों को पढ़ाना नहीं चाहते। आपके बच्चे उर्दू पढ़ें ये उनको मौलवी बनाना चाहते हैं। सपा के नेता क्या देश को कठमुल्लापन की ओर ले जाना चाहते हैं यह नहीं चलने वाला है।

'सास देती है टॉर्चर, हत्या कैसे करूं', बहू ने डॉक्टर को किया व्हाट्सप्प पर मैसेज, मांगी जान से मार डालने की दवा

बेंगलुरु, 19 फरवरी (एजेंसियां)। सास-बहू का रिश्ता ऐसा होता है जिसमें खटास-मिठास दोनों ही होते हैं। लेकिन कर्नाटक के बेंगलुरु में एक बहू को अपनी सास से इस कदर नफरत हो गई कि वो उनकी जान की प्यासी हो गई। बहू ने एक डॉक्टर को व्हाट्सप्प पर मैसेज करके पूछा कि किस दवा से सास की हत्या की जा सकती है। महिला का मैसेज पढ़ डॉक्टर के पैरों तले जमीन खिसक गई।

उन्होंने पुलिस को इसकी जानकारी दी। हालांकि, महिला कौन है, वो नहीं जानते क्योंकि उसने सारे मैसेज डिलीट करके डॉक्टर का नंबर ब्लॉक कर दिया। डॉक्टर ने महिला के मैसेज डिलीट करने से पहले ही उसके स्क्रीनशॉट रख लिए थे। वही स्क्रीनशॉट अब सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हुए हैं।

कीट हॉस्टल में छात्रा की मौत के बाद नेपाल लौट रहे स्टूडेंट्स

एबीवीपी के सदस्य रेलवे स्टेशनों पर कर रहे मदद

भुवनेश्वर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के भुवनेश्वर के कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी के हॉस्टल में नेपाली छात्रा की कथित खुदकुशी के मामले के बाद ज्यादातर छात्र अपने देश वापस लौट रहे हैं। ऐसे में उन छात्रों को भारत में सुरक्षित और अपना बताने के लिए छात्र संगठन एबीवीपी सदस्यों की ओर से एक पहल की गई है। एबीवीपी सदस्यों ने कीट विश्वविद्यालय के प्रभावित नेपाली छात्रों को खाने से लेकर और जरूरी सहायता देने के लिए आगे आए हैं। ये उत्तर प्रदेश और बिहार के गोरखपुर, रक्सौल, मुजफ्फर, पटना आदि अलग-अलग जिलों में इन नेपाली छात्रों को हर तरह की मदद मुहैय्या करा रहे हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार के पड़ोसी जिलों के स्टेशनों पर एबीवीपी सदस्यों ने इन नेपाली छात्रों को भारत में उनकी सुरक्षा और भलाई का भरोसा दिलाया है। 16 फरवरी को कीट विश्वविद्यालय में नेपाल की एक छात्रा के साथ हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद से, वहां बी।टेक की पढ़ाई कर रही कई नेपाली छात्राएं अपने-अपने घरों की ओर वापस लौट रही हैं।

पटना से आए एक छात्र ने कहा कि वो एबीवीपी संगठन से है। छात्र ने फूड के पैकेट्स को बांटते हुए कहा कि हमें जब इस घटना के बारे में पता चला तो हम सभी आपसे मिलने आए है। एबीवीपी छात्रों के हित के लिए हमेशा से खड़ा रहा है। हमें आपसे कुछ खास बात नहीं कहनी है, बस हम आपको एहसास दिलाने आए हैं कि आप हमारे अपने हैं। छात्र ने कहा कि इसे आप बिल्कुल भी फॉर्मेलिटी न समझें, ये भारत का आप सभी के लिए प्यार है। वीडियो में एबीवीपी सदस्य की ये बातें सुनकर नेपाल के युवाओं ने उनका धन्यवाद किया।

नेपाल की छात्रा की कथित आत्महत्या के बाद कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (कीट) के 5 स्टाफ को गिरफ्तार किया गया है। इनमें संस्थान के तीनों निदेशकों के अलावा दो सुरक्षा गार्ड शामिल हैं।

इंदौर में शॉर्ट सर्किट से 7 दुकानें जलीः मिठाई, पूजन सामग्री, पिज्जा पाइंट, गैरेज में खड़ी 15 बाइक्स आग की चपेट में

इंदौर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के निपानिया इलाके में बुधवार सुबह आग ने एक के बाद एक करीब 7 दुकानों को चपेट में ले लिया। आग से काफी नुकसान होने की जानकारी सामने आई है। बताया जाता है कि दुकानों का फर्नीचर, गैरेज में खड़ी एक दर्जन से अधिक बाइक आग की चपेट में आ गई। आग पर काबू पाने के लिए करीब 9 टैंकर से ज्यादा पानी डालना पड़ा। फायर ब्रिगेड के एसआई सुशील दुबे ने बताया कि आग तुलसी नगर इलाके में लगी थी। दो हार्डवेअर, एक मिठाई, एक पूजन सामग्री की दुकान, एक ऑटो गैरेज, एक एल्युमीनियम सेक्शन की दुकान और एक पिज्जा पाइंट पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। आग लगने की वजह शार्ट सर्किट बताई जा रही है।

'दलित विधायक को बनाएं नेता प्रतिपक्ष', स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल से किया अनुरोध

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने बुधवार को आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर उनसे दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में एक दलित नेता की घोषणा करने का अनुरोध किया। स्वाति मालीवाल ने अपने पत्र के माध्यम से कहा कि केजरीवाल ने 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान पंजाब में दलित डिप्टी सीएम बनाने का वादा किया था।

लेकिन बहुत दुख की बात है कि तीन साल बाद भी ये वादा पूरा नहीं हुआ। उन्होंने आगे लिखा कि अब जब दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त करने का समय आया है तो मेरा आपसे अनुरोध है कि दिल्ली से पार्टी के दलित समाज से आने वाले एक विधायक को आप दिल्ली का नेता प्रतिपक्ष बनाएं। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप को बड़ा झटका लगा, जिसमें जनता का जनादेश सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ गया और उसे सत्ता से बाहर होना पड़ा। आप को केवल 22 सीटें मिलीं, यानी 40 सीटों का नुकसान हुआ, जबकि भाजपा ने 70 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया, जिससे 27 साल बाद राष्ट्रीय राजधानी में उसकी वापसी हुई।

एनआईए ने विशाखापट्टनम जासूसी मामले में की 3 और गिरफ्तारी, आईएसआई को बेच रहे थे संवेदनशील जानकारी

बेंगलूरू, 19 फरवरी (एजेंसियां)। देश की नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी ने कर्नाटक और केरल से 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। एनआईए को शक है कि ये तीनों आरोपी पाक आईएसआई से जुड़े विशाखापट्टनम जासूसी मामले में संलिप्त हैं। एनआईए ने स्थानीय पुलिस की मदद से यह कार्रवाई की है। एनआईए को शक है कि यह तीनों पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स के संपर्क में थे और उन्हें देश से जुड़ी संवेदनशील जानकारी साझा कर रहे थे।

कहां से की गिरफ्तारी?

मिली जानकारी के मुताबिक, एनआईए ने पुलिस टीम के साथ वेथन लक्ष्मण टंडेल और अक्षय रवि नाइक को कर्नाटक के उत्तर कन्नडा जिले से गिरफ्तार किया है। वहीं, अभिलाष पी।ए। को केरल के कोच्चि से गिरफ्तार किया गया। अब तक एनआईए ने इस मामले में इन लोगों को मिलाकर कुल 8 गिरफ्तारियां की हैं। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी व्यक्ति सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स (पीआईओ) के संपर्क में थे।

पाकिस्तान भेज रहे थे संवेदनशील जानकारी

एनआईए की जांच के अनुसार, वे कारवार नौसेना बेस और कोच्चि नौसेना बेस पर भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों के बारे में संवेदनशील जानकारी साझा कर रहे थे और जानकारी के बदले पीआईओ से धन हासिल कर रहे थे। एनआईए ने अब तक दो फरार पाकिस्तानी गुर्गों सहित 5 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर किया है। ये केस मूल रूप से आंध्र प्रदेश काउंटर इंटेलिजेंस सेल, ने जनवरी 2021 में आईपीसी की धारा 120 बी और 121 ए, यूए (पी) अधिनियम की धारा 17 और 18 और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम की धारा 3 के तहत दर्ज किया गया था।

जांच में हुआ ये खुलासा

एनआईए की जांच से पता चला है कि पाकिस्तानी नागरिक मीर बालाज खान, गिरफ्तार आरोपी आकाश सोलंकी के साथ, भारत विरोधी साजिश के तहत भारतीय नौसेना से संबंधित संवेदनशील महत्वपूर्ण जानकारी के लीक से संबंधित जासूसी रैकेट में शामिल था। मीर बालाज और सोलंकी के अलावा, एनआईए ने मामले में एक और फरार पीआईओ के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है, जिनकी पहचान अलवेन के रूप में कई गयी है, जून 2023 में इस इस केस की जांच शुरू करने वाली एनआईए ने मनमोहन सुरेंद्र पांडा और अमान सलीम शेख को जून 2023 में अरेस्ट किया था।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से हड़कंप, खुदकुशी या कोई साजिश

पुलिस मामले की जांच में जुटी

कोलकाता, 19 फरवरी (एजेंसियां)। एक ही दिन एक ही परिवार के 3 सदस्यों की मौत से हड़कंप मच गया है। सेंट्रल कोलकाता के टंगरा अतुल सुर रोड की यह घटना है। इस घटना में दो सगे भाइयों की पत्नियों और एक नाबालिग की रहस्यमय तरीके से मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक रोमी डे(38), सुदेशना डे (39) की कलाई कटी हुई पाई गई है जबकि नाबालिग प्रिया डे (15) का शव कपड़े से ढंका हुआ पाया गया है। तीनों शव टांगरा इलाके में उनके घर से बरामद किए गए। वहीं, कल रात करीब तीन बजे ईएम बाइपास के पास एक कार दुर्घटना में प्रणय दे (लगभग 45 साल), प्रसून दे (लगभग 43 साल), प्रियम दे (14) गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या हादसे में मौत की खबर मिलने के बाद परिवार के सदस्यों ने आत्महत्या की है या फिर दो भाइयों ने अपनी दो पत्नियों और एक बच्ची की हत्या कर दी और जानबूझकर कार दूसरा बच्चे को साथ लेकर दुर्घटना करा दी।

घर में लगी भीषण आग, लपटों के बीच दूसरी मंजिल से छह लोगों ने लगाई छलांग

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली से एक दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि आग से बचने के लिए छह लोगों ने एक इमारत की दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। इतनी ऊंचाई से कूदने से उन लोगों को काफी चोटें आई हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, नांगलोई इलाके में एक इमारत में भीषण आग लग गई थी। देखते ही देखते आग ने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आग में एक परिवार के लोग फंस गए। आग से बचने के लिए छह लोगों ने दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। इस दौरान उन्हें काफी चोट आई है। आग लगने की सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने का काम शुरू किया। बताया जा रहा है कि आग घर की पहली और दूसरी मंजिल पर घरेलू सामान में लगी थी। छह लोग दूसरी मंजिल से कूद गए और उन्हें पुष्पांजलि अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका इलाज जारी है।

अमृतपाल सिंह की सांसद सदस्यता होगी खत्म? अब डिब्रूगढ़ जेल से बाहर आने के लिए उठाया ये कदम

चंडीगढ़, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती दिख रही हैं। ऐसे में उन्होंने पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दरअसल अमृतपाल सिंह ने याचिका दायर कर लोकसभा सत्र में भाग लेने की अनुमति मांगी गई है। उन्होंने याचिका में कहा है कि जेल में बंद होने की वजह से वह संसद में भाग नहीं ले पा रहे हैं और उन्हें संसदीय कार्यवाही से अनुपस्थित रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इसके पीछे दुर्भावनापूर्ण मंशा यह है कि उनके संसदीय क्षेत्र को प्रतिनिधित्व से वंचित रखा जाए और 60 दिनों की अनुपस्थिति के बाद उनकी सीट रिक्त घोषित कर दी जाए। रिपोर्ट के मुताबिक अपनी याचिका में सांसद ने दलील दी है कि लोकसभा के महासचिव की ओर से जारी समन के मुताबिक उनकी उपस्थिति आवश्यक है और कहा कि उनकी अनुपस्थिति उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। अमृतपाल सिंह ने आरोप लगाया कि उन्हें जानबूझकर संसद में भाग लेने से रोका जा रहा है, ताकि उनके निर्वाचन क्षेत्र खडूर साहिब को बिना प्रतिनिधित्व के छोड़ दिया जाए और अंत में उनकी सीट खाली घोषित कर दी जाए। उन्होंने कहा कि 60 दिनों से अधिक उनकी अनुपस्थिति के परिणामस्वरूप सीट खाली घोषित कर दी जाएगी, जिससे न केवल वे बल्कि उनकी सीट के लगभग 19 लाख मतदाता प्रभावित होंगे। बता दें कि नियमों के अनुसार अगर अमृतपाल सिंह लोकसभा की कार्यवाही से 60 दिन गैर हाजिर रहते हैं तो उनकी सदस्यता रद्द हो सकती है। सांसद ने दलील दी कि वह 46 दिनों से लोकसभा की कार्यवाही में शामिल नहीं हो पाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार के मंत्रियों के साथ बैठक करने की भी इजाजत मांगी है, ताकि वो अपने संसदीय क्षेत्र की समस्याओं और विकास के मुद्दों पर चर्चा कर सकें।

रात को बेडरूम में सो रहे थे पापा, चुपके से अंदर आया बेटा और लगा दी आग

फरीदाबाद, 19 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां अजय नगर में पढ़ाई के लिए टोकने और पैसे चुराने पर डांटने से नाराज एक किशोर ने हैवानियत की हद पार करते अपने पिता को जिंदा जलाकर मार डाला। मृतक का नाम मोहम्मद अलीम (55) था, जो कि मूल रूप से मिर्जापुर के रहने वाले थे। वो पिछले चार महीने से अजय नगर में अपने 14 वर्षीय बेटे के साथ किराये का मकान लेकर रह रहे थे। अलीम धार्मिक स्थलों के लिए चंदा जुटाने के साथ मच्छरदानी व अन्य सामान बेचने का काम करते थे। सोमवार रात अलीम ने बेटे को पढ़ाई न करने के लिए डांटा तो वह नाराज हो गया था। आरोप है कि रात करीब 2 बजे अलीम के गहरी नींद में होने पर बेटे ने उन पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़क दिया और आग लगा दी।

उपराज्यपाल के सलाहकार पवन कोतवाल होंगे लद्दाख यूटी के पहले मुख्य सचिव

अलग अलग पदों पर दे चुके हैं सेवाएं

जम्मू, 19 फरवरी (एजेंसियां)। लद्दाख यूटी में उपराज्यपाल के सलाहकार पवन कोतवाल पहले मुख्य सचिव पद होंगे। इस बारे में लद्दाख सामान्य प्रशासन विभाग आदेश जारी किया है। इसमें उपराज्यपाल के सलाहकार के पद को मुख्य सचिव केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के रूप में फिर से नामित किया है।यह निर्णय भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा जारी 3 जनवरी की अधिसूचना का अनुसरण करता है। इसे गृह मंत्रालय में सक्षम प्राधिकारी की ओर से अनुमोदित किया है। 1994 बैच (एजीएमयूटी कैडर) के आईएएस अधिकारी डॉ। पवन कोतवाल वर्तमान में लद्दाख के उपराज्यपाल के सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों में कोई बदलाव नहीं होने के साथ केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण करेंगे। यह निर्णय लद्दाख के प्रशासनिक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। जिससे डॉ। पवन कोतवाल प्रदेश के पहले मुख्य सचिव बन गए हैं। वहीं, डॉ। कोतवाल का जन्म 1965 में जम्मू और कश्मीर में हुआ है। उनके पास बैचलर ऑफ मेडिसिन और बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) की डिग्री की। अपने करियर के दौरान डॉ। कोतवाल ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभिन्न प्रमुख पदों पर काम किया है।

बबीता फोगाट का पश्चिम बंगाल की सीएम पर तंजः एक्स पर पोस्ट कर लिखा- ममता दीदी को सद्बुद्धि दे गंगा मैय्या

दादरी, 19 फरवरी (एजेंसियां)। बता दें कि महाकुंभ में हुईं मौतों पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बयान दिया था। इसमें उन्होंने महाकुंभ को मृत्युकुंभ कहा था। उनके इस बयान पर कटा करते हुए बबीता फोगाट ने रात फेसबुक पर पोस्ट की। इसमें लिखा कि- करोड़ों हिंदू श्रद्धालुओं की आस्था का मजाक उड़ाते हुए किसी एक वर्ग को खुश करने के उद्देश्य से ममता दीदी ने अपनी क्रूरता दिखाई है और इसके लिए देश कभी माफ नहीं करेगा। महाकुंभ सिर्फ स्नान नहीं बल्कि मुक्ति का मार्ग है। महाकुंभ के विहंगम दृश्य में सामाजिक समरसता और एकता की झलक दिख रही है। उसे मृत्युकुंभ कहना खुद पाप की धारा में प्रवाहित होने जैसा है। गंगा मैय्या इन्हें सद्बुद्धि दे।

पानीपत में एएसआई राममेहर शर्मा ने फंदा लगाकर की आत्महत्या, घरौंडा थाने में था तैनात; गांजबढ़ गांव की घटना

पानीपत, 19 फरवरी (एजेंसियां)। घरौंडा पुलिस थाने में तैनात एएसआई रामेहर शर्मा ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने पानीपत के गांजबढ़ गांव स्थित घर में यह कदम उठाया। आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। शुरुआती जांच में आत्महत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 20 फरवरी, 2025 3

सुविचार

एक सोंच बेमिसाल
रखो हालात चाहे
जैसे भी हो होंठों पर
हमेशा मुस्कान रखो।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अपने जुबली हिल्स आवास पर महापुरुष के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंत्री श्रीधर बाबू, विधायक वकाती श्रीहरि, बंदला कृष्ण मोहन रेड्डी और अन्य ने शिवाजी महाराज के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

भाजपा ने छत्रपति शिवाजी की जयंती मनाई

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। छत्रपति शिवाजी की 395वीं जयंती यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय में मनाई गई। इस कार्यक्रम में भाजपा विधायक दल की विधायक और उपनेता पायल शंकर, पूर्व भाजपा एमएलसी एन. रामचंदर राव, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष चिंतला रामचंद्र रेड्डी, भाजपा करीमनगर निजामाबाद आदिलाबाद मेडक स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की उम्मीदवार अंजी रेड्डी, भाजपा करीमनगर निजामाबाद आदिलाबाद मेडक शिक्षक विधान परिषद की उम्मीदवार मलका कोमरैया, भाजपा प्रदेश महासचिव (संगठन) चंद्रशेखर तिवारी, भाजपा आंध्र प्रदेश राज्य महासचिव (संस्थागत) मधुकर और अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने बोलते हुए कहा कि शिवाजी महाराज जैसे शासक भारत में दुर्लभ हैं और उन्होंने कहा कि उनका शासन धर्म और जाति से परे समग्र विकास के लिए मार्गदर्शक प्रकाश था।

उन्होंने कहा, "भारतीय जनता पार्टी की ओर से छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर हम सभी को शुभकामनाएं देते हैं। इस अवसर पर हम शिवाजी महाराज को नमन करते हैं। शिवाजी महाराज एक योद्धा थे जिन्होंने भारत में अनुकरणीय शासन प्रदान किया। उन्होंने एक जाति या धर्म के राजा के रूप में नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए एक अच्छी प्रशासनिक मशीनरी विकसित की।" उन्होंने कहा कि आज की राजस्व प्रणाली और सिविल सेवा नीतियां शिवाजी महाराज के प्रशासनिक मॉडल पर आधारित हैं।

एमएलसी चुनावों में कांग्रेस को हराने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं भाजपा-बीआरएस : टीपीसीसी प्रमुख

कामारेड्डी, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने आरोप लगाया है कि एमएलसी चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के बीच गुप्त समझौता है, जो दर्शाता है कि विपक्षी पार्टी चुनावों में जीत सुनिश्चित करने के लिए भाजपा उम्मीदवार का समर्थन कर रही है।बुधवार को कामारेड्डी में स्नातकों के साथ एक बैठक के दौरान, टीपीसीसी प्रमुख ने टिप्पणी की कि चुनावों के दौरान वोटों को आकर्षित करने के लिए भाजपा के लिए दैवीय समर्थन का आह्वान करना प्रथा बन गई है। उन्होंने यह भी बताया कि भाजपा और बीआरएस दोनों गलत सूचना

फैलाने के लिए सोशल मीडिया का फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने स्नातकों से भाजपा-बीआरएस गठबंधन का मुकाबला करने और एमएलसी चुनावों में कांग्रेस उम्मीदवार के लिए एक महत्वपूर्ण जीत सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इसके अलावा, टीपीसीसी प्रमुख ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछली बीआरएस सरकार ने एक दशक में 50,000 नौकरियां पैदा कीं, जबकि मौजूदा कांग्रेस प्रशासन ने सिर्फ एक साल में 55,000 से अधिक नौकरियां देने में कामयाबी हासिल की है। राज्य सरकार ने पिछड़े वर्गों (बीसी) के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अनुरोध के अनुसार जाति जनगणना सर्वेक्षण कराया है। महेश गौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का प्रशासन इन समुदायों का समर्थन करने के लिए लगन से काम कर रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पिछड़े वर्गों के लिए सच्चा सामाजिक न्याय केवल कांग्रेस पार्टी के माध्यम से ही हासिल किया जा सकता है।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
(https://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सीइ/सी-वी/एससी, निर्माण संगठन, दक्षिण मध्य रेलवे(द.म.रे.) सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित है।

एनआयटी सं.-इपीसी 02-सीएओ-सी-एससी-2025 दि.13.02.2025, कार्य विवरणः दमरे निर्माण संगठनः।) न्यू बिड इरेक्शनल/डबल लाइन -सीएचः 677500 एम से सीएचः 681967 एम (किमी 4.467) तक एवं ।।) न्यू सिंगल लाइन सीएचः681967एम से सीएचः 699200एम (किमी 17.233) तक, जामोद एवं सोनाला क्रासिंग स्टेशनों(यार्ड) के लिए, अभियांत्रिकी, प्रापण तथा निर्माण(इपीसी) ठेका। प्रस्तावित उसर्नी(छोडकर) स्टेशन के मध्य डायवर्शन एलाइनमेंट सीएचः677500एम से सीएच 699200एम (किमी 21.70) तक बिजली से जुडी सामान्य सेवाएं तथा दमरे सिकंदराबाद के नांदेड डिवीजन के मध्य प्रदेश राज्य में, प्रस्तावित हिवारखेड स्टेशनों को (छोडकर) आमलाखुर्द अकोट सेक्शन (अकोला से खंडवा तक, तत्संबंधित भाग का जीसी कार्य)। अनुमानित लागतः रु.424,08,53,235.70, पूधरा(पूर्व धरोहर राशि)-रु.2,00,00,000.00, पूरा करने की अवधिः 24(चौबीस) महिने, खोलने की तिथिः 08-05-2025 के 15.00 बजे

।) बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in पर लागिन करें।
।।) निविदाकारों द्वारा अपने आफर्स को, आनलाइन में, निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान, जो निविदा बंद तिथि से पंद्रह दिन पहले, प्रस्तुत करें।
।।।) निविदाकारों को, किसी भी शुद्धिपत्रों (केवल आनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभ की तिथि तक ही, अवलोकन करना चाहिए।

मुख्य प्रशासकीय
अधिकारी/निर्माण/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. आरइएससी/इएल/टीएन/24-25/12 दि.19-02-2025

भारत के राष्ट्रपति, भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए, उप मुख्य बिजली अभियंता, रेलवे विद्युतीकरण, सिकंदराबाद दवारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा(आनलाइन) आमंत्रित हैं।

निविदा सं.-आरइएससी-इएल-टीआरएसएचइडी-25-26/01, कार्य विवरणः दमरे के तहत 02 नंबर्स ट्रिप एटेंशन शेड्स में 25 केवी ओएचइ के लिए डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण एवं कमीशनींग कार्य सहित एनडीड तथा केसीजी पर, हरेक के लिए फीडर वायर, वन नंबर 25 केवी सिंगल पोल सर्कुट ब्रेकर की व्यवस्था एवं इसके साथ संबंधित पीएसआई उपकरणों या इक्वीपमेंट्स व कंट्रोल रिले पैनल की व्यवस्था कार्य। अनुमानित लागतः रु.1,91,79,111.17, आनलाइन रुप से जमा की जानेवाली पूधरा(पूर्व धरोहर राशि)-रु. 2,45,900.00,
पूरा करने की अवधिः 06 (छह) महिने, निविदा खोलने
की जगहः सिकंदराबाद

निविदा सं.-आरइएससीइएल-टीशेड-जनरल-25-26-02, कार्य विवरणः दमरे के तहत नांदेड एवं काचीगुडा स्टेशनों के बीच, प्रत्येक-इलेक्ट्रिक लोको ट्रिप एटेंशन शेड के लिए बिजली व्यवस्थाओं का प्रावधान। अनुमानित लागतः रु.45,16,505.90, आनलाइन रुप से जमा की जानेवाली पूधरा(पूर्व धरोहर राशि)-रु. 90,300.00, पूरा करने की अवधिः 04 (चार) महिने, निविदा खोलने की जगहः सिकंदराबाद

ई-टेंडर के माध्यम से (आनलाइन) में निविदा बंद करने का समयः 15.00 बजे एवं दि.20-03-2025

निविदा शर्तों/ नियम की अधिक जानकारी तथा तत्संबंधित निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः http://www.www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।
नोटः निविदा दस्तावेजों के किसी भी प्रकार के संशोधनों/शुद्धिपत्रों/जोड होने पर, यदि आवश्यक होने पर, उसे उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जायेगा।

उप मुख्य बिजली
अभियंता/आरइ/सिकंदराबाद

A0240

निविदा शर्तों/ नियम की अधिक जानकारी तथा तत्संबंधित निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः http://www.www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने में आरपीएफ सक्रिय

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हर साल 20 फरवरी को विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाया जाता है। इसे आज भी जागरूकता पैदा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा शुरू किया गया था। इस आयोजन का उद्देश्य निष्पक्षता को बढ़ावा देना है। निष्पक्षता का मतलब है शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सभी सार्वजनिक सेवाओं के समान मानकों तक समान पहुँच। भारतीय रेलवे, जो दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क में से एक है, देश की लंबाई और चौड़ाई में कनेक्टिविटी का एक जटिल मैट्रिक्स बुनता है। देश के कुछ सबसे दूरदराज के इलाकों तक पहुँचने वाली इसकी रेलवे लाइनों के साथ, यह कई लोगों को यात्रा का सबसे सुलभ और सस्ता तरीका प्रदान करता है। रेलवे लाइनों का यह उलझा हुआ जाल सभी भारतीयों को एक धागे में पिरोता है।

आरपीएफ संघ का एक सशस्त्र बल है जिसे देश के विशाल रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कानून के प्रवर्तन से परे, आरपीएफ सामाजिक न्याय की व्यापक अवधारणा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, यह सुनिश्चित करके कि कमजोर आबादी के अधिकारों का सम्मान, संरक्षण और इसके विशिष्ट प्रभाव क्षेत्र में बरकरार रखा जाता है। भारतीय रेलवे प्रणाली प्रतिदिन लाखों लोगों की सेवा करती है, जिसमें एक महत्वपूर्ण हिस्सा महिलाएं, बच्चे, वरिष्ठ नागरिक और हाशिए के समुदायों के व्यक्ति हैं। आरपीएफ इन कमजोर यात्रियों के लिए एक ढाल के रूप में खड़ा है, उन्हें चोरी, उत्पीड़न और यहां तक कि हिंसा जैसे अपराधों से बचाता है। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करके, आरपीएफ एक अधिक समतावादी और न्यायपूर्ण समाज की दिशा में काम करता है, जहां सभी व्यक्ति बिना किसी डर के यात्रा कर सकते हैं। भारतीय रेलवे में यात्रा करने वाले यात्रियों का एक और कमजोर समूह महिला यात्री हैं। महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में सक्रिय तैनाती के द्वारा, आरपीएफ ने महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, खासकर विषम समय पर यात्रा करते समय। महिला यात्रियों को सुरक्षित महसूस कराने के लिए, आरपीएफ नियमित रूप से महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में यात्रा करने वाले पुरुषों पर मुकदमा चलाता है। वर्ष 2024 में, आरपीएफ ने ऐसे 1,02,130 पुरुष यात्रियों पर मुकदमा चलाया है। आरपीएफ ने अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए "मेरी सहेली पहल" शुरू की है।

250 से अधिक मेरी सहेली टीमें हैं जो प्रतिदिन 500 ट्रेनों में उपस्थित रहती हैं और महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में सहायक होती हैं। इसी तरह, आरपीएफ ने ट्रेन यात्रा के दौरान प्रसव पीड़ा से पीड़ित गर्भवती महिलाओं की सहायता के लिए ऑपरेशन मातृ शक्ति नामक एक पहल शुरू की है। अकेले वर्ष 2024 में, महिला आरपीएफ कर्मियों ने 174 बच्चों के जन्म में सहायता की है। आरपीएफ ने यह सुनिश्चित करने के लिए ऑपरेशन एएएचटी शुरू किया है कि महिलाएं और बच्चे मानव तस्करी का शिकार न हों। वर्ष 2024 में, आरपीएफ ने ऑपरेशन एएएचटी के माध्यम से 826 व्यक्तियों को तस्करों के चंगुल से बचाया है। रेलवे के संपर्क में कई खोए या परित्यक्त बच्चे हैं, जिन्हें देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता है। आरपीएफ ने वर्ष 2024 में ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के माध्यम से 14,756 बच्चों को बचाया है। देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाली महिलाओं सहित वयस्कों को बचाने में आरपीएफ की महिला कर्मी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वर्ष 2024 में, आरपीएफ ने अपने ऑपरेशन डिग्निटी के माध्यम से 4,047 लोगों को बचाया है।

कोविड महामारी के दौरान, आरपीएफ ने हजारों मजदूरों को भोजन उपलब्ध कराया, जो फंसे हुए थे और महामारी संबंधी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए उनके घरों तक सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की। आरपीएफ को गर्व है कि आज सभी सीएपीएफ में महिला कर्मियों की सबसे बड़ी हिस्सेदारी उसके पास है। बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों से आने वाले यात्रियों को सुरक्षित यात्रा प्रदान करने में आरपीएफ के निरंतर प्रयास सामाजिक न्याय के वैश्विक लक्ष्य के अनुरूप हैं। सबसे कमजोर वर्गों तक पहुंचकर, भेदभाव को रोककर और समाज के कमजोर वर्गों की मदद करके एक अधिक न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में योगदान भी दे सकती हैं।

60 टन अवैध रेत जब्त, एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशानुसार, कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण पश्चिम हैदराबाद शहर के अधिकारियों ने मंडल राजस्व अधिकारी, नामपल्ली मंडल, हैदराबाद डिवीजन के साथ मिलकर जुमेरात बाजार, एचपी पेट्रोल पंप के पास, पुरानाफूल, हैदराबाद में स्थित संदीप वेट ब्रिज, संदीप कंस्ट्रक्शन एंड बिल्डिंग मैटेरियल नामक एक परिसर पर छापा मारा और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी संबंधित अधिकारियों की अनुमति के बिना अवैध रूप से भंडारण और ग्राहकों को रेत बेचने में लिप्त था।

आरोपी के. संतोष सिंह निवासी, लोअर धूलपेट, हैदराबाद के कब्जे से 60 टन रेत जप्त की गई। बरामद रेत की कीमत 1 लाख 20 हजार रुपये बताई जा रही है। आरोपी बिना किसी वे बिल या अन्य दस्तावेजों, खनन प्राधिकरण से अनुमति के अवैध रूप से रेत बेच रहा था।

प्रतिवादी अन्य जिलों में डिलीवरी स्थान होने के कागजात दिखा रहा था, लेकिन वे हैदराबाद शहर में रेत डंप कर रहे थे। वे बाजार मूल्य से अधिक कीमत पर रेत बेच रहे थे और निर्दोष लोगों को धोखा देकर अवैध रूप से पैसा कमा रहे थे।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, आयुक्त कार्य बल, हैदराबाद शहर एएनडीई. श्रीनिवास राव ने कहा कि वे बिल, वैध अनुमति के बिना रेत बेचना अवैध है। ऐसा कोई भी अवैध रेत कारोबार ध्यान में आए, तुरंत 100 डायल करें और रिपोर्ट करें। छापेमारी एस. बाला स्वामी, पुलिस निरीक्षक, दक्षिण पश्चिम, टास्क फोर्स के एसआई और कर्मचारियों और मंडल राजस्व अधिकारी, नामपल्ली मंडल, हैदराबाद डिवीजन द्वारा की गई।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. SANDT-CAMC-CIB-TIB_CHE

कार्य का नाम : 02 (दो) वर्ष की समयावधि हेतु वाल्टियर मण्डल के श्रीकाकुलम रोड स्टेशन पर कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड, सिंगल लाइन TIB, मल्टी लाइन TIB और AGDB के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध।

विज्ञापित मूल्य (₹): 10,41,468.00, EMD (₹) : 20,800.00, निविदा दस्तावेज की लागत (₹): 2,360/-, पूरा होने की अवधि : 24 महीने।

बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक 20.02.2025

निविदा बंद होने की अंतिम तिथि व समय : दिनांक- 06.03.2025 को 1500 बजे।

इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है। इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।
ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट http:// www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर / वाल्टियर
PR-999/P/24-25

सीपी ने शिवाजी महाराज जयंती समारोह स्थल का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर सुधीर बाबू ने महेश्वरम जोन के अंतर्गत पहाड़ीशरीफ पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आयोजित महाराष्ट्रीय योद्धा शिवाजी महाराज जयंती समारोह स्थल का दौरा किया। इस अवसर पर होने वाली रैलियों में प्रशंसकों की भारी भागीदारी को देखते हुए, आयुक्त ने अधिकारियों और कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए उचित सावधानी बरतने की सलाह दी कि समारोह शांतिपूर्ण माहौल में आयोजित किया जाए।

यौन उत्पीड़न करने के आरोप में युवक को एक साल का सश्रम कारावास

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर में वर्ष 2023 में नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के मामले में बुधवार को एक स्थानीय अदालत ने एक युवक को एक साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर 2,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। हस्तिनापुरम निवासी निजी कर्मचारी और आंध्र प्रदेश का मूल निवासी पी महेंद्र उर्फ महेंद्र (23) एलबी नगर की लड़की का पीछा कर उसे परेशान कर रहा था और उस पर प्यार करने का दबाव बना रहा था। शिकायत के आधार पर एलबी नगर पुलिस ने महेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने नाबालिग लड़की को 50,000 रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया।

सीवेज नाले पर व्यापक सर्वेक्षण किया जाना चाहिए : आयुक्त इलांबर्ती

आयुक्त ने पुराने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नालों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त इलांबर्ती ने अधिकारियों को याकूतपुरा सीवेज नाले का व्यापक सर्वेक्षण करने का आदेश दिया है। बुधवार सुबह आयुक्त ने स्थानीय विधायक जफर हुसैन और पार्षद के साथ याकूतपुरा में कई बरसाती नालों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर आयुक्त रंगेली ने किड़िकी, हुसैन कोटी, मौलाना चिल्ला, गंगा नगर और रैन बाजार का दौरा किया। सबसे पहले, रंगेली किदिकी स्ट्रीट पर सीवेज ओवरफ्लो का निरीक्षण किया गया। मेंटेनेंस कमिश्नर ने कमिश्नर को बताया कि जहांगीर नगर से गंगा नगर सीवर निजाम के समय का बना हुआ सीवर है और पिछली बरसात में आई बाढ़ के कारण इसमें गंदा पानी आ रहा है। उन्होंने प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग अधिकारियों को सीवर का व्यापक सर्वेक्षण करने और पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए कहा कि चूंकि यह निजाम के समय का सीवर है, इसलिए सीवर की स्थिति जानने की जरूरत है। इसके बाद उन्होंने मौलाना चिल्ला स्थित गंगा नगर नाले का निरीक्षण किया। विधायक ने आयुक्त को बताया

कि यह काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है, क्योंकि वह तीन साल से यह काम कर रहे हैं। इस तरह के चल रहे कार्यों के संदर्भ में, एजेंसी को ऐसे कार्य पूरा करने के लिए कहा गया।

इसमें वित्तपोषण की कोई समस्या नहीं है और कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा हो जाना चाहिए। स्थानीय लोगों ने बताया कि नाले में कूड़ा जमा होने और घरों में पानी घुसने के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके बाद आयुक्त ने जोनल आयुक्त को नाले को तुरंत हटाने का आदेश दिया। कॉलोनी के निवासियों ने आयुक्त को बताया कि उनके घरों में पानी इसलिए घुस रहा है क्योंकि रैन बाजार में मौजूदा बॉक्स नाला बारिश के पानी की निकासी नहीं कर रहा है और रुक रहा है।

विधायक ने आयुक्त से पूछा कि बॉक्स ड्रेन कार्य के लिए 1.60 करोड़ रुपये के प्रस्ताव भेजे गए हैं तथा इंजीनियरिंग अधिकारी को कार्य का पूरा विवरण सहित रिपोर्ट भेजने के आदेश दिए। आयुक्त ने सुझाव दिया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर किया जाना चाहिए, ताकि जनता को कोई असुविधा न हो।तूफानी जल निकासी मास्टर प्लान तैयार करें।आयुक्त ने कहा कि सड़क विकास योजना की तरह, हैदराबाद शहर के वर्षा जल निकासी के व्यवस्थित विकास, प्रबंधन और विस्तार को सुनिश्चित करने के लिए नाला विकास के लिए एक मास्टर प्लान की आवश्यकता है।

इससे बाढ़ की रोकथाम में मदद मिलेगी तथा मौजूदा नालों को नए शहरी विस्तार से जोड़ा जा सकेगा।

इस अवसर पर बोलते हुए आयुक्त ने कहा कि एसएनडीपी द्वारा यह कार्य इस उद्देश्य से किया गया है कि पुरानी बस्ती के लोगों को शहर में किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। रु. बताया गया कि निविदा प्रक्रिया पूरी करने तथा कार्य शुरू करने के लिए कदम उठाए गए हैं, जबकि एसएनडीपी ने 545 करोड़ रुपये की लागत से कार्य के दूसरे चरण को शुरू करने के लिए कदम उठाए हैं। अधिकारियों को पुरानी बस्ती में चल रहे कार्यों को अगले मानसून तक पूरा करने के

IN THE COURT OF THE HON'BLE III ADDL.CHIEF JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT: HYDERABAD.
A.S.NO. 189 OF 2024

Between:
Aditya Singh ...Appellant/Plaintiff
AND
Ramesh Singh and others ...Respondents/Defendants

To
R-12:Uday Singh S/o Late Devanand Singh,Aged 27 years, Occ : Rich Barbeque Kitchen,Business, At : one Mulgi in premises No. 14-8-502/2/3, Near Gandhi Statue, Puranapul, Hyderabad, T.S.
R-13:Naresh Singh, S/o not known to plaintiff, Aged Major, Occ:carr Business, Carrying Cissor Fast food Business, At : one Mulgi in premises No. 14-8-500, Near Gandhi Statue, Puranapul, Hyderabad, T.S.
R-14: Suresh Singh, S/o not known to plaintiff, Aged Major, Occ : Business,Carrying Fast food Business, At : one Mulgi in premises No. 14-8-499, Near Gandhi Statue, Puranapul, Hyderabad, T.S.... Defendants

Please take this Notice that my Client Aditya Singh, S/o. Sanjay Singh, filed the present appeal against you and others respondents aggrieved by the Judgment and Decree passed in O.S. No.1350 of 2022 on the file of the Honble XX Junior Civil Judge, City Civil Court, Hyderabad, Dated : 26-04-2024 and the matter is posted on Date 03-03-2025, at 10:30 a.m. for your appearance or through any pleader, otherwise you will be set Ex-parte and the matter will be heared in your absence.

//By Court Order//
Avinash Singh, Advocate,
R/o: 13-1-571/A/85/9, Upper Dhoolpet, Hyderabad, T.S-500006.

दिल का दौरा पड़ने से वरिष्ठ अधिवक्ता की मौत

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार दोपहर सिकंदराबाद के मरेडपल्ली में एक बैंक में चालान का भुगतान करते समय दिल का दौरा पड़ने से एक वरिष्ठ अधिवक्ता की कथित तौर पर मृत्यु हो गई। वकील वेंकट रमना, जो तरनाका के रहने वाले थे, चालान का भुगतान करने के लिए वेस्ट मरेडपल्ली इंडियन बैंक शाखा में आए थे। जब वे अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, तो अचानक उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वे बैंक परिसर में ही गिर पड़े।

बैंक में मौजूद अन्य ग्राहकों ने बैंक कर्मचारियों की मदद से अधिवक्ता को बचाया और तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इससे पहले मंगलवार को तेलंगाना उच्च न्यायालय के कोर्ट नंबर 21 में न्यायाधीश के समक्ष अपनी दलीलें पेश कर रहे एक अन्य अधिवक्ता पी वेणुगोपाल राव को अचानक दिल का दौरा पड़ा और वे अदालत कक्ष में ही बेहोश हो गए। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। लगातार दो दिनों में दो वकीलों की मौत से शहर के वकील समुदाय में चिंता बढ़ गई है।

बीआरएस सुप्रीमो को सत्ता में वापसी का भरोसा

तेलंगाना को बचाने के लिए नए सिरे से आंदोलन का आह्वान

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बुधवार को भरोसा जताया कि उनकी पार्टी तेलंगाना में सत्ता में वापस आएगी। उन्होंने कहा कि बीआरएस 100 प्रतिशत निश्चितता के साथ वापसी करेगी। उन्होंने चिंता जताई कि जिस राज्य के लिए उन्होंने लड़ाई लड़ी थी, वह कांग्रेस के शासन में पिछड़ रहा है। उन्होंने कहा कि केवल बीआरएस ही लोगों के संघर्ष को समझती है और तेलंगाना के मुद्दे पर खड़ी हो सकती है। उन्होंने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने का संकल्प लिया और पार्टी कार्यकर्ताओं से तेलंगाना की सुरक्षा के लिए नए सिरे से आंदोलन करने का आह्वान

किया।

तेलंगाना भवन में पार्टी कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर राव ने बीआरएस के रजत जयंती समारोह, सदस्यता अभियान और गांव से लेकर राज्य स्तर तक पार्टी पुनर्गठन समेत प्रमुख संगठनात्मक मामलों पर चर्चा की। पार्टी के ऐतिहासिक महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने नेताओं को तेलंगाना के राज्य आंदोलन से लेकर शासन तक की लंबी यात्रा की याद दिलाई और राज्य के विकास में बीआरएस के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि पिछले साल लोकसभा चुनावों में मिली हार के बाद पार्टी के खिलाफ नकारात्मक प्रचार के कारण कुछ विधायक सत्तारूढ़ कांग्रेस में चले गए थे। हालांकि, उन्होंने सभी को याद दिलाया कि बीआरएस का जन्म राज्य आंदोलन से हुआ है और कुछ चुनावों में हार के साथ इसे खत्म नहीं किया जा सकता।

भाकृ अनुप- केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान
आईएआर-सेंट्रल रीसर्च इंस्टिट्यूट फार ड्राईलैण्ड एग्रीकल्चरर
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-500059

रिक्ति सूचना सं. 04/2025-सीआरपीसीए

दि. 03-03-2025 के सु.10.00 बजे, वॉक-इन इंटरव्यू द्वारा सीनियर रीसर्च फेलो (01-पद) का अस्थायी पद भरा जा रहा है। विस्तृत विवरण हेतु http://www.icar-crida.res.in पर जाएं।

हस्ता./-
प्रशासकीय अधिकारी

हरि ॐ सातवी पुण्यतिथि हरि ॐ

स्व.श्रीमति सुन्दरबाई चोयल
धर्मपत्नीः स्व. श्री घीसारामजी चोयल
मरुधर मे काणेचा (राज.) स्वर्गवास : 20-02-2018

जीवन के हर पल में, आपकी कमी महसूस करते है हम।
सातवी पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते है हम।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : रामलाल (सुपुत्र), प्रकाश, राजु, मदनलाल (पौत्र), पवन, प्रवीन, गौरव, माहिर (पड़पौत्र), पूजा, मोनिका, भूमिका, देविका (पड़पौत्री) एवं समस्त चोयल परिवार

: फर्म : ※ सागर इन्टरप्राईजेस ※ आईजी मोबाईल्स
※ श्री कृष्णा इन्टरप्राइजेस मेट्रों के पीछे, कुकटपल्ली
9246874888, 9293140031, 9396333322

P.Solankey

भागलपुर में एनआईए की ताबड़तोड़ छापामारी

नजरे सद्दाम का घर खंगाला; आतंकी कनेक्शन की आशंका

भागलपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। भागलपुर में एनआईए की टीम की छापामारी से हड़कंप मच गया है। भागलपुर के भीखनपुर निवासी नजरे सद्दाम का देश विरोधी ताकतों से तार जुड़े होने पर एनआईए की टीम ने यह छापामारी की है। बुधवार को दिल्ली-पटना से पहुंची एनआईए की टीम ने इशाकचक थानाक्षेत्र के भीखनपुर स्थित घर पर छापेमारी की। बड़ी मस्जिद लेन स्थित घर पर नजर सफ़दम के पिता मुहम्मद मसिउज्जमा समेत परिवार के अन्य सदस्य मौजूद मिले जिन्हें टीम के पदाधिकारियों ने अलग-अलग पूछताछ की है।

पूछताछ और तलाशी के क्रम में जाली नोटों के काले कारोबार से जुड़े कुछ दस्तावेज समेत विस्फोटकों से जुड़ी जानकारियां टीम को हाथ लगी है। एनआईए की टीम को जाली नोटों

से जुड़े पाकिस्तानी एजेंटों और कश्मीर में सक्रिय देशविरोधी संगठनों से तार जुड़े होने के कुछ अहम साक्ष्य मिलें हैं जिसके बाद छापामारी की गई है। एनआईए के पदाधिकारियों ने फिलहाल कुछ बताने से इनकार किया है।

5 सितंबर 2024 को मोतिहारी एसपी कांतेश कुमार मिश्रा की निगरानी में जाली नोट के साथ मोतिहारी पुलिस ने नजरे सद्दाम समेत तीन तस्करों को पकड़ा था। उनके पास से पांच सौ रुपये नोट की शक्ल में तीन सौ जाली नोट बरामद किए गए थे। तस्करों के पास से तब एक लाख 95 हजार जाली रुपये मिले थे। नजरे सद्दाम की जानकारी पर कश्मीर के अनंतनाग में मुहम्मद सरफराज की गिरफ्तारी हुई थी जिसके आतंकियों से जुड़े होने के साक्ष्य मिले हैं। नजरे सद्दाम के अलावा भोजपुर और पटना के तस्कर गिरफ्तार किए गए थे। शिक्षक पुत्र नजरे सद्दाम सॉफ्टवेयर इंजीनियर भी है। नजरे सद्दाम गिरफ्तारी पूर्व 2024 में ही मार्च और जून में भी बॉर्डर से दिल्ली होते हुए कश्मीर पहुंच कर जाली नोट की सप्लाई कर चुका था।

उस वक्त भी टीम उसके पीछे लगी थी। जाली नोट का कनेक्शन नेपाल के भोरे गांव से जुड़ा है। नजरे सद्दाम से भोरे गांव में ही वहां के दो स्थानीय तस्करों के सहयोग से पाकिस्तानी एजेंटों से मुलाक़ात कराई गई थी। नजरे उन्हीं पाकिस्तानी एजेंटों के सहयोग से जाली नोट को बॉर्डर पार कराता था। भेलाही के पास नजरे सद्दाम को जाली नोट की खेप मिलती थी। नजरे पाकिस्तानी और नेपाली एजेंट के सहयोग से मिले जाली नोटों को कश्मीर के अनंतनाग ले जाया करता था। उन्हीं के माध्यम से उसका कश्मीर तक जाना होता था। जहां देशविरोधी हरकतों में शामिल संगठनों से जुड़े नेताओं, जरायमपेशेवरों से उंसके नजदीकी तालुक्कात हो गए थे।

नजरे सद्दाम कश्मीर के अनंतनाग में रुपये की डिलीवरी करता था

नजरे नेपाल के भोरे गांव से संतोष सहनी से रुपये लेकर कश्मीर के अनंतनाग के सरफराज को रुपये की डिलीवरी करता था। इसकाम में वह कई दोस्तों को भी शामिल कर रखा था। सरफराज उन रुपयों का कश्मीर की घाटियों में उग्रवादी गतिविधियों में इस्तेमाल करता था।

नजरे सद्दाम का दोस्त वर्क मुमताज से भी पूर्व में एनआईए के पदाधिकारियों ने उग्रवादी गतिविधियों के संचालन को लेकर कई अहम जानकारियां पूछताछ में ले चुके हैं।

शादी समारोह में रसगुल्ला को लेकर महाभारत जमकर चले लात घूंसे

फिरोजाबाद, 19 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद शहर के डीके मैरिज में शादी समारोह में जमकर लात घूंसे चले। एक रसगुल्ले को लेकर मैरिज होम युद्ध का मैदान बन गया। मारपीट का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो 3 मिनट 43 सेकेंड का है। वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह लोग एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं। घटना देर रात की है। शादी में दावत का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान शादी में आये मेहमानों के बीच रसगुल्ला को लेकर युद्ध छिड़ गया। देखते-देखते मैरिज में मारपीट शुरू हो गयी। आप तस्वीरों में देख सकते है जिसको जो मिला उसको पीट रहा है। शादी में भगदड़ मच गयी। मारपीट का वीडियो शोसल मीडिया पर सुर्खियों में छाया हुआ है। वायरल वीडियो में दिख रहा है लोग कुर्सियां एक-दूसरे के ऊपर फेंक रहे हैं। फिलहाल वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस मामले की जाँच पड़ताल में जुट गयी है। हालांकि अभी तक किसी भी पक्ष में शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

सजते-संवरते चली गई दुल्हन की जान, शादी से कुछ घंटे पहले आया हार्ट अटैक

मुजफ्फरनगर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। परिवार में शादी की खुशियां थी। लड़की पक्ष शादी की रस्मों की तैयारियों को पूरा करने में जुटा था। लेकिन, सगाई के बाद दुल्हन की मौत ने सभी को सन्न कर दिया। भोपा रोड स्थित एक बैंक्वेट हाल में शादी से कुछ घंटे पूर्व दुल्हन की मौत हो गई। ब्यूटी पार्लर में तैयार होने गई दुल्हन को ह्दय संबंधित समस्या बन गई। जिसे लेकर स्वजन प्राइवेट अस्पताल पहुंचे और फिर उसे मेरठ ले गए लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मध्य प्रदेश में दूल्हा की घोड़ी पर बैठे-बैठे हुई मौत के बाद यूपी के मुजफ्फरनगर में दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। उसकी मृत्यु ह्दय गति रुकने से होने की चर्चा रही। इस हादसे के बाद वर वधू दोनों पक्षों की खुशियां मातम में बदल गई। बैंक्वेट हाल में आए घराती-बराती गमजदा होकर लौट गए।

ममता बनर्जी के महाकुंभ-मृत्युकुंभ वाले बयान पर आया डिंपल यादव का रिएक्शन, योगी सरकार से की ये मांग

लखनऊ, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताए जाने पर समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव की पत्नी और सपा सांसद डिंपल यादव का रिएक्शन सामने आया है। डिंपल यादव ने भी महाकुंभ को लेकर योगी सरकार को घेरा है और सरकार से बड़ी मांग की है। सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा, इस बार महाकुंभ में बहुत निंदनीय घटनाएं घटी हैं। शासन और प्रशासन ने इसे छिपाने की कोशिश की थी तो हम केवल यह चाहते हैं कि सरकार सही आंकड़े बताए। उन्होंने आगे कहा, सरकार ने कहा था कि 100 करोड़ लोगों की व्यवस्था है लेकिन वह नहीं थी।

लोग जान गंवा रहे- डिंपल यादव

सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा, लगातार घटनाएं घट रही हैं। लोग लौटते समय हादसों में अपनी जान गंवा रहे हैं। रेलवे स्टेशन और महाकुंभ तक में लोगों ने जान गंवाई है। हम सिर्फ यही चाहते हैं कि सरकार मृतकों का सही आंकड़ा दे और उन्हें सही मुआवजा मिले। हमारी सिर्फ ये मांग है।

ममता बनर्जी ने साधा था योगी सरकार पर निशाना

महाकुंभ को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने योगी सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, महाकुंभ में वीआईपी को खास सुविधाएं दी जा रही हैं, लेकिन गरीबों को इससे वंचित रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगे कहा था, 'महाकुंभ अब मृत्यु कुंभ में बदल चुका है। यहां वीआईपी लोगों को ही खास सुविधाएं मिल रही हैं। टीएमसी प्रमुख और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगे कहा था, आपको इस तरह के बड़े आयोजन की योजना बनानी चाहिए थी। भगदड़ की घटना के बाद कितने आयोग कुंभ भेजे गए। बिना पोस्टमार्टम के ही शवों को बंगाल भेज दिया गया। वे कहेंगे कि लोगों की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई और उन्हें मुआवजा नहीं दिया जाएगा।

3 साल की मासूम से दरिंदगी करने वाले नाबालिग लड़के को 20 साल जेल की सजा

कानपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक 15 साल के किशोर ने एक 3 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था, जिसकी अब उसे कोर्ट ने सजा सुनाई है। कोर्ट ने उसे 20 साल की जेल की सजा सुनाई है। 15 साल के आरोपी का नाम शुभम रावत है, जिसे पॉक्सो कोर्ट ने तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में 20 साल जेल की सजा सुनाई। साथ ही एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। पॉक्सो कोर्ट के न्यायाधीश विजेंद्र त्रिपाठी ने ये फैसला सुनाया। कोर्ट ने किशोर न्याय बोर्ड के फैसले का संज्ञान लेते हुए दोषी को कठोरतम सजा सुनाई। इस मामले की जांच के लिए बनी कमेटी ने तमाम तरह के परीक्षण के बाद एक फैसला लिया कि अपराधी किशोर है, लेकिन उसकी मानसिक और शारीरिक क्षमता वयस्क अपराधी की तरह थी।

'ये पाप मां गंगा भी नहीं धो सकती'

महाकुंभ को लेकर पल्लवी पटेल का सीएम योगी पर हमला

लखनऊ, 19 फरवरी (एजेंसियां)। अपना दल (कमेरावादी) की नेता और सिराथू सीट से विधायक पल्लवी पटेल ने महाकुंभ को लेकर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने महाकुंभ में प्रबंधन के नाम पर मानवीय संवेदनाओं के साथ खिलवाड़ किया है और इसका पाप स्वयं मां गंगा भी नहीं धुल पाएंगी। पल्लवी पटेल ने कहा, आज जिस कालखंड में बजट सत्र की शुरुआत हुई है, उससे अच्छा वक्त नहीं हो सकता। देश का सबसे बड़ा राजनीतिक सूबा उत्तर प्रदेश है। यहां पर महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे में महाकुंभ के दौरान बजट सत्र की शुरुआत अपने आप में आशीर्वाद प्राप्त करके होती है। विधायक ने तंज कसते हुए आगे कहा कि महाकुंभ में देश-विदेश से लाखों-करोड़ों श्रद्धालु आ रहे हैं।

उनकी तरफ से मैं सरकार से एक सवाल पूछती हूं। सरकार ने अपनी शाही दूरबीन से महाकुंभ में आने वाले 40 से 45 करोड़ श्रद्धालुओं का आंकड़ा पेश कर दिया, लेकिन वहीं जिन्होंने हादसे में अपने परिवार वालों को खोया है, उनके आंकड़े क्यों नहीं जारी किए गए?

प्रबंधन के नाम पर किया खिलवाड़- पल्लवी पटेल

सिराथू विधायक ने कहा, सरकार हवा-हवाई बातें करने में बहुत सही है, लेकिन जहां पर सटीक व्यवस्था और मानव जाति की संवेदना और भावनाओं की बात आती है, वहां पर वह शून्य है। बार-बार वह इस बात को साबित भी करते आ रहे हैं। सरकार और सरकार को चलाने वाले लोगों ने प्रबंधन के नाम पर मानवीय संवेदनाओं और भावनाओं के साथ जो खिलवाड़ और पाप किया है, इस बार वह पाप स्वयं मां गंगा भी नहीं धो सकतीं। विधानसभा में सीएम योगी के मौलवी वाले बयान पर पल्लवी पटेल ने कहा, यह भाजपा का दोहरा चरित्र है। जब वे मुख्य बिंदु से लोगों का ध्यान हटाना चाहते हैं, तब वे ऐसे निरर्थक शब्दों का प्रयोग करते हैं। महाकुंभ में हुए हादसे पर उन्हें बात नहीं करनी पड़े, इसलिए उन्होंने भाषा जैसे मुद्दे को यहां पर उठा दिया।

पति से अलग भी रहना है और खर्चा भी चाहिए कोर्ट ने खारिज कर दिया महिला का केस

कानपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पारिवारिक न्यायालयों में पति से अलग रहने और गुजारा भत्ता की मांग के मुकदमों की भरमार हो गई है। ऐसे ही एक मामले में यूपी के कानपुर कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए महिला की याचिका खारिज कर दी। महिला अपने पति के साथ भी नहीं रहना चाहती थी और उसको गुजारा भत्ता भी चाहिए था। महिला को पति के 60 हजार वेतन में से 40 हजार रुपए चाहिए थे। हालांकि अब महिला के हाथ में कुछ नहीं आएगा। कानपुर के किदवई नगर निवासी महिला की शादी दिल्ली निवासी शिक्षक से हुई थी। महिला ने मुकदमा दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि उसकी शादी 2018 में हुई थी और शादी में उसके मायके वालों ने तकरीबन 25 लाख रुपए खर्च किए थे। महिला का आरोप था कि कुछ समय बाद से उसके ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर उसको प्रताड़ित करने लगे, सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि उसके पति ने उसको जान से मारने की कोशिश भी की। पत्नी का आरोप था कि उसका पति उसे मारकर दूसरी शादी करना चाहता है। पत्नी ने गुजारा भत्ता की मांग करते हुए कहा कि उसके पति को 61 हजार रुपए वेतन मिलता है और गुजारा भत्ता के रूप में उसको 40 हजार रुपए दिलवाए जाए। दूसरी तरफ पति ने मारपीट के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उसकी पत्नी अपने माता पिता के साथ रहती है। झूठा आरोप लगाकर उसको पुलिस में बंद कर देती है। इसके बावजूद वो अपनी पत्नी को रखना चाहता है लेकिन वो नहीं रहना चाहती। ऐसे में गुजारा भत्ता का आदेश देने से उसका परिवार बिखर जाएगा। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि पति अपनी पत्नी को रखना चाहता है, लेकिन इसके बावजूद पत्नी बिना कारण पति के साथ रहना नहीं चाहती। इसलिए वह भरण पोषण की अधिकारी नहीं है। कोर्ट ने यह कहते हुए मुकदमा खारिज कर दिया। कोर्ट ने पहले से मिल रही अंतरिम राशि मात्र 1300 रुपए आदेश की तारीख तक देने के निर्देश दिए।

विद्यालय के नेम प्लेट पर शहीद वीर अब्दुल हमीद का नाम दोबारा लिखा, प्रधानाचार्य ने मांगी माफी

धामुपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद ने अपने शौर्य और पराक्रम से 1965 के युद्ध में पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिए। उन्होंने भारत-पाक युद्ध में अमेरिका निर्मित अजेय समझे जाने वाले पैटर्न टैंक को ध्वस्त करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। उनका साहस और देश प्रेम आज के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। मरणोपरांत वीर अब्दुल हमीद को उनके अदम्य साहस और पराक्रम के लिए 'परमवीर चक्र' से नवाजा गया। देश के लिए किए गए उनके इस बलिदान की याद में उनके नाम पर जनपद में हमीद सेतु का नामकरण किया गया है। गांव धामुपुर के जिस प्राथमिक विद्यालय में वीर अब्दुल हमीद ने पढ़ाई की थी, वहां के रजिस्टर में आज भी उनका नाम अंकित है। इस विद्यालय को उनके नाम से समर्पित करते इसका नामकरण वीर अब्दुल हमीद प्राथमिक विद्यालय धामपुर रखा गया था, लेकिन 3 से 4 दिन पहले उस विद्यालय के बोर्ड से वीर अब्दुल हमीद का नाम मिटाकर पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय लिख दिया गया।

गंगा पर सीपीसीबी रिपोर्ट के बाद शिवपाल यादव बोले 'पोल खुल गई, ये डबल इंफेक्शन सरकार'

प्रयागराज, 19 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ के दौरान गंगा-यमुना में प्रदूषण की सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) की रिपोर्ट आने के बाद सियासी बवाल बढ़ता जा रहा है। इस रिपोर्ट में गंगा के पानी को प्राथमिक गुणवत्ता के हिसाब से नहाने के योग्य नहीं बताया गया है। जिसके बाद अब सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने योगी सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस रिपोर्ट को लेकर तंज कसते हुए कहा कि ये डबल इंजन की सरकार है या डबल इंफकेशन की। शिवपाल यादव ने कहा कि अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा- 'महा कुंभ में गंगा स्नान से पहले पानी शुद्ध करने के सरकारी दावों की पोल खुल गई! सीपीसीबी रिपोर्ट कहती है कि पानी में फ़ीकल बैक्टीरिया तय सीमा से ज़्यादा है। अब भक्त सोच रहे हैं – ये "डबल इंजन सरकार" है या "डबल इंफेक्शन सरकार"?'

रिपोर्ट को लेकर योगी सरकार को घेरा

दरअसल सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) ने सोमवार को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीची) को गंगा-यमुना के पानी की गुणवत्ता को लेकर अपनी रिपोर्ट सौंपी है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में फेकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा बढ़ गई है, जिससे नदी में पॉल्यूशन का लेवल बढ़ गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, जब से महाकुंभ चल रहा है तब से प्रयागराज में अलग-अलग जगहों पर फेकल कोलीफॉर्म का लेवल नहाने के लिए प्राथमिक जल गुणवत्ता के हिसाब से नहीं है। इस रिपोर्ट के आने के बाद इस मामले पर आज यूपी विधानसभा में भी हंगामा देखने को मिल सकता है। माना जा रहा है कि सपा इस मुद्दे को लेकर योगी सरकार को सदन में घेर सकती है। वहीं इससे पहले मंगलवार को भी सपा विधायकों ने महाकुंभ की व्यवस्थाओं को लेकर भगदड़ में हुई मौतों की संख्या को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा किया था। शिवपाल यादव ने तो महाकुंभ में सनातन के नाम पर सरकारी पैसे का दुरुपयोग करने तक का आरोप लगा दिया था।

बिहार के 16 शहरों में बारिश का अलर्ट जारी

किसानों से सावधान रहने की अपील

पटना, 19 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से पहाड़ों पर बर्फबारी व मैदानी भागों में हल्की वर्षा की संभावना है। पश्चिम राजस्थान व उत्तर पूर्व असम में एक चक्रवातीय परिसंचरण का प्रभाव बना हुआ है। इनके प्रभाव से प्रदेश का मौसम शुष्क रहने के साथ बादलों की आवाजाही बने होने से तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। दो दिनों बाद न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री वृद्धि का पूर्वानुमान है। अगले तीन से चार दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। हालांकि, बारिश होने से तापमान में गिरावट के आसार हैं।

23 फरवरी से बिहार के इन 16 जिलों में बारिश की संभावना

23 फरवरी को सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, बेगूसराय, खगड़िया, कटिहार, भागलपुर, मुंगेर, लखीसराय, जमुई, शेखपुरा, नवादा व गया के एक या दो स्थानों पर वज्रपात व मेघ गर्जन व हल्की वर्षा को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। किसानों से सावधान रहने की अपील बिहार में बारिश के दौरान किसान खुले में जाने से परहेज करें, क्योंकि वज्रपात से नुकसान हो सकता है। किसान बारिश कम होने पर ही खेतों की ओर जाएं।

स्टेशन पर टिकट जांच रही थी फर्जी महिला टीटीई, आईडी कार्ड देखा तो सब हो गए हैरान

लखनऊ, 19 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां चारबाग रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने एक फर्जी महिला टीटीई को गिरफ़्तार किया है। ये महिला रेलवे स्टेशन पर हाथ में कॉपी-पैंसिल लेकर यात्रियों की टिकट चेक कर रही थी। महिला ने गले में रेलवे का आई कार्ड भी पहना था। लेकिन जब रेलवे कर्मचारियों को उस पर शक हुआ तो उसकी पोल खुल गई। इस युवती का नाम काजल सरोज है, बताया जा रहा है ये महिला चारबाग रेलवे स्टेशन के वेटिंग रूम में यात्रियों से उनकी टिकट चेक कर रही थी। उसने बाकायदा रेलवे की ड्रेस, कोट, गले में लाल रंग टाई और आईकार्ड पहना हुआ था ताकि उसे काई पहचान नहीं सके। उसे देखकर जब दूसरे रेलकर्मियों का शक हुआ तो स्टेशन अधीक्षक अरविंद बघेल ने उससे पूछताछ की तो महिला के आईकार्ड पर जो कर्मचारी संख्या उसका तैनाती स्थल और तमाम चीज़े लिखी हुई थी वो सब फर्जी थी।

लालू यादव के 'कुंभ फालतू है' बयान पर खरी-खोटी सुनाने वाले जीतन राम मांझी पहुंचे प्रयागराज, कही ये बात

पटना, 19 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव मे बीते दिनों महाकुंभ को लेकर विवादित बयान दिया था। इसके बाद बिहार में सियासत तेज है। इसी बीच केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के सुप्रीमो जीतन राम मांझी आज प्रयागराज पहुंचे हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर तीन तस्वीरें शेयर की हैं। साथ ही लिखा कि कुंभ स्नान के लिए प्रयागराज पहुंच गया हूं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया है कि उनके साथ और कौन-कौन लोग पहुंचे हैं। प्रयागराज पहुंचने पर योगी सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा उनका स्वागत किया गया है। इससे पहले जीतन राम मांझी ने लालू के बयान पर भी जोरदार पलटवार किया था। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा था कि कुंभ स्नान फालतू है और चारा खाना पुण्य है। आपके हिसाब से तो यही ठीक होगा। लाल प्रसाद यादव देश आपका जवाब चाहता है। बता दें कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ को लेकर मीडिया ने लालू यादव से सवाल किया था। जिसपर उन्होंने कहा था कि कुंभ का कोई मतलब नहीं है कुंभ फालतू है। लालू के बयान पर बिहार में राजनीति तेज होती जा रही है इसी बीच जीतन राम मांझी आज प्रयागराज पहुंचे हैं।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में पूर्वोत्तर पहाड़ी क्षेत्र

यूपी के किसानों हेतु प्रशिक्षण

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल के सहयोग से श्री अन्न उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु पूर्वोत्तर पहाड़ी क्षेत्र (अरुणाचल प्रदेश, मेघालय) तथा उत्तर प्रदेश के 30 किसानों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनिसं ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा श्री अन्न के महत्व एवं किसानों के लिए इस प्रशिक्षण के संभावित लाभों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विकसित विभिन्न तकनीकों, स्टार्टअप हेतु उपलब्ध इन्कुबेशन सुविधाओं तथा किसानों को निःशुल्क बीज उपलब्ध कराने सहित संस्थान की विभिन्न पहलों से अवगत कराया। उद्घाटन सत्र के दौरान, प्रतिभागियों ने श्री अन्न मूल्य-वर्धन के बारे में जानने हेतु अपनी गहरी रुचि दर्शायी। डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक एवं पाठ्यक्रम निदेशक ने श्री अन्न प्रसंस्करण तकनीकों, मूल्य-वर्धन कार्य-नीतियों तथा व्यावसायिक अवसरों पर आयोजित विभिन्न सत्रों पर प्रकाश डाला। उन्होंने न्यूट्रीहब में इन्कुबेशन सुविधाओं, श्री अन्न संग रसोई पर व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा चिक्की व पोहा उत्पादन लाइनों के दौरे के बारे में सविस्तार जानकारी दी। इस कार्यक्रम में तकनीकी ज्ञान के अलावा,उद्योग विशेषज्ञों तथा वैज्ञानिकों के साथ संवादात्मक चर्चाएं भी शामिल हैं। डॉ. के श्रीनिवास बाबू, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने ओडिशा मिलेट मिशन पर अपने अनुभवों को साझा किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय डॉ. संगप्पा, डॉ. के श्रीनिवास बाबू, डॉ. महेश बी टेंगली, डॉ. प्रेमराध्या, डॉ. महेश कुमार, श्री एच एस गावली, डॉ. रफी, सुश्री मेघना तथा सुश्री चंद्रा लेका द्वारा किया जा रहा है।

टाटा मैजिक और ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत में तीन लोगों की मौत, चार घायल; अलीगढ़ रोड पर हुआ हादसा

आगरा, 19 फरवरी (एजेंसियां)। आगरा में खंदौली के पीली पोखर में बुधवार सुबह सात बजे टाटा मैजिक और ट्रक में आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मृत्यु हो गई। जबकि चार लोग घायल हो गए। टाटा मैजिक में सवार लोग धौलपुर से शादी समारोह से कैटरिंग का सामान लेकर अलीगढ़ जा रहे थे। सभी हरियाणा के रहने वाले थे। मरने वाले एक व्यक्ति की पहचान मंदीप के रूप मे हुई है। दो अन्य की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना सुबह सात बजे की है। आगरा से टाटा मैजिक अलीगढ् की तरफ जा रही थी। इसी दौरान सादाबाद की ओर से आते तेज रफ्तार ट्रक ने टाटा मैजिक को टक्कर मार दी। गाड़ी के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। टाटा मैजिक में सवार लोगों की चीखें सुनकर जुटे राहगीरों ने उसमें फंसे लोगो को बाहर निकाला। तब तक तीन लोगों की मृत्यु हो चुकी थी। घायलों को पुलिस ने एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार मरने वालों तीन लोगों में मंदीप की पहचान हो सकी है। घायलों के नाम पवन सिंह, अमन निवासी बलरामपुर थाना सेक्टर 21 जिला कैथल हरियाणा और दीपक व एक अज्ञात है।

'अखंड भारत के प्रणेता और महान विजेता शिवाजी को नमन', सीएम फडणवीस ने किया याद

पुणे, 19 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें प्रबंधन गुरु - कुशल प्रशासक भी बताया, जिन्होंने कल्याणकारी राज्य चलाने का उदाहरण प्रस्तुत किया। सीएम फडणवीस ने पुणे के शिवनेरी किले में मराठा राजा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा- शिवाजी महाराज ने न केवल 'स्वराज्य' की स्थापना की, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की भावना भी जगाई। बता दें कि, महान मराठा योद्धा का जन्म 19 फरवरी, 1630 को जिले की जुन्नार तहसील के शिवनेरी में हुआ था। शिवाजी महाराज की जयंती मनाने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने शिवनेरी किले में 'पालना समारोह' समेत कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में मराठा राजा के अनुयायी भी उनकी 395वीं जयंती समारोह में भाग लेने के लिए किले में जमा हुए थे। इस मौके पर वहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सीएम फडणवीस ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज केवल योद्धा ही नहीं थे, बल्कि एक कुशल प्रशासक भी थे, जिन्होंने कल्याणकारी राज्य चलाने का उदाहरण प्रस्तुत किया।

वे सच्चे अर्थों में प्रबंधन गुरु थे- फडणवीस

मुख्यमंत्री ने कहा, शिवनेरी की धरती पर कदम रखने से स्वराज्य की प्रेरणा मिलती है और यही भावना लोगों को बार-बार यहां खींच लाती है। उन्होंने कहा, 'जब कई राजाओं और राज्यों ने मुगल शासन को स्वीकार कर लिया, तो माता जीजाऊ ने छत्रपति शिवाजी महाराज को एक ऐसे नेता के रूप में देखा, जो शोषण और अत्याचार को समाप्त कर लोगों को स्वराज्य की ओर ले जाएगा।'

मुंबई की 65 इमारतों पर एक साथ चलेगा बुलडोजर 3500 परिवार हो जाएंगे बेघर! कोर्ट का आदेश

मुंबई, 19 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई से सटे कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका के अंतर्गत आने वाली 65 इमारतों को तोड़ने के लिए हाई कोर्ट ने आदेश दिया है। इस आदेश के बाद इन 65 इमारतों में रह रहे 6500 लोगों पर पुनर्वासन का संकट आ गया है। ये सभी इमारतें डोंबिवली ईस्ट और डोंबिवली वेस्ट के अलग-अलग भूखंडों में बनाई गई हैं, जिनमें 35 भूखंड तो रिज़र्वेशन प्लाट थे जो गार्डन, मैदान और अस्पताल के लिए रिजर्व थे। बिल्डर्स में इन आरक्षित जमीनों पर अवैध इमारतों का निर्माण किया और इन्हें बेच डाला। आरोप है कि कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका के अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी परमिशन लेटर बनाए गए और फर्जी नक्शे पास करवाए गए थे। इन फेक डॉक्यूमेंट के सहारे महारेरा अथॉरिटी से रेरा नंबर लेकर बैंक से होम लोन ग्राहकों को दिलवा दिए गए।

3500 परिवार हो जाएंगे बेघर

एक व्हिसल ब्लोअर की जनहित याचिका के बाद हाई कोर्ट ने इन सभी 65 इमारतों को तोड़ने का आदेश इसी हफ्ते दिया है। इसके बाद 3500 परिवारों पर घर से बेघर होने की नौबत आ गई है। इनकी मेहनत की कमाई से खरीदे आशियाने पर किसी भी समय महानगर पालिका का बुलडोजर चलने वाला है।

आशियाना उजड़ने की खबर से परेशान लोग

इमारत में रह रहे लोगों से बात की तो वे बेहद परेशान दिखे। सभी की आंखों में आंसू थे। सबके हाथ में फ्लैट के कागजात थे, लेकिन उन फ्लैट्स के कागजात जो अब उनके नहीं रहे। अब इन सभी 6500 लोगों का आशियाना छिनने वाला है। इसमें छोटे-छोटे मासूम बच्चे भी हैं। डोंबिवली में एक-दो नहीं, बल्कि 3500 से ज्यादा फ्लैट ओनर दुख और संताप में जीने को मजबूर हो गए है। इनमें पीड़ितों की संख्या 6500 से ज्यादा है।

पांच साल से चल रहा केस

ये पूरा मामला साल 2020 में सामने आया, जब पहली एफआईआर मानपाडा पुलिस थाने में दर्ज हुई। 60 लोगों पर नकली दस्तावेज बनाकर 65 इमारतें अवैध तरीके से बनाने का आरोप लगा। इसी मामले में दूसरी एफआईआर साल 2022 में मानपाडा पुलिस थाने में दर्ज की गई। इस स्कैम की जांच के लिए एसआईटी बनाई गई, जिसके बाद एसआईटी ने जांच कर एक तीसरी एफआईआर कल्याण पुलिस थाने में दर्ज करवाई।

2400 करोड़ से ज्यादा के राजस्व का नुकसान

जांच में ये बात सामने आई है कि इन 65 इमारतों के निर्माण के लिए सरकार का 2400 करोड़ से ज्यादा का राजस्व का नुकसान हुआ। 100 करोड़ रुपये के प्रधानमंत्री आवास योजना को केंद्र सरकार से लेकर ग्राहकों के खाते में डालकर इसका एक अलग स्कैम हुआ। इन आरोपियों ने महानगर पालिका के नकली स्टैंप और नकली पेपर्स बनाए, महारेरा में नकली पेपर्स अपलोड किए गए और 7 से 10 मंजिला इमारत बना दी गई। इस केस में अब तक 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बड़ी बात यह है कि इस केस की जांच में ईडी ने बयान दर्ज किए, ईओडब्ल्यू भी इन्वॉल्व हुआ लेकिन अब तक बड़ी मछलियां पकड़ से बाहर हैं। 2 एफआईआर के बाद एसआईटी जांच की मांग करने और ईडी जांच करवाने वाले इस केस के व्हिसल ब्लोअर संदीप पाटिल के हाई कोर्ट के जनहित याचिका के बाद ये पूरा मामला बढ़ा और हाई कोर्ट ने सभी 65 इमारतों को 13 फरवरी को तोड़ने का आदेश जारी किया।

क्या केजरीवाल पंजाब के सीएम बनने जा रहे हैं? भगवंत मान ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हार के बाद सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की थी कि अब केजरीवाल क्या करेंगे? क्या केजरीवाल भगवंत मान से इस्तीफा लेकर खुद पंजाब के सीएम बन जाएंगे? इस अटकल को आज पंजाब के सीएम भगवंत मान ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के पंजाब के सीएम बनने की अफवाह उड़ाई जा रही है, इसमें थोड़ी सी भी सच्चाई नहीं है। दिल्ली चुनाव के बाद पंजाब में चल रहे नेतृत्व परिवर्तन के कयासों के बीच पहली बार मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुलकर बात की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री नहीं बनने जा रहे हैं। ऐसी अफ़वाह फैलायी जा रही है। ये बातें निराधार है, इसमें कोई सच्चाई नहीं है। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए पिछले आठ फरवरी को चुनाव परिणाम घोषित किए गए। बीजेपी ने 70 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीटें हासिल कीं और करीब 27 साल बाद सत्ता में वापसी की। वहीं अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। आम आदमी पार्टी को केवल 22 सीटों से संतोष करना पड़ा है। इस चुनाव में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया जैसे दिग्गज भी अपनी सीटें नहीं बचा पाए। ऐसे में इस बात की अटकलें तेज थीं कि अरविंद केजरीवाल भगवंत मान को हटाकर खुद पंजाब के सीएम बन जाएंगे। लेकिन भगवंत मान ने इन अटकलों को अफवाह करार दिया है। उधर, अमेरिका से निर्वासित कर भारत भेजे जा रहे लोगों पर भगवंत मान की प्रतिक्रिया आई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि उन्होंने अमेरिका से डिपोर्ट कर भेजे युवकों का विमान पंजाब में उतारने का विरोध जताया था। सीएम मान ने उम्मीद जताई कि अगली बार आने वाला विमान पंजाब में नहीं उतरेगा।

दिल्ली-राजस्थान समेत इन राज्यों में आज होगी बारिश, पहाड़ों पर बर्फबारी के आसार

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। देश के कई हिस्सों में मौसम एक बार फिर बदल रहा है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, नोएडा और मुंबई में बारिश की संभावना जताई गई है। इन जगहों के तापमान में भी उतार-चढ़ाव दर्ज किया जा रहा है। एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से इन राज्यों में मौसम बदलने वाला है। साथ ही पहाड़ी इलाकों में भी बारिश और बर्फबारी की संभावना बनी हुई है।

दिल्ली में बारिश का अनुमान

मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली और आसपास के शहरों में एक बार फिर मौसम में बदलाव के संकेत हैं। आज बादल छाए रहने की संभावना है। दिन के समय आंधी और बारिश का अनुमान है। बुधवार को भी अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री रहने की संभावना है। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान समेत कई राज्यों में आज बारिश के आसार बन रहे हैं। आईएमडी के मुताबिक गुरुवार को भी बादल छाने और दिल्ली में हल्की बारिश होने का अनुमान है। बारिश होने पर न्यूनतम तापमन में भी गिरावट आने के संकेत हैं।

राजस्थान के पांच शहरों में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान में 20 फरवरी तक पश्चिमी व उत्तरी भागों में कहीं कहीं बादल छाए रहने की संभावना है। इस दौरान हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने का अनुमान भी जताया गया है। 20 फरवरी को भरतपुर, जयपुर, कोटा, बीकानेर तथा जोधपुर में कहीं कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

महाराष्ट्र, कर्नाटक समेत इन राज्यों में कितना रहा तापमान?

वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल और माहे में कई स्थानों पर दिन के तापमान में 1-3 की वृद्धि हुई है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ स्थानों पर तापमान 1-3 तक गिर गया है। हिमाचल प्रदेश में बारिश और हिमपात होगा। गुरुवार को कुफरी, नारकंडा, मनाली, सोलंगवैली, डलहौजी, सिस्सू और आसपास के क्षेत्रों सहित अधिकांश पर्यटन स्थलों पर बारिश व हल्के हिमपात का अनुमान है।

20 फरवरी को जम्मू में बर्फबारी

मौसम विभाग ने 20 फरवरी को लेकर भी कई राज्यों में येलो अलर्ट जारी किया है। जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर बर्फबारी के संकेत जताए गए है। आईएमडी ने इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

रील के चक्कर में मुसीबत में फंसी दो लड़कियों की रियल लाइफ, वीरांगना की प्रतिमा को मारे थे थप्पड़, गिरफ्तार

अशोकनगर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले की मुंगावली तहसील का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में दो लड़किया वीरांगना की प्रतिमो को थप्पड़ मार रही हैं। दोनों लड़कियों ने रील बनाने के लिए ऐसा किया, जिसके बाद उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। लेकिन, यह वीडियो वायरल हो गया और फिर लड़कियों की इस हरकत का विरोध शुरू हो गया। जिसके बाद पुलिस ने लड़कियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

गुजरात के वलसाड में चार कॉलेज छात्र डूबे अमरेली जिले में शेर ने लड़के को मार डाला

वलसाड/अमरेली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के वलसाड जिले में पिकनिक मनाने गए चार कॉलेज छात्र नदी में डूब गए। इसके अलावा एक अन्य घटना में अमरेली जिले में एक सात वर्षीय लड़के को शेर ने मार डाला। पुलिस अधीक्षक करणराज वाघेला ने बताया कि वापी में केबीएस कॉलेज के आठ छात्रों का एक समूह मंगलवार शाम को पांडव कुंड में पिकनिक मनाने गया था, जहां से कोली नदी निकलती है। उनमें से एक छात्र तैरने के लिए नदी में कूदा, लेकिन डूबने लगा। चार अन्य छात्र भी उसे बचाने के लिए नदी में कूद गए। फिर वे भी डूबने लगे। वाघेला ने बताया कि जब उनके दोस्तों ने शोर मचाया, तो रोहिया तलत गांव के कुछ निवासी उन्हें बचाने के लिए आए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सभी पांचों को कपराडा के नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने

उनमें से चार को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक अन्य छात्र को बचा लिया गया, जो बेहोश था। पीड़ितों की उम्र 19 से 22 वर्ष के बीच थी और वे पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश के दमन जिले के दाभेल के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि कपराडा पुलिस थाने में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा अमरेली जिले में एक सात वर्षीय लड़के को शेर ने मार डाला। गिर राष्ट्रीय उद्यान के नजदीक स्थित इस इलाके में घूम रहे दो शेरों को मंगलवार सुबह की घटना के बाद पकड़ लिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि राहुल बरैया नामक लड़के पर पनिया गांव में उस समय शेर ने हमला किया, जब वह पानी लेने के लिए नदी की ओर जा रहा था। बाद में उसका बुरी तरह क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया। उप वन संरक्षक जयंत पटेल ने बताया कि वन अधिकारियों ने इलाके की घेराबंदी कर दो शेरों को पकड़ लिया। उन्हें जांच के लिए क्रांकाच एनिमल केयर सेंटर ले जाया गया।

स्कूल के हॉस्टल में छात्र ने लगाया फंदा, जांच में जुटी पुलिस, अंग्रेजी में लिखा सुसाइड बरामद

भोपाल, 19 फरवरी (एजेंसियां)। परवलिया थानांतर्गत ग्राम तारा सेवनिया स्थित सेंट जोसफ इंटरनेशनल स्कूल फॉर एक्सीलेंस के हॉस्टल में रहने वाले एक छात्र ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। मंगलवार की रात करीब 9 बजे सहपाठियों ने फंदे पर शव लटका देखा तो स्टाफ को सूचना दी। छात्र हॉस्टल में रहकर आठवीं कक्षा की पढ़ाई कर रहा था। उसके पास अंग्रेजी भाषा की कर्सिव राईटिंग में लिखा एक सुसाइड नोट मिला है, जिसकी तस्दीक करवाई जा रही है। थाना प्रभारी रोहित नागर ने बताया कि उत्कर्ष उर्फ वंश कुशवाहा पुत्र संतोष कुशवाहा (14) ऐशबाग का रहने वाला था। फिलहाल वह सेंट जोसफ इंटरनेशनल स्कूल फॉर एक्सीलेंस में आठवीं में पढ़ता था और स्कूल के ही हॉस्टल में रहता था। मंगलवार की रात करीब साढ़े आठ बजे साथी छात्र भोजन करने के लिए मैस चले गए थे। साथियों ने उसे खाना खाने के लिए चलने का बोला तो उत्कर्ष ने कहा कि कुछ देर में आता है। सहपाठी भोजन करने के बाद हॉस्टल लौटे तो उत्कर्ष का शव फंदे पर लटका मिला। बच्चों ने तत्काल ही इसकी सूचना होस्टल के स्टाफ को दी, जिसके बाद परवलिया पुलिस को सूचना दी गई।

'भैया-भाभी के अश्लील वीडियो', खन्ना में तीन बच्चों के माता-पिता ने किया सुसाइड, देवर ने बताई वजह

खन्ना, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के खन्ना में तीन बच्चों के माता-पिता ने सरहिंद नहर में कूदकर जान दे दी। इस घटना के बाद से गांव में सनसनी फैल गई। जब सुसाइड का कारण पता चला तो पुलिस वाले भी सन्न रह गए। दोनों के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया है। जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर राहगीर ने पुलिस को सूचना दी कि सरहिंद नहर के किनारे एक कार लावारिस हालत में खड़ी है। कार के पास चप्पलें और मोबाइल फोन भी पड़ा है। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे तो देखा कि कार के पास चप्पलों पर मोबाइल फोन था। इस बीच परिवार के सदस्य भी दोनों की तलाश करते हुए मौके पर पहुंच गए।

फिर उनकी डेड बॉडी नहर से निकाली गईं। जसवंत सिंह के भाई गुरजंट सिंह ने बताया कि उनके भाई जसवंत सिंह और भाभी नेहा रानी दोपहर करीब साढ़े तीन बजे अपनी कार में सवार होकर घर से निकले थे। कुछ देर बाद दोनों ने सरहिंद नहर में जाकर पानी में छलांग लगा दी। गुरजंट सिंह ने बताया कि गांव के दो-तीन लोग उसके भाई और भाभी को परेशान कर रहे थे। क्योंकि उनके पास कुछ आपत्तिजनक फोटो या वीडियो थे। इसी मामले को लेकर जसवंत सिंह और नेहा रानी का दूसरे पक्ष के खिलाफ कोर्ट में केस भी चल रहा है।

'बेटी को अफसर बनाने का सपना रह गया अधूरा', रिया के मजदूर पिता ने सुनाई आपबीती

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। देश की राजधानी के नई दिल्ली स्टेशन पर बीते शनिवार (15 फरवरी) रात मची भगदड़ में कई परिवारों को इतने गहरे जख्म मिले, जो शायद ही वो कभी भूल पाएंगे। इस हादसे का शिकार ओपिल सिंह की दास्तां कुछ ऐसी है जिसे सुनकर आप भी खुद को व्यथित होने से नहीं रोक पाएंगे। दरअसल, बीते शनिवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 4 बच्चे भी शामिल थे। इनमें एक 7 साल की बच्ची रिया की भी मौत हुई थी। रिया के माता-पिता और उनके रिश्तेदार दिल्ली के सागरपुर इलाके में रहते हैं। रिया के पिता ओपिल सिंह मजदूरी करते हैं। रिया कक्षा 3 में पढ़ती थी। शनिवार यानी भगदड़ वाली रात ओपिल सिंह अपने पत्नी, छोटे भाई और 2 बच्चियों के साथ प्रयागराज महाकुंभ में डुबकी लगाने के लिए जा रहे थे। उनके साथ ओपिल सिंह की बहन भी अपने परिवार के साथ महाकुंभ जा रही थीं, लेकिन जब ओपिल सिंह परिवार के साथ प्लेटफॉर्म पर पहुंचे तो वहां 5 से 6 हजार लोगों की भीड़ को देखते हुए उन्होंने वापस घर जाने का निर्णय लिया। घर वापस लौटने का फैसला लेने के बाद वह जैसे ही प्लेटफॉर्म 14 की सीढ़ियों पर पहुंचे, वैसे ही ऊपर से 5 से 6 हजार लोगों की भीड़ आ गई। उन्होंने कहा, भीड़ के बीच लोगों के पैर फंस गए।

कुख्यात अपराधी अब आतंकियों की तर्ज पर चला रहे नेटवर्क, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम से होती है बातचीत

जम्मू, 19 फरवरी (एजेंसियां)। कुख्यात अपराधी आतंकियों की तर्ज पर अपना नेटवर्क चला रहे हैं। नशा तस्करी के लिए कोडवर्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं। जबकि अन्य गतिविधियों के लिए बातचीत पूरी तरह से व्हाटसएप और इंस्टाग्राम कालिंग के जरिए कर रहे हैं। जिस तरह आतंकी किसी वारदात को अंजाम देने से पहले रेकी करते हैं, ठीक उसी तरह अपराधी अपने काम को अंजाम देने के लिए रेकी कर रहे हैं। पहले से ही पुलिस के लिए सिरदर्द बन चुके अपराधियों का ये नया पैंतरा नई चुनौती बन गया है। क्योंकि पुलिस सामान्य कॉलिंग को तो पकड़ में ले आती है। लेकिन वर्चुअल कॉल को नहीं पकड़ पा रही। इसलिए नशे के कारोबार से लेकर गैंगवार तक फल फूल रहा है। पिछले कुछ समय में पकड़े गए अपराधियों से पूछताछ में ऐसी कई जानकारियां निकल कर आई हैं। जिसे लेकर पुलिस नए सिरे से सोच रही है। क्योंकि मौजूदा समय में पुलिस का स्पेशल आपरेशन ग्रुप ही इस तरह की तकनीक का पता लगा सकता है। पुलिस की सामान्य इकाइयां नहीं। हेरोइन बेचने वाले टॉफी, सामान जैसे कोडवर्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं। नशे का सामान डिलीवर करने के लिए किसी एक खास जगह पर बुलाया जाता है। लेकिन बुलाने पर भी डिलीवरी नहीं दी जाती। इसके बाद फिर एक नई लोकेशन भेजी जाती है।

पटाखे से हुई दुर्घटना में 50 लोगों घायल होने के बाद कार्रवाई, फुटबॉल मैच आयोजकों पर केस दर्ज

मलप्पुरम, 19 फरवरी (एजेंसियां)। केरल में पटाखे से हुए हादसे के बाद पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार शाम को मल्लपुरम जिले के एरीकोड इलाके में एक स्टेडियम में सेवेंस फुटबॉल मैच के दौरान पटाखे फूटने से 50 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में से दो को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाज कराने वाले अन्य लोगों की चोटें गंभीर नहीं हैं। अब बुधवार को पुलिस ने आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना मैच से ठीक पहले पटाखे फूटने के दौरान हुई। पटाखे फूटने से वे मैदान के पास बैठे दर्शकों के बीच गिर गए, जिससे कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि आयोजकों पर बीएनएस की धारा 288 (विस्फोटक पदार्थ के संबंध में लापरवाही) और 125 (बी) (दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महाराष्ट्र पुलिस ने विकिपीडिया को भेजा नोटिस 'तुरंत हटाओ संभाजी महाराज पर लिखा कंटेंट'

मुंबई, 19 फरवरी (एजेंसियां)। लोकप्रिय ऑनलाइन इनसाइक्लोपीडिया (विश्वज्ञानकोश) विकिपीडिया पर छत्रपति संभाजी महाराज के बारे में 'आपत्तिजनक' सामग्री को लेकर महाराष्ट्र में विवाद खड़ा हो गया है। विकिपीडिया पर कई ऐसी बातें लिखी गई हैं, जो छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन से संबंधित भी नहीं है। यह मामला तब सामने आया जब मशहूर निर्माता कमाल राशि खान (केआरके) ने विकिपीडिया की जानकारी के आधार पर अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर छत्रपति संभाजी महाराज के बारे में गलत और आपत्तिजनक बातें लिखीं। इसके बाद से विकिपीडिया के इस कॉन्टेंट में बदलाव के साथ केआरके के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है।

सीएम फडणवीस ने दिए ये निर्देश

इस मामले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी विकिपीडिया पर संभाजी महाराज को लेकर मौजूद आपत्तिजनक जानकारी के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। सीएम फडणवीस ने इसके लिए महाराष्ट्र साइबर पुलिस को विकिपीडिया के अधिकारियों से संपर्क कर उस पर मौजूद आपत्तिजनक कंटेंट को हटाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ओपन-सोर्स प्लेटफॉर्म पर वह इस लेखन को बर्दाश्त नहीं करेंगे, जहां ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जाए। उन्होंने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिया है कि उन्हें जो भी कदम उठाने की जरूरत है, उठाएं। फडणवीस ने यह भी कहा कि विकिपीडिया भारत से संचालित नहीं होता है और इसका प्रबंधन वॉलंटियर्स द्वारा किया जाता है। इनके पास संपादकीय अधिकार होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनकी तरफ से यह कहा जा सकता है कि वे लोग कुछ ऐसे नियम बनाए, जिससे इतिहास के तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने पर रोक लगाई जा सके। बता दें विकिपीडिया एक फ्री ऑनलाइन विश्वकोश है, जिसे खुले सहयोग के साथ वॉलंटियर्स के एक समुदाय द्वारा लिखा और अनुरक्षित किया जाता है।

नितेश राणे ने क्या कहा?

वहीं छत्रपति संभाजी महाराज को लेकर केआरके द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों की महाराष्ट्र के राजनेताओं ने आलोचना की और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मंत्री नितेश राणे ने कहा, पुलिस केआरके के खिलाफ कार्रवाई करेगी और इसके बाद जो कुछ बचेगा वह शिवाजी के समर्थक करेंगे यानि हम देख लेंगे। कमाल राशिद खान को अगर औरंगजेब की बहुत याद आ रही है तो उसे भी उसके पास भेजा जाएगा, ऐसी जिहादी सोच बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बता दें छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज महाराष्ट्र में पूजनीय हैं। विकिपीडिया पर विवादित कॉन्टेंट का मुद्दा मराठा शासक छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित विक्की कौशल अभिनीत बॉलीवुड फिल्म 'छावा' की रिलीज के कुछ दिनों बाद सामने आया। इस फिल्म की पृष्ठभूमि को लेकर काफी आपत्तियां दर्ज करवाई गई हैं।

मूवी के पहले पीवीआर ने दिखाई ऐड, युवक ने किया केस अब मिला मोटा हर्जाना

बेंगलुरु, 19 फरवरी (एजेंसियां)। सिनेमा हॉल में आप जब भी मूवी देखने जाते होंगे तो मूवी से पहले आपको कई तरह के ऐड दिखाए जाते हैं। कई बार तो ये रिपीट भी होते रहते हैं। आपको भी कभी न कभी इनके कारण इरिटेशन महसूस हुई होगी। ऐड और समय की बर्बादी को लेकर एक कस्टमर ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। युवक ने आरोप लगाया गया कि पीवीआर सिनेमा में उसे मूवी टाइम के दौरान कई तरह के ऐड दिखाए गए। जिससे उसका शेड्यूल बाधित हुआ और उसे मानसिक पीड़ा का सामना भी करना पड़ा है। कंज्यूमर कोर्ट ने समय को धन के समान माना है और इस पर जोर देते हुए पीवीआर सिनेमा और आईनॉक्स को शिकायतकर्ता को हुए नुकसान की भरपाई करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने पीवीआर और आईनॉक्स को शिकायतकर्ता का समय बर्बाद करने के लिए 50,000 रुपये, मानसिक पीड़ा के लिए 5,000 रुपये और शिकायत दर्ज करने और अन्य राहत के लिए 10,000 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया। कोर्ट ने पीवीआर सिनेमा और आईनॉक्स पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

टाइमिंग के हिसाब से नहीं हुआ शो शुरू

शिकायतकर्ता अभिषेक एमआर ने आरोप लगाया कि 2023 में उन्होंने फिल्म 'सैम बहादुर' के लिए शाम 4 105 बजे के शो के लिए तीन टिकट बुक किए थे। उन्होंने दावा किया कि फिल्म शाम 6.30 बजे तक खत्म हो जानी थी जिसके बाद उन्होंने अपने काम पर लौटने की योजना बनाई, लेकिन उन्हें बहुत आश्चर्य हुआ, जब ऐड और फिल्मों के ट्रेलर स्ट्रीम होने के बाद फिल्म शाम 4.30 बजे शुरू हुई, जिसमें लगभग 30 मिनट का समय बर्बाद हुआ। अभिषेक ने कोर्ट में बताया कि उसने पूरे दिन का शेड्यूल बनाया हुआ था, क्योंकि उसे उस दिन कई जरूरी काम करने थे। फिल्म के कारण वो ये नहीं कर पाया है। जबकि टिकट में टाइमिंग कुछ और थी और फिल्म शुरू और खत्म किसी और समय पर हुई है। कोर्ट ने माना कि वी शुरू होने से पहले दिखाए जाने वाले ऐड ज्यादातर कमर्शियल होते हैं, इनमें अनिवार्य सार्वजनिक सेवा घोषणाएं जैसा कुछ भी शामिल नहीं होता है। पीवीआर की तरफ से तर्क दिया गया कि इन ऐड के जरिए लेट आने वाले लोगों की काफी मदद होती है। कोर्ट ने कहा कि समय पर आने वाले दर्शकों को अत्यधिक ऐड देखने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। आगे कहा कि अधिकतम 10 मिनिट तक ही ये ऐड चला जाने चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 20 फरवरी - 2025

कांग्रेस संगठन में सर्जरी

लंबे इंतजार के बाद ही सही, बूढ़ी हो चली कांग्रेस में जान फूंकने की तैयारी शुरू कर दी गई है। नतीजतन कांग्रेस नेतृत्व ने अंगद की पांव की तरह जमे संगठन के कर्ताधर्ताओं के पर कतरने शुरू कर दिए हैं। इसके तहत कई प्रदेशों के अध्यक्षों का चलता भी कर दिया गया है। बाकी के लिए कवायद जारी है। सर्जरी की शुरुआत महाराष्ट्र में प्रदेश अध्यक्ष और विधायक दल के नेता के नामों के ऐलान के साथ हुई। फिर दो महासचिवों सहित 13 राज्यों व चार केंद्र शासित क्षेत्रों के प्रभारियों की भी नियुक्ति की गई। इस पहल से जहां पुराने नेताओं में अपने वजूद को लेकर अनिश्चितता का माहौल है वहीं पार्टी की नई कोपलों में उम्मीद की किरण दिखने लगी है। इसके बावजूद इस तरह की अचानक शुरू की गई सर्जर से कई सवाल भी जुड़ते दिखाई देने लगे हैं। बता दें कि 2022 में हुए पार्टी के उदयपुर अधिवेशन के बाद संगठन में बड़े बदलाव लाने वाले फैसलों का इंतजार हो रहा था, लेकिन एक के बाद एक ऐसी वजहें बनती रहीं कि यह कार्य टलता रहा। बड़े सोच-विचार के बाद आखिरकार तय किया गया कि साल 2025 में उदयपुर अधिवेशन में पारित प्रस्तावों पर अमल किया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यभार संभालने के बाद इसकी भूमिका भी तैयार की जाने लगी थी। इसलिए अब माना जा रहा है कि इस पहल को इसकी तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाएगा। पिछले कुछ चुनावों में कांग्रेस को भले ही अपेक्षित चुनावी सफलता नहीं मिली, लेकिन राहुल गांधी की अगुआई में तय किए गए अजेंडे में एकरूपता साफ झलक रही थी। खासकर, जाति जनगणना और दलितों-पिछड़ों व अनुसूचित जनजातियों की विभिन्न क्षेत्रों में कम नुमाइंदगी से जुड़े सवालों पर वे पार्टी की ओर से लगातार कवायद कर रहे थे। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक था कि खुद कांग्रेस पार्टी इस मामले में पीछे खड़ी हुई नहीं दिखना चाहती थी। लिहाजा पार्टी के लिए यह महत्वपूर्ण हो गया था कि वह नए बदलावों के बाद अब पार्टी की सीनियर लीडरशिप का 70-75% हिस्सा ओबीसी, एसटी-एससी और माइनॉरिटी तबकों से आने वाले नेताओं को दे। जाहिर है राजनीति में नुमाइंदगी के सवाल के साथ ही व्यावहारिकता की शर्त भी जुडी हुई होती है। जाहिर है, ताजा नियुक्तियों को भी व्यावहारिकता की कसौटी पर खरा उतरना होगा। जैसा कि महाराष्ट्र में प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर हर्षवर्धन सपकाल के रूप में नया नाम देखकर शुरू हुए विवाद से भी स्पष्ट होता है। महाराष्ट्र के कई वे बड़े नेता जो इस पद के दावेदार माने जा रहे थे वे इस चयन पर आश्चर्य जता रहे हैं। बहरहाल, इसी वजह से नए अध्यक्ष के परफॉर्मेंस को लेकर अभी से कोई राय बना लेना ठीक नहीं होगा। उनके पास वक्त है और देखना होगा कि वह इसका कैसा इस्तेमाल करते हैं। विपक्ष की देश में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में कांग्रेस पर यह दायित्व है कि वह अपनी कमजोरियों को दूर कर लोगों के सामने ऐसा विकल्प पेश करे, जिससे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और मजबूत हो। इसमें खडगे और राहुल गांधी की नई टीम क्या गुल खिलाती है यह तो भविष्य ही बताएगा।

दोष ट्रम्प का नहीं आनुवंशिकता का है

डॉ. चक्रपाल सिंह

डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिका का दोबारा राष्ट्रपति चुनने से पहले और चुनने के बाद अन्य देशों,विशेष कर ब्रिक्स देशों के बारे में दिए गए बयानों ने राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खलबली मचाई हुई है। तो दूसरी ओर 'अमरीका प्रथम' की अपनी घोषित नीति एवं अमरीका में बसे अवैध प्रवासियों को अपराधी एवं खतरा बता कर अमरीका से डिपोर्ट करने के अपने चुनाव में किए गए राजनीतिक वायदे को सख्ती से लागू करना शुरू कर दिया है। इस कड़ी में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा से ठीक पहले और उसके ठीक बाद भारतीयों को हाथ में हथकड़ी, पैरों में जंजीर बांधकर अमरीकी सैनिक मालवाहक विमान सी-17 ग्लोब मास्टर की तीन खेपों में आलेख लिखे जाने तक, कुल 332 अवैध प्रवासी भारतीय अमृतसर की पवित्र सर जमीं पर स्थित गुरु रविदास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतर चुके हैं।

अमेरिका द्वारा अवैध भारतीय प्रवासियों के डिपोर्ट किए जाने के समय के चयन, तौर तरीके तथा इनके साथ किए गए अमानवीय व्यवहार को लेकर राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर माहौल गरमाया हुआ है। वहीं भारत में सरकार की अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति को लेकर संसद से लेकर सड़क तक चर्चाओं का बाजार गर्म है। स्थिति यह है कि इसको लेकर सत्ता पक्ष एवं विपक्ष में तू-तू, मैं-मैं के हालात बने हुए हैं। तो मीडिया पूरी तरह दो खेमों में अर्थात इस पार या उस पार खड़ा हुआ है। हालात ये हैं कि दो राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्ष की मुलाक़ात में मान्य सामान्य से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय शिष्टाचार गत व्यवहार को मीडिया अतिशयोक्ति पूर्ण ढंग से एक उपलब्धि के तौर गुणगान करने व दिखाने में आत्म मुग्ध है। तो मीडिया के दूसरे खेमे को देश के प्रधानमंत्री की अमरीका यात्रा में कुछ भी फ़ायदा नजर नहीं आ रहा है। ये दोनों ही स्थितियां भारतीय पत्रकारिता की महान संस्कृति एवं परंपरा से मेल नहीं खातीं हैं। यह भारत और भारतीयता के मूल चरित्र में अन्तर्निहित आदर्शों के खिलाफ है। दुर्भाग्यपूर्ण कड़वी हकीक़त तो यह है कि सूचनाओं के जंगल में लगी आग में खबरें राख हो चुकीं हैं। खबरों की राख से जीवित खबरों को बीनने वाले पत्रकार नदारद नजर आ रहें हैं। खबरिया जगत के लिए यह बहुत ही खतरनाक स्थिति है।

खैर, यह पहला अवसर नहीं है कि किसी अमरीकी राष्ट्रपति ने अमरीका प्रथम के नाम पर दूसरे देशों के साथ ऐसा व्यवहार किया हो। एक विशुद्ध व्यापारी की तरह पूंजीवादी अमरीका का अपना व्यापारिक हित हमेशा प्रथम रहा है। इसके लिए न जाने कितने देशों में सत्ता पलट किया गया है, आतंकवादी गुटों को पाला पोषा है और प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष लड़ाइयां की हैं और कराईं हैं। यह कोई छुपा रहस्य नहीं है। यहाँ प्रश्न ट्रम्प के व्यवहार का नहीं, पूंजीवादी अमरीकी मानसिकता का है, जो उसकी आनुवंशिकी में है। विषय पर आगे बढ़ने से पहले इसको समझने का प्रयास करते हैं।

बाकया वर्ष 1965 भारत पाक युद्ध के समय का है। इस समय भारत खाद्यान्न के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर था। उस समय भी भारत को अमेरिकी मदद दी गई थी। तब भारत में तत्कालीन अमेरिकन एम्बस्सडर चैस्टर बॉउल्स, तत्कालीन अमेरिकन राष्ट्रपति एल बी। जॉनसन से भारत को अन्न भेजने की समस्या पर बात करने के लिए वाशिंगटन गए हुए थे। उधर जॉनसन भारतीय नेताओं की वियतनाम नीति पर अमरीकी आलोचना से क्षुब्ध थे। बॉउल्स ने जॉनसन को यह दलील दी कि भारत ही नहीं अन्य देश भी अमेरिका की वियतनाम नीति की आलोचना करते हैं। तब जॉनसन ने जो जवाब दिया गौर करने लायक है कि " पर वे अन्य देश हमसे अन्न तो नहीं मांगते हैं। " जॉनसन के इस संक्षिप्त जबाव में गहरे, बहुत गहरे गूणार्थ छिपे हुए थे। साठ वर्ष बाद इनका कूटानुवाद कर समझने और समझाने की जरूरत है। यहाँ ध्यान देने वाली बात तो यह है कि खाद्यान्न संकट के उन हालातों में भी भारत ने अपनी अंतर्राष्ट्रीय तटस्थ कूट नीति पर कोई समझौता किए बिना वियतनाम के प्रति अमरीकी अनीति का पुरजोर विरोध किया था। वहीं, वर्ष 2008 में जब विश्व खाद्यान्न की बढ़ती कीमतों के संकट से जूझ रहा था, तब की तत्कालीन अमरीकी विदेश मंत्री कोंडालिजा राइस बयान देती हैं कि ' भारतीयों के ज्यादा खाने के कारण विश्व बाजार में खाद्यान्नों की कीमत बढ़ रही है। ' तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश राइस से एक कदम आगे जाते हुए कहते हैं कि 'भारत में 35 करोड़ लोग मध्यम वर्ग में आते हैं, जो अमेरिका की जनसंख्या से अधिक हैं, और जब आप पैसा अर्जित करना शुरू करते हैं, तो आप अच्छे भोजन की मांग करते हैं, इस तरह मांग बढ़ने से कीमतों में वृद्धि होती है। ' अर्थात राइस और बुश भारतीयों को 'पेटू' बताकर खाद्यान संकट के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे थे।

लेकिन हकीक़त इसके ठीक विपरीत थी। अमेरिका में 'जैव ईंधन के निर्माण में अनाजों के बढ़ते प्रयोग के कारण खाद्य संकट और गहरा सकने की बात को अस्वीकार करते हुए, बुश ने इससे उलट मक्का से एथेनोल के निर्माण को बढ़ती कीमतों का कारण मानने से इनकार कर दिया।

उपर्युक्त दृष्टांत न केवल अमरीका की नीति एवं नीयत के अंतर्विरोध को स्पष्ट करते हैं बल्कि उसकी पूंजीवादी जीन में अंतर्निहित डीएनए में छिपे स्वार्थी व्यापारी की मानसिकता को दर्शाते हैं, जिसके लिए सार्वजनिक रिश्ते, दोस्ती या दोस्ती का दिखावा दूरगामी व्यापारिक हितों के हिस्से के रूप में देखे जाना चाहिए। भरोसेमंद दोस्तों की तरह तो बिल्कुल नहीं। फिर इतिहास गवाह है कि अमेरिका भारत का विश्वसनीय दोस्त तो कभी भी नहीं रहा है। अतः देश को अमरीका की ओर कोई भी कदम बढ़ाने से पहले पूंजीवादी अमरीकी आनुवंशकी में छिपे डीएनए का कूटानुवाद करना समय की सबसे बड़ी मांग है। यहाँ यह स्पष्ट करना जरूरी हो जाता कि राष्ट्रपति ट्रंप की कोई भी, कैसी भी धमकियां /बयान भारत के लिए तब तक कोई मायने नहीं रखते हैं, जब तक भारतीय गोदाम खाद्यान्न से लबालब हैं और भारत खाद्यान्न के मामले में पूर्णतः आत्मनिर्भर है तथा दूसरे देशों को अन्न निर्यात करने की स्थिति में है। यह तथ्य हमारे राष्ट्र नायकों को गहरे से ध्यान में रखना होगा। कृषि एवं खाद्यान्न मोर्चे पर ज़रा सी भी चूक राष्ट्र को बहुत भारी पड़ सकती है।

हम बौद्धिक आख्यानों, उपदेशों, प्रवचनों अथवा भाषणों में अक्सर अपनी विरासत पर गर्व के साथ इठलाते नहीं थकते हैं। थकना भी नहीं चाहिए। अतः आज किसी देश से दोस्ती का हाथ आगे बढ़ाने से पूर्व विरासत (वेद, पुराण, गीता आदि) में मिली कूटनीतिक शिक्षाओं एवं कौटिल्य जैसे महान कूटनीतिज्ञ की नीतियों को ध्यान में रखने की जरूरत है। क्या सच में इनका पालन किया जा रहा है? सबसे हैरत की बात तो यह है कि क़ानूनों के उल्लंघन का हवाला देकर कुछ लोग पूरी निर्लज्जता के साथ प्रवासी भारतीयों के साथ किए गए अमेरिका के क्रूरता पूर्ण अमानवीय व्यवहार का न केवल बचाव कर रहे हैं बल्कि सही ठहरा रहे हैं। यह सही है कि ये गैरकानूनी तरीके से देश से बाहर गए। लेकिन इनको भेजा किसने? सबसे महत्वपूर्ण इनके द्वारा गैरकानूनी रास्ता अख्तियार करने के नेपथ्य में वे कौन सी सामाजिक। आर्थिक, शैक्षिक एवं बेरोजगारी गत परिस्थितियाँ थीं जिन्होंने बाल बच्चों सहित जिन्दगी को दांव पर लगाकर देश को छोड़ने के लिए मजबूर किया ? यदि सच में इन्होंने क़ानून का उल्लंघन किया है, तो देश के तमाम ऐसे क़ानून हैं जिनके अंतर्गत इन पर कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। लेकिन, अमेरिका के क्रूर अमानवीय व्यवहार को उचित नहीं ठहरा सकते है। यहाँ अवैध भारतीय प्रवासियों के भारत द्वारा वापस लेने के संबंध में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का यह कहना कि 'ये सामान्य परिवारों के बच्चे होते हैं। उनको बड़े बड़े सपने दिखाए जाते हैं, और ज्यादातर ऐसे होते हैं जिनको गुमराह करके लाया जाता है। हमारी कोशिश है और हमारी कोशिश रहनी चाहिए कि इस प्रकार की पूरी इकोसिस्टम को हमने जड़ मूल से नष्ट करना चाहिए। ' अति महत्वपूर्ण हो जाता है। उनके कथन में निहित चिंताओं को समझा जा सकता है। यहाँ यक्ष प्रश्न तो यही है कि देश में अवैध गतिविधियों में लिप्त उस संगठित इकोसिस्टम को संचालित कौन कर रहा है? इसे खोज कर कौन सी कार्यवाही की जाने वाली है? क्या इन लोगों से ठगे गए पैसों को भी वसूला जाएगा ? बहुत सारे प्रश्न हैं जिनके जवाब अपेक्षित हैं। या फिर हमेशा की तरह कुछ दिन बाद सब कुछ सामान्य हो जाएगा और इसकी जगह कोई दूसरा मुद्दा मीडिया की सुर्खियाँ बन जाएगा ।

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक मज़बूत और रचनात्मक विपक्ष आवश्यक है।

प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र को मज़बूत बनाने के लिए सरकार और विपक्ष को मिलकर रचनात्मक रूप से काम करना होगा। लेकिन भारत में संसदीय बहसों में बढ़ते ध्रुवीकरण, बार-बार व्यवधान तथा गहन चर्चाओं पर बयानबाजी के प्रभुत्व के कारण विधायी विचार-विमर्श की गुणवत्ता और भी खराब हो गई है। अपर्याप्त नीतिगत चर्चा सरकार और विपक्ष के बीच वास्तविक बातचीत में बाधा डालती है।

पक्षपातपूर्ण मुद्दों का उपयोग अक्सर उन महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए किया जाता है, जिनके लिए व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता होती है, जैसे विदेश नीति और तकनीकी विकास। संसदीय चर्चाओं की प्रभावशीलता तब कम हो जाती है जब राजनीतिक दुश्मनी के कारण चर्चा के बजाय अशांति पैदा होती है। सरकार का विधायी एजेंडा और विपक्ष के साथ सार्थक तरीके से बातचीत करने की अनिच्छा यह दर्शाती है कि वह अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। संसदीय प्रक्रियाओं द्वारा चर्चा और नीति सुधार को सुगम बनाया जाना चाहिए, लेकिन बढ़ती पक्षपातपूर्णता ने इन प्रक्रियाओं को कमजोर कर दिया है। महत्त्वपूर्ण नीतियों पर पूर्व-विधान परामर्श और चर्चाएँ अधिक प्रयास से नहीं हो पा रही हैं।

सरकार को नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के लिए एक मज़बूत विपक्ष की आवश्यकता है। इस बात को समझते हुए, अमेरिकी संस्थापकों ने सरकार के कई स्तर स्थापित किये।

वे बड़ी सरकार को लेकर बहुत सतर्क थे, यही कारण है कि उन्हें लगता था कि इसे चलाना कठिन और जटिल है। वे अन्य सदस्यों द्वारा कानून पारित होने से रोकने के लिए वैध लेकिन अनैतिक साधनों के प्रयोग से अनभिज्ञ थे। विधेयक पर बात-चीत करते हुए उसे समाप्त कर देना या विधेयक पर बात न करना का तात्पर्य अनावश्यक भाषणबाजी और समय की बर्बादी से है जिसका उद्देश्य किसी सार्थक विधेयक या कानून को वास्तव में पारित होने से रोकना होता है। विपक्ष सरकार में तोड़फोड़ कर सकता है और कानूनों को पारित होने से रोक सकता है, जिससे वे अप्रभावी हो जाएंगे। मज़बूत विपक्ष के अभाव में वर्तमान सरकार निरंकुश और गैर-जवाबदेह हो जाती है और वह ऐसे कानून बना सकती है जो कुछ लोगों या किसी विशिष्ट जनजाति या समूह को लाभ पहुँचाते हैं। जैसा कि कहा गया है, ₹सत्ता भ्रष्ट करती है₹ और खेद की बात है कि ऐसा होता भी है। अतीत के कथित ₹परोपकारी₹ राजा वास्तव में अधिकार के पदों पर नहीं थे। 1960 के दशक में पहली बार नाइजीरियाई सैन्य अधिग्रहण से पहले, देश में मज़बूत विपक्ष था। हालांकि, फूट डालो और राज करो की रणनीति, तथा देशद्रोह के आरोप में नेता को जेल में डालकर इसे कुचलने में सफल रहे। परिणामस्वरूप, लोगों ने उन सभी लोगों को मार डाला जिन्हें वे भ्रष्ट मानते थे, क्योंकि उन्हें लगा कि उनकी शिकायतों पर सुनवाई नहीं हो रही है और सरकार गैर-जवाबदेह और भ्रष्ट हो गई है।

इसके परिणामस्वरूप तख्तापलट हुआ। मुख्यतः एक विशिष्ट जनजाति से सम्बंधित राजनेताओं की हत्या के बाद गृहयुद्ध छिड़ गया। भले ही नेता को यह विश्वास हो कि वह लोगों के सर्वोत्तम हित में कार्य कर रहा है, लेकिन यदि मामले में उनकी कोई बात नहीं सुनी जाएगी तो लोग उत्पीड़ित महसूस करेंगे। किसी वर्तमान या भूतपूर्व नेता द्वारा जनता के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करने तथा अपने कार्यों के लिए उत्तरदायी ठहराए जाने की क्षमता अद्भुत है। सभी तानाशाह प्रेस में किसी भी प्रकार की असहमति को दबाने से शुरुआत करते हैं, जो एक अन्य महत्त्वपूर्ण तत्व है। इसके बाद उन्हें गैर-सरकारी संगठनों पर हमला करने का अवसर मिलता है।

राजनीतिक बयानबाजी के बजाय नीति पर ज़ोर देना संसदीय कार्यप्रणाली में सुधार का एक तरीक़ा है। संसदीय चर्चाओं में पुराने ज़माने के दोषारोपण या चुनाव प्रचार की तुलना में शासन सम्बंधी मुद्दों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विपक्ष और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच लगातार, संगठित संपर्क से मुद्दा-आधारित संवाद को बढ़ावा मिल सकता है और टकराव से बचने में मदद मिल सकती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि नीतिगत चर्चाएँ फलदायी बनी रहें, संसदीय समितियों जैसे तंत्रों को मज़बूत किया जाना चाहिए। तात्कालिक राष्ट्रीय मुद्दों पर नियमित चर्चा के माध्यम से सरकार की कार्यवाही को स्पष्ट करना कुछ ऐसा है जो प्रधानमंत्री और अन्य महत्त्वपूर्ण मंत्रियों को करना चाहिए। प्रश्नकाल और संगठित नीतिगत चर्चा जैसे मंचों को पुनर्जीवित करके जवाबदेही की गारंटी देना संभव है। राजनीतिक विभाजन पैदा करने के बजाय, विदेश नीति, विकास और आर्थिक परिवर्तन को दलीय मुद्दों के रूप में देखा जाना चाहिए, जिन पर दीर्घकालिक आम सहमति की आवश्यकता है।

चर्चाओं के लिए अधिक कठोर नियम और नैतिक मानदंड स्थापित करके संसदीय व्यवधानों को कम किया जाना चाहिए। शिष्टाचार बनाए रखने और न्यायसंगत भागीदारी की गारंटी देने में अध्यक्ष और संसदीय समितियों की भूमिका को बढ़ाना आवश्यक है। रचनात्मक आलोचना विपक्षी दल की भूमिका होनी चाहिए। विपक्ष के कारण मुद्दों और विधेयकों पर अधिक बहस और चर्चा होती है; अन्यथा, उन्हें बिना किसी चर्चा या दूसरों की ज़रूरतों पर विचार किए पारित कर दिया जाएगा, जो लोकतंत्र के लिए घातक होगा और इसे निरंकुशता में बदल सकता है। किसी महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर, विपक्षी पार्टी ही युद्ध के लिए उतरेगी।

प्रभावी शासन के लिए सरकार और विपक्ष के बीच रचनात्मक सहयोग की आवश्यकता होती है। चूंकि सरकार ही मुख्य प्रभारी निकाय है, इसलिए यह उसका कर्तव्य है कि वह किसी समझौते पर पहुँचने के प्रयासों का नेतृत्व करे तथा यह सुनिश्चित करे कि संसद में चर्चा राजनीतिक दरार को बढ़ाने के बजाय भारत की समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो। किसी लोकतंत्र में विपक्ष की सक्रियता और ताकत अक्सर उसके स्वास्थ्य का सूचक होती है। भारत में विपक्ष को मज़बूत करने के लिए सिर्फ़ राजनीतिक दलों को ही नहीं, बल्कि समग्र लोकतांत्रिक व्यवस्था को मज़बूत करना होगा। महत्त्वपूर्ण नीतियों में पार्टियों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा देना, मीडिया तक समान पहुँच प्रदान करना और राज्य निधि का आवंटन शामिल है। लोकतंत्र को गतिशील, उत्तरदायी और जवाबदेह बनाने के लिए एक मज़बूत और सफल विपक्ष का होना आवश्यक है।

मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर कांग्रेस को किस बात की आपत्ति है ?

रामस्वरूप रावतसरे

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में तीन सदस्यों वाली समिति की बैठक में सोमवार को चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत का मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया है।

दिलचस्प है कि सुप्रीम कोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति वाले नए नियम को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से पहले इसकी घोषणा की गई है। इसी नए नियम से ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया है। क़ानून मंत्रालय ने सोमवार रात नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी। हरियाणा के मुख्य सचिव विवेक जोशी को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया है। ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति पर मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने आपत्ति जताई है।

ज्ञानेश कुमार 1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह के अंतर्गत आने वाले मंत्रालय में वह मई 2022 से सेक्रेटरी थे। 31 जनवरी, 2024 को ज्ञानेश कुमार यूनियन कोऑपरेशन सेक्रेटरी के पद से रिटायर हुए थे। इसके दो महीने बाद 14 मार्च, 2024 को इन्हें चुनाव आयुक्त बनाया गया था। 15 मार्च को उन्होंने कार्यभार संभाला और उसके अगले दिन ही चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की थी। चुनाव आयुक्त का पद संभालने के लगभग एक साल बाद ही वो अब मुख्य चुनाव आयुक्त की ज़िम्मेदारी संभालने जा रहे हैं। उन्होंने इससे पहले पांच साल गृह मंत्रालय में काम किया था, जहां वह मई 2016 से लेकर सितंबर 2018 तक संयुक्त सचिव और उसके बाद सितंबर 2018 से लेकर अप्रैल 2021 तक अतिरिक्त सचिव के पद पर थे। अतिरिक्त सचिव के पद पर रहते समय ज्ञानेश कुमार जम्मू-कश्मीर के मामलों को देख रहे थे और अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को रद्द करने की घोषणा की गई थी।

जानकारी के अनुसार, अनुच्छेद 370 को रद्द करने का क़ानून जब लाया जा रहा था उस समय वह गृह मंत्री अमित शाह के साथ लगातार संसद में आते थे। नरेंद्र मोदी सरकार का ज्ञानेश कुमार में एक नौकरशाह के तौर पर भरोसा इस तथ्य से ही पता चलता है कि न केवल उन्हें गोपनीय विधेयकों में से एक जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक को तैयार करने की ज़िम्मेदारी दी गई थी बल्कि वह राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन में भी शामिल थे। कोऑपरेशन सेक्रेटरी के उनके कार्यकाल के दौरान मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज़ (एमएससीएस) (संशोधन) विधेयक, 2023 पास किया गया था, जिसका लक्ष्य कोऑपरेटिव सेक्टर में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाना था। ज्ञानेश कुमार के चुनाव आयुक्त रहते हुए लोकसभा चुनाव 2024 हुए और साथ ही अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर में पहली बार विधानसभा चुनाव हुए। इसके अलावा हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र और दिल्ली में विधानसभा चुनाव हुए।

ज्ञानेश कुमार ने आईआईटी कानपुर से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। उन्होंने इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड फ़ाइनैंशियल एनालिस्ट्स ऑफ़ इंडिया से बिज़नेस फ़ाइनैंस में पढ़ाई भी की है। मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर ज्ञानेश कुमार का कार्यकाल 26 जनवरी 2029 तक होगा। उनके कार्यकाल में 20 विधानसभा चुनाव होंगे। साथ ही 2027 में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव और 2029 लोकसभा चुनाव की तैयारी भी उन्हीं के कार्यकाल में होगी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने विरोध स्वरूप प्रेस कॉन्फ़्रेंस कर कहा, मोदी सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन के लिए 2023 में जो नया क़ानून ''द चीफ़ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिश्नर एक्ट'' लेकर आई है, इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। अभी तक सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर तीन ऑर्डर पास किए हैं और अगली सुनवाई 19 फ़रवरी को होनी है। इसलिए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन को लेकर कांग्रेस का रुख़ बड़ा स्पष्ट है। मुख्य चुनाव आयुक्त के चुनाव से जुड़ी जो बैठक हुई है, उसे स्थगित किया जाए। मोदी सरकार सुप्रीम कोर्ट से कहे इसकी सुनवाई जल्दी पूरी करे। इसमें कांग्रेस पूरा समर्थन देगी. मोदी सरकार को अपना अहंकार छोड़कर ये मांग माननी चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को चयन करने वाले पैनल में प्रधानमंत्री अध्यक्ष होते हैं जबकि इसके एक सदस्य गृह मंत्री अमित शाह और दूसरे सदस्य नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हैं। हालांकि सरकार ने कांग्रेस की आपत्ति को नज़रअंदाज़ करते हुए बैठक की और ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाने का फ़ैसला कर लिया। सिंघवी के अनुसार ''प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और नेता विपक्ष की समिति मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करती है, लेकिन उसमें बहुत सारी संवैधानिक और क़ानूनी समस्याएं हैं। इन्हीं समस्याओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट के सामने बात रखी गई और सुप्रीम कोर्ट ने दो मार्च 2023 को एक फ़ैसला दिया। इस फ़ैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र और उसकी निष्पक्षता के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की चयन समिति में प्रधानमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश और नेता विपक्ष हों।

दिग्भ्रमित विकास की धारा

संजीव ठाकुर

देश में अवसरवादी राजनीतिक दलों की उपस्थिति जातिवादी समीकरण के अतिवादी दृष्टिकोण, अब परिपक्व लोकतांत्रिक संस्थाओं का परिचालन एवं आमजन की सीमित तर्क बुद्धि एवं और अदूरदर्शिता के कारण कई बार जनता के लाभ के अवसर को दूर ले जाते हैं।

राजनीतिक पार्टियों की अवसरवादी तथा पद लोलुपता की अभिवृत्ति जनता को तुरंत लाभ देने की नीति लोकतंत्र को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जाती है एवं इससे राष्ट्रीय विकास की क्षमता में बहुत ज्यादा स्खलन होने की संभावना होती है। जनता के हितों उनकी भावनाओं से खिलवाड़ कर शोषण करना अंततः राष्ट्रीय चरित्र तथा अनुशासन के स्थान पर आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा चरित्र को जन्म देती है। अवतारवाद राजनीति का एक अंग हो सकता है किंतु सदैव पद लोलुपता राजनीति को गर्त में ले जाने जैसा ही है। यह अलग मुद्दा है कि जन भावना बहुमत की भावना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं तात्कालिक हित किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक अंग हो सकते हैं लोकतंत्र में विशेष परिस्थितियों में जनता का समर्थन प्राप्त करना एवं उनके हितों की रक्षा के लिए नए उपायों की अवधारणा उचित हो सकते और आवश्यक भी, किंतु राजनीति में पद लोलुपता अवसरवादी ता एवं जातिवाद को विखंडित करने की नियत किसी भी दृष्टि से लोकतंत्र के हित में नहीं दिखाई देती है। भारतीय परंपरा में भी शाम दाम दंड भेद सुशासन का प्रमुख उपकरण मान लिया गया है पर इसके दूरगामी परिणाम तुष्टीकरण के साथ-साथ अनुशासन की महत्ता को कमतर करने का कार्य करते हैं। यह सुनिश्चित है कि बिना विकसित लोकतांत्रिक उपकरणों के लोकप्रियता को मापना एक दुष्कर कार्य हो जाता है कई बार कम संख्या परंतु मजबूत संगठन वाले समूह के हित के लिए अनुचित साधन बनकर रह जाते हैं, और यही कारक बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श और विकास के विपरीत चले जाते हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों को अवसरवादी का पत्ता एवं दलबदल क्षति पहुंचाने के बहुत बड़े कारण हैं।

अवसरवाद तथा सत्ता की चाहत लोकतांत्रिक मूल्यों के दूरगामी दुष्परिणामों का बड़ा संकेत हो चुका है। भारतीय संविधान में भी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के छोटे-छोटे छिद्रों से राजनीतिक दल अवसर के जो ताने बाने बुनते हैं उससे राजनैतिक एवं ऐतिहासिक प्रतिमान को हमेशा नुकसान ही हुआ है। अब राजनीति में सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बहुत निम्न स्तर पर पहुंच गई है जिससे लोकतांत्रिक नीतियों और सिद्धांतों मैं बहुत ज्यादा विसंगतियां पैदा हो चुकी हैं। लोकतंत्र में बहुमत के साथ अधिनायकवाद अवतारवाद सत्ता लोलुपता और जातिगत समीकरणों का गलत तरीके से उपयोग सामंतवादी आ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को जन्म दे सकता है। जातिवादी मतदान की लोकप्रियता वादी मजबूरी के कारण खाप पंचायतों का उदय हुआ है जो पंचायती लोकतंत्र को प्रतिस्थापित कर के मूलभूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के पतन का कारण भी बन सकता है। धर्म तथा धार्मिक प्रथाओं में समानता एवं स्वतंत्रता का हनन धार्मिक लोकतंत्र के अंत का ही स्वरूप है, जिसका कारण तुष्टीकरण आधारित लोकप्रियता वाद एवं अवतारवाद हो सकता है। पशु व्यापार गोवंश के पद पर एकतरफा प्रतिबंध को भी भारतीय लोकतंत्र के समानता स्वतंत्रता एवं धर्मनिरपेक्षता के आदेशों पर एक नकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। अवतारवाद जातिवादी राजनीति और पद लोलुपता तानाशाही प्रवृत्ति को जन्म दे सकते हैं। अति राष्ट्रवादी होने के स्वरूप को ऑन कर तानाशाही की प्रवृत्ति को आम जनता के ऊपर लागना सैनिक तानाशाही अधिनायकवाद तथा फासीवाद को भी जन्म देने की प्रक्रिया के अंग हैं। लोकतंत्र में राजशाही की तरह शासकीय धन का मनमाना दुरुपयोग एक अनैतिकग प्रक्रिया है एवं यह सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने का निम्न स्तरीय हथकंडा भी है।

बांग्लादेश में हिंसा का नया पैतरा ऑपरेशन डेविल हंट

डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

विगत 5 फरवरी की शाम को बांग्लादेश में एक बार फिर से हिंसा का दौर शुरू हो गया। इस बार इनके निशाने पर रहा बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान का धनमंडी-32 स्थित आवास । प्रदर्शनकारियों ने परिसर में जबरन प्रवेश किया और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ करते हुए उनके चित्र को भी नष्ट कर दिया। रात 8 बजे ही प्रदर्शनकारी आवास पर पहुँच गए और मुख्य द्वार को तोड़कर अंदर घुस गए। उन्होंने इसे सत्तावाद और फासीवाद का प्रतीक बताते हुए ध्वस्त करने की घोषणा की। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री और वर्तमान में भारत में निर्वासित शेख हसीना के विरोध में नारे लगते हुए उनको फांसी देने की मांग भी की। यह पहली बार नहीं है जब इस ऐतिहासिक निवास पर हमला हुआ हो ,यहाँ इससे पहले पिछले वर्ष 5 अगस्त को भी विप्लवकारियों के द्वारा आगजनी और तोड़फोड़ की गई थी। वस्तुतः अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बाद शेख हसीना को ऐसा महसूस हुआ कि अब मोहम्मद यूनुस को अमेरिकी मदद मिलनी बन्द हो जाएगी तो उन्होंने अवामी लीग को 1 फरवरी से 18 फरवरी तक अंतरिम सरकार के विरुद्ध आन्दोलन करने के लिए प्रेरित करते हुए विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम जारी कर दिया। इसमें चरण बद्ध तरीके से आन्दोलन करना था। इसमें 1 से 5 फरवरी के बीच सरकार विरोधी पर्चा बाटना और 6 से 10 तक विरोध प्रदर्शन एवं मीटिंग करना सम्मिलित था। इसी दौरान शेख हसीना को फेसबुक के जरिए बांग्लादेशी अवाम से जुड़ना भी था। ताज़ा विरोध प्रदर्शन इसी कारण शुरू हुआ। फेसबुक पर कई लोगों ने पोस्ट किया कि अगर शेख हसीना भाषण देती हैं, तो रात में ₹बुलडोजर जुलूस₹ निकाला जाएगा। इस हिंसा में मात्र शेख मुजीबुर रहमान के आवास को ही नही बल्कि अवामी लीग से जुड़े नेताओं के घरों को भी निशाना बनाया गया। इसी दौरान 7 फरवरी को अवामी लीग पार्टी के प्रतीकों को नष्ट करने वाली भीड़ जब गाजीपुर शहर के दक्षिणखान इलाके में पूर्व मुक्ति युद्ध मामलों के मंत्री मोजम्मल हक के आवास पर हमले के लिए पहुँची तो वहाँ पहले से ही मौजूद अवामी लीग के लोगों ने प्रतिकार किया और इस दौरान अवामी लीग विरोधी भीड़ के 14 लोग घायल हो गए। यद्यपि यह कहा गया कि इस भीड़ में छात्र शामिल हैं लेकिन सच्चाई यह है कि इस हुजूम को कट्टरपंथी संगठन जमते इस्लामी का भी सहयोग मिल रहा था।

यूनुस और उनके समर्थकों को इस प्रतिकार की उम्मीद नही थी। कदाचित इसी लिए गाजीपुर की इस घटना ने बांग्लादेश में भूचाल ला दिया। फलतः मोहम्मद यूनुस को कि ₹ऑपरेशन डेविल हंट₹ की घोषणा करनी पड़ी।

यह ऑपरेशन चीन में 50 के दशक के अंत में माओ द्वारा चलाए गए सौ फूल अभियान की तरह प्रतीत होता है जिसके जरिए पूरे विपक्ष को माओ ने समाप्त कर दिया था। इस ऑपरेशन के लिए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के द्वारा सेना, पुलिस और यहाँ तक कि मानवाधिकार विरोधी रैपिड एक्शन बटालियन का भी प्रयोग किया गया।

प्रयागराज महाकुंभ में कम नहीं हो रही है भीड़ क्या 144 साल बाद बना अमृत योग है वजह?

प्रयागराज महाकुंभ में 55 करोड़ लोग स्नान कर चुके 144 साल बाद बना अमृत योग भीड़ का कारण? महाकुंभ में अमृत योग का वर्णन पद्म पुराण में

2025 का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन प्रयागराज महाकुंभ अब समापन की ओर बढ़ रहा है। लेकिन, महाकुंभ में संगम स्नान के लिए अब भी रोज भीड़ बढ़ती ही जा रही है। बताया जा रहा है कि 55 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। श्रद्धालु ट्रेन, निजी वाहन, बस, प्लेन के माध्यम से प्रयागराज पहुंचकर आस्था की डुबकी लगा रहे हैं।

भीड़ का आलम ये है कि ट्रेनों में सीट नहीं मिल रही है। प्रयागराज की ओर जाने वाले मार्गों पर कई किलोमीटर तक लंबा जाम देखा जा रहा है। अब सवाल ये उठ रहा है कि इस बार के महाकुंभ में इतनी भीड़ क्यों लग रही है? क्या इसके पीछे 144 साल के बाद बना अमृत योग है?

जरूरी नहीं वहां जाएं, ऐसे भी मिलेगा पुण्य

ज्योतिषाचार्य पं। नंदकिशोर मुद्गल ने बताया कि इस बार महाकुंभ में देश के कोने-कोने से लोग आस्था की डुबकी लगाने प्रयागराज पहुंच रहे हैं। हालांकि प्रयागराज के जल की एक बूंद से भी लोग घर बैठे पुण्य कमा सकते हैं। शास्त्र के अनुसार जो लोग नहीं जा पा रहे हैं, प्रयागराज से लाया हुए

संगम के जल से भी स्नान कर पुण्य कमा सकते हैं। सभी लोग वहां जाकर ही डुबकी लगाएं ऐसा जरूरी नहीं है।

पाताल खंड में योग का वर्णन!

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, इस बार प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन विशेष है। पद्म पुराण के पाताल खंड में शेष जी महाराज ने कुंभ के इस योग के बारे में उल्लेख किया है। जब समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश प्रकट हुआ तो उस अमृत कलश को लेकर देवताओं और असुर में लड़ाई हुई।

144 साल अमृत योग क्या है?

हैदराबाद के जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल ने कुंभ स्नान के बाद बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि उस समय जो योग था, वैसा योग इस बार महाकुंभ में बना है।

साथ ही यह भी माना गया है कि जब प्रयागराज में 12 बार कुंभ लग जाता है तो अमृत योग बनता है। 144 वर्ष बाद ऐसा योग इस बार फिर बना है। इससे पहले 1881 में ऐसा योग बना था।

कितना भी मांगे कोई, कभी न दें अपनी ये चीजें, वरना भाग्य छोड़ देगा साथ!

अक्सर जाने अनजाने में लोग ऐसी गलतियां कर जाते हैं जिसकी वजह से उनके जीवन में समस्या और कठिनाइयों का अम्बार लग जाता है। अक्सर हमने देखा है कि लोग अपने जूते -चप्पल, घर से वर्तन या खाने पीने की चीजें आदि अपने जानने वालों को अथवा गरीबों को बांट देते हैं। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से उनके भाग्य और सकारात्मक ऊर्जा मे कमी आती है। साथ ही उनके काम बिगड़ने लगते हैं। जिसका उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं होता है। आइये जानते हैं किन कामों को करने से बचना चाहिए।

यदि आप किसी को अपने जूते चप्पल आदि देते हैं तो देना बंद कर दीजिये। किसी को भी जूते चप्पल आदि ना दें। जूते चप्पल बांटने से शनि देव का प्रकोप बढ़ता है। ऐसा करने से आपका भाग्य बिगड़ने लगता है। हर काम में अवरोध होते हैं।

घर में मौजूद बर्तन जैसे लोटा अथवा कलश आदि शुभ मांगलिक कार्यों में प्रयोग होने वाले बर्तनों को बांटने से घर में दरिद्रता आती है, इसलिए ऐसे बर्तन कभी नहीं बांटने चाहिए।

मंदिर से मिलने वाला प्रसाद आपके भाग्य का होता है। इसे आपके लिये ईश्वर का आशीर्वाद माना जाता है। मंदिर में मिलने वाले प्रसाद को यदि आप अपने साथ के अन्य व्यक्तियों के साथ बांट देते हैं, तो आप उन्हें अपना भाग्य भी बांट देते हैं। प्रसाद को किसी के साथ बांटने से बचना चाहिए।

घर में मौजूद किसी प्रकार की सफेद वस्तु जैसे दूध, दही, नमक के अलावा प्याज आदि दूसरों को बांट देने से आप अपनी सकारात्मक ऊर्जा को दूसरे लोगों में बांट देते हैं। इसलिए सफेद चीजों के अलावा प्याज को लेने और देने अथवा बांटने से बचना चाहिए।

अक्सर महिलाएं अपनी ज्वेलरी, ड्रेस आदि अपनी अन्य फ्रेंड या परिजनों के साथ साझा करती हैं। अपनी शादी की चूड़ियां, मेहंदी और सुहाग से संबंधित कोई भी वस्तु कभी किसी को नहीं देनी चाहिए, इससे पति का भाग्य खराब होता है और साथ ही आपके सभी कार्य बिगड़ने लगते हैं।

अक्सर लोग अपने कपड़े एक दो बार पहन कर या छोटे हो जाने पर अपने रिश्तेदारों या परिवार के अन्य सदस्यों को दे देते हैं। ऐसा करने से उनके जीवन में लग्जरी कम होना शुरू हो जाती है।

शिवलिंग पर लौंग का जोड़ा क्यों चढ़ाना चाहिए

शिवलिंग पर क्यों चढ़ाएं लौंग?

हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि का सबसे अलग महत्व है। महाशिवरात्रि हर साल फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि पर मनाई जाती है। इस साल 26 फरवरी दिन बुधवार को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा।

माना जाता है कि फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि पर ही भगवान शिव निराकार से साकार रूप में आए थे और इसी दिन मां पार्वती संग भगवान शिव का विवाह हुआ था। इस दिन बड़ी संख्या में शिव भक्त व्रत रखकर विधि-विधान से पूजा करते हैं।

मान्यता है कि भगवान शिव एक लोटा जल से भी प्रसन्न हो जाते हैं और अपने भक्तों की सारी परेशानियां हर लेते हैं। भक्त भी अपने भगवान की कृपा पाने के लिए भोलेनाथ को तरह-तरह के उपाय अपनाते रहते हैं। ऐसे में कुछ लोग भगवान शिव को लौंग का जोड़ा चढ़ाते हैं। माना जाता है कि भगवान शिव लौंग अतिप्रिय हैं। आइए जानते हैं क्यों चढ़ाते हैं लौंग का जोड़ा?

क्यों चढ़ाते हैं लौंग का जोड़ा?

शिव पुराण समेत कई धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव को लौंग अति प्रिय होने का वर्णन मिलता है। मान्यता है कि लौंग शिव-शक्ति का प्रतीक है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में लौंग को ऊर्जा का कारक कहा गया है। ऐसे में महाशिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर लौंग चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। कहा जाता है कि लौंग का जोड़ा चढ़ाने से जातक की मनोकामना पूर्ण होती हैं।

लौंग के उपाय

लौंग का जोड़ा चढ़ाने से भगवान शंकर जल्दी प्रसन्न होते हैं। ऐसे में जिन्हें धन की लालसा है वे शिवलिंग पर लौंग का जोड़ा जरूर चढ़ाएं, इससे जातक को कभी भी धन की कमी नहीं होगी और सुख समृद्धि बढ़ती रहेगी। माना जाता है कि लौंक के उपाय से जीवन में सफलता आपके कदम चूमेगी।

भगवान शिव की पूजा में लौंग को शामिल करने से मानसिक परेशानियां दूर हो जाती हैं और साधक का मन शांत होता है। साथ ही उसे निगेटिव विचारों व एनर्जी से भी मुक्ति मिल जाती है।

लौंग के उपाय से जातक बुरी नजर से बचता है और भगवान शिव की अपार महिमा भी मिलती है।

लौंग के उपाय से ग्रह और कुंडली दोष में भी शांत होते हैं। भगवान शिव को लौंग चढ़ाने से कुंडली में शनि, राहु और केतु की महादशा का प्रभाव कम हो जाता है।

भगवान शिव ने राजा दक्ष को लगाया था बकरे का सिर

हिंदू धर्म में भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व माना गया है और कहते हैं कि भोलेनाथ जब अपने भक्तों पर प्रसन्न होते हैं तो उनकी हर मनोकामना पूरी करते हैं। इसलिए भक्त भी भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए उपवास रखते हैं और विधि-विधान से उनका पूजन करते हैं। धर्म ग्रंथों में कई जगह भोलेनाथ की महिमा पढ़ने को मिलती है और उन्हीं में से एक कथा के अनुसार शिवजी ने एक बार राजा दक्ष को बकरे का सिर लगाया था। आइए यहां पढ़ें पूरी कथा और जानें आखिर क्यों भोलेनाथ ने राजा दक्ष को बकरे का सिर लगाया?

माता सती का आत्मदाह

धर्म ग्रंथों में मौजूद पौराणिक कथा के अनुसार एक बार राजा दक्ष भव्य का यज्ञ का आयोजन किया और उसमें सभी देवी-देवताओं को आमंत्रित किया। लेकिन उन्होंने अपनी पुत्री देवी सती और उनके पति भगवान शिव को यज्ञ का आमंत्रण नहीं भेजा। क्योंकि वह भगवान शिव को अपमानित करना चाहते थे। लेकिन फिर भी देवी सती अपने पिता के यज्ञ में शामिल होने के लिए पहुंच गईं। जब देवी सती पिता के अनुष्ठान में पहुंची तो वहां राजा दक्ष द्वारा अपने पति भगवान शिव का अपमान देखकर उन्हें बहुत बुरा लगा। इसलिए देवी सती ने क्रोधित होकर उसी यज्ञ में खुद को आत्मदाह कर दिया।

शिवजी का क्रोध

जब भगवान शिव को देवी सती के आत्मदाह का समाचार मिला तो उन्हें बहुत क्रोध आया। क्रोधित होकर वह राजा दक्ष के यज्ञ में पहुंचे और वहां पहुंच कर गुस्से में उन्होंने राजा दक्ष का सिर काट दिया। जिसके बाद देवताओं ने आग्रह किया कि वह राजा दक्ष को जीवनदान दें।

इसलिए लगाया राजा दक्ष को बकरे का सिर!

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान दक्ष ने देवताओं के आग्रह व अनुरोध पर राजा दक्ष के लिए बकरे का सिर मंगाया। जिसे देखकर ब्रह्मा जी ने शिवजी से सवाल किया कि आखिर बकरे का सिर ही क्यों? हाथी, शेर या किसी अन्या प्राणी का सिर क्यों नहीं? इस सवाल का जवाब देते हुए भगवान शिव ने कहा कि नन्दीश्वर ने राजा दक्ष को श्राप दिया था कि अगले जन्म में बकरा बनेगा। इसलिए उनके लिए बकरे का सिर मंगाया है। शिवजी ने राजा दक्ष को बकरे का सिर लगाया और जीवनदान दिया। राजा दक्ष को भी अपनी गलती का अहसास हुआ और उनका घमंड समाप्त हो गया।

ये टिप्स चुटकियों में दूर करेंगे नेगेटिव एनर्जी

अक्सर घर में मौजूद नेगेटिव एनर्जी यानि नकारात्मक ऊर्जा की वजह से घर का माहौल तनावपूर्ण रहता हे। नेगेटिव एनर्जी बनते काम को बिगाड़ती है और कलह व कलेश उत्पन्न करती है। ऐसे में वास्तु शास्त्र में बताए गए कुछ टिप्स अपनाकर नेगेटिव एनर्जी को दूर किया जा सकता है।

विंड वाइम- अगर आप घर में मौजूद नेगेटिव एनर्जी को दूर करना चाहते हैं तो मुख्य द्वार पर विंड चाइम लगाएं। जब भी विंड चाइम बजती है तो उससे निकलने वाली आवाज नेगेटिव एनर्जी को घर में आने से रोकती है और पॉजिटिव एनर्जी को आकर्षित करती है।

कपूर- वास्तु शास्त्र में कपूर को महत्वपूर्ण माना गया है और नेगेटिव एनर्जी को दूर करने में यह बहुत काम आता है। शाम के समय घर में कपूर जलाएं। इससे निकलने वाला धुआं नेगेटिव एनर्जी को दूर करता है। कपूर की खुशबू से घर में पॉजिटिविटी आती है।

टूटा हुआ सामान- यदि आपके घर में टूटा हुआ सामान जैसे की फर्नीचर, टूटी कुर्सी रखी है तो उसे तुरंत घर से बाहर कर दें। टूटा हुआ सामान नेगेटिव एनर्जी को आकर्षित करता है। इसलिए घर में टूटा हुआ सामान नहीं रखना चाहिए।

नमक- वास्तु शास्त्र के मुताबिक नमक भी नेगेटिव एनर्जी को दूर करने का कारगर उपाय हे। घर में पोंछा लगाते समय पानी में थोड़ा सा नमक डाल लें। इससे नेगेटिविटी दूर होती है और पॉजिटिविटी आती है।

ताजी हवा व धूप- कई बार लोग घर में हर वक्त पर्दे व खिड़की दरवाजे लगाकर रखते हैं। जिसकी वजह से नेगेटिविटी उत्पन्न होती है। इसलिए घर में सूरज की रोशनी व ताजी हवा जरूर आने दें।

महाशिवरात्रि के दिन बनेगा नवपंचम योग

कर्क समेत इन 3 राशियों का चमकेगा भाग्य का सितारा

महाशिवरात्रि का त्योहार 26 फरवरी को मनाया जाएगा। शिव भक्त इस दिन भोलेनाथ की कृपा प्राप्त करने के लिए पूजा, व्रत, रात्रि जागरण आदि करेंगे। महाशिवरात्रि के शुभ दिन पर चंद्रमा और गुरु नवपंचम (नवम पंचम) नामक शुभ योग भी बना रहे हैं। खास बात ये भी है कि यह दोनों ही ग्रह इस दिन पृथ्वी तत्व की राशियों में विराजमान होंगे। इस योग के बनने से राशिचक्र की कुछ राशियों को लाभ प्राप्त होगा।

कर्क राशि

महाशिवरात्रि के दिन आपकी राशि के स्वामी चंद्रमा आपके सप्तम भाव में और गुरु आपके एकादश भाव में होंगे। नव पंचम योग के बनने से आपको जीवन में शुभ फलों की प्राप्ति होगी। वैवाहिक जीवन में इस दौरान संतुलन रहेगा। माता-पिता के साथ आपके संबंध सुधरेंगे। लाभ भाव में बैठे गुरु आपको करियर के क्षेत्र में उपलब्धियां दिला सकते हैं। इस दौरान आपको मनचाही जॉब मिलने की भी संभावना है। कुछ लोगों का तबादला उनकी पसंद की जगह पर हो सकता है। धन से जुड़ी परेशानियों का भी अंत हो सकता है।

कन्या राशि

गुरु और चंद्रमा का नवम पंचम योग आपके पारिवारिक जीवन के लिए बेहद शुभ साबित होगा। आपको घर के लोगों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। घर-परिवार में मांगलिक कार्य होने की भी पूरी संभावना है। जो लोग विवाह योग्य हैं उन्हें मनचाहा जीवनसाथी मिल सकता है। कारोबारियों और नौकरी पेशा लोगों को धन लाभ मिलने की संभावना है। गुरु की कृपा से इस राशि के विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में बेहद शुभ परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

मकर राशि

मकर राशि के लोगों को नव-पंचम योग के बनने से भाग्य का साथ मिलेगा। आपकी रुकी हुई योजनाएं इस दिन पूरी होंगी। जो लोग लंबे समय से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगे थे, उनके लिए महाशिवरात्रि के बाद का समय शुभ फल देने वाला साबित हो सकता है। आपकी ऊर्जा में भी इस दौरान वृद्धि देखने को मिलेगी। इस राशि के जो जातक मीडिया, फिल्म इंडस्ट्री या फिर कला के किसी भी क्षेत्र में काम करते हैं, उनके सामने कई ऐसे अवसर आएंगे जो उन्हें बेहद लाभ दे सकते हैं। स्वास्थ्य में भी इस राशि वालों को अच्छे बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

अब कोई नहीं बेच पाएगा आपको गलत इंश्योरेंस पॉलिसी

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। सरकार इंश्योरेंस सेक्टर में कई बदलाव लाने में लगी हुई है। ये सब लोगों को मिस-सेलिंग से बचाने और देश में अधिक से अधिक लोगों को इंश्योरेंस कराने के लिए है। मसलन, पॉलिसी का 'फ्री-लुक पीरियड' बढ़ाना और 'कॉम्पोजिट इंश्योरेंस लाइसेंस' शुरू करना। इसका मतलब है कि पॉलिसी लेने के बाद अगर आपको कुछ गलत लगे तो आप उसे वापस कर सकते हैं। इसके अलावा एक ही लाइसेंस से कई तरह की इंश्योरेंस सर्विस मिल सकेंगी। इससे गलत तरीके से पॉलिसी बेचने का काम कम होगा और ज्यादा लोग इंश्योरेंस के दायरे में आएंगे।

गलत हथकंडे अपनाकर पॉलिसी बेचने की समस्या को कम करने के लिए एक अहम कदम है। अहम बदलाव में 'फ्री-लुक पीरियड' को पॉलिसी मिलने की तारीख से एक महीने की जगह बढ़ाकर एक साल करना शामिल है। इससे पॉलिसीधारक पॉलिसी लेने के बाद शर्तों को अच्छे से देख पाएंगे। अगर जरूरत ना हो तो उसे कैंसल भी कर सकते हैं। सरकार एक 'कॉम्पोजिट इंश्योरेंस लाइसेंस' पर भी विचार कर रही है। इससे इंश्योरेंस कंपनियां एक ही संस्था के तहत लाइफ और नॉन-लाइफ, यानी हेल्थ इंश्योरेंस समेत सभी इंश्योरेंस प्रॉडक्ट्स दे पाएंगी। इसके अलावा, योजना है कि इंश्योरेंस प्रॉडक्ट्स सिर्फ प्रशिक्षित एजेंट्स ही बेच सकेंगे।

100% एफडीआई

फाइनैंशल सर्विसेज सेक्रेटरी एम. नागराजू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इंश्योरेंस कानूनों में होने वाले इन बदलावों का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि इंश्योरेंस सेक्टर में 100% FDI के लिए कानून में बदलाव जरूरी है। इस पर अंदरूनी बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कानून में बदलाव के साथ-साथ, निवेश, मुनाफे की वापसी और इंश्योरेंस कंपनियों के मैनेजमेंट से जुड़े नियमों में भी बदलाव किया जाएगा। संसद से कानून पास होने के बाद ये नियम लागू कर दिए जाएंगे। नागराजू ने कहा, सरकार इंश्योरेंस में बड़े बदलाव कर रही है जिससे देश में अधिक से अधिक लोग इंश्योरेंस के दायरे में आ सकेंगे।

म्यूचुअल फंड के नियमों में सेबी ने किया अहम बदलाव

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने म्यूचुअल फंड के नियमों में बदलाव करते हुए असेट मैनेजमेंट कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे नए फंड ऑफर से जुटाए गए पैसे को तय समय सीमा के अंदर निवेश करें। साथ ही, रेगुलेटर ने निवेशकों को ज्यादा पारदर्शिता देने के लिए म्यूचुअल फंड स्कीम्स के स्ट्रेस टेस्टिंग की जानकारी देने का भी आदेश दिया है। ये बदलाव 1 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे। इसका मकसद म्यूचुअल फंड्स के लिए कामकाज में लचीलापन लाना और निवेशकों के बीच ज्यादा जवाबदेही और भरोसा सुनिश्चित करना है। सेबी ने निवेश समयसीमा के बारे में 14 फरवरी को जारी एक अधिसूचना में कहा, 'एनएफओ में मिली राशि का उपयोग तय समयसीमा में किया जाएगा। इस बारे में बोर्ड समय-समय पर निर्देश जारी कर सकता है। यह बदलाव सेबी बोर्ड द्वारा दिसंबर में एक प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद आया है। इसमें फंड मैनेजरों को एनएफओ के दौरान इकट्ठा किए गए धन को स्कीम के तय असेट एलोकेशन के अनुसार 30 दिनों के भीतर निवेश करने के लिए कहा गया था।' रेगुलेटर ने कहा था कि अगर तय समय सीमा के अंदर पैसा निवेश नहीं किया जाता है, तो निवेशकों को बिना एग्जिट लोड चुकाए स्कीम से बाहर निकलने का विकल्प होगा। ये बदलाव एएमसीएस को एनएफओ के दौरान ज्यादा पैसा इकट्ठा करने से रोकता है। इसकी वजह ये है कि निवेशक बाद में मौजूदा नेट असेट वैल्यू पर ओपन-एंडेड स्कीम्स में निवेश कर सकते हैं।

सोना 86,430 के ऑल टाइम हाई पर

आज कीमत 740 बढ़ी, इस साल 10,268 महंगा हुआ चांदी 967 बढ़कर 97,000 रुपए किलो हुई

मुंबई,19 फरवरी (एजेंसियां)। सोना आज यानी 19 फरवरी को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 740 रुपए बढ़कर 86,430 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोना 85,690 रुपए पर था। वहीं 14 फरवरी को सोने ने 86,089 रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था।

इसी तरह एक किलो चांदी की कीमत भी आज 967 रुपए बढ़कर 97,000 रुपए किलो हो गई है। कल चांदी का भाव 96,023 रुपए किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि एक बड़ी रैली के बाद सोने में गिरावट आनी थी, वह आ चुकी है। अमेरिका के बाद यूके ने ब्याज दरों में कटौती और जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ने से गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। वहीं गोल्ड ईटीएफ में निवेश भी बढ़ रहा है। इससे भी गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 90 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- AZ4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

नुकसान में शेयर न बेचें एसआईपी के जरिए निवेश सही रहेगा

बाजार की गिरावट में परेशान न हों

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। इस साल अब तक सेंसेक्स में 3.50% से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। इस गिरावट से निवेशकों में थोड़ा डर का माहौल बन गया है। हालांकि, इस गिरावट में सही स्ट्रैटजी आपको अच्छा पैसा कमा के दे सकती है। हम आपको ऐसी 7 बातें बता रहे हैं जिनकी मदद से आप बाजार की गिरावट में पैसा कमा सकते हैं।

अनुशासन बनाए रखें

पोर्टफोलियो में नाटकीय रूप से बदलाव करते रहने से जोखिम बढ़ता है। ऐसी आदत लंबी अवधि के लक्ष्यों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। बेहतर होगा कि बाजार में फौरी उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज करें और अनुशासन बनाए रखें। यदि पोर्टफोलियो में बदलाव जरूरी लगे तो छोटे-छोटे बदलाव करें।

एसआईपी के जरिए करें निवेश

शेयर बाजार अपने ऊपरी स्तरों से 3% से ज्यादा गिर गया है, लेकिन फिर भी यदि निवेशक अभी निवेश करना चाह रहे हों तो उन्हें एक मुश्त निवेश करने की बजाय किस्तों में करना चाहिए। इससे शेयर बाजार से संबंधित उतार चढ़ाव का जोखिम थोड़ा कम हो जाता है। आप थोड़ा संयम रखकर गिरते बाजार में भी फायदा कमा सकते हैं।

घबराहट में निर्णय न लें

हमेशा याद रखें कि अर्थव्यवस्था और बाजार का मिजाज चक्रीय होता है। जिस तरह तेजी का दौर आता है, वैसा ही गिरावट का दौर भी बन सकता है। जाहिर है, गिरावट वाले दौर में घबराकर बिकवाली करना अच्छी रणनीति नहीं होगी। अच्छे शेयर अक्सर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देते हैं।

निवेश को ट्रैक करते रहें

जब आप कई तरह के एसेट में निवेश करते हैं, तो हो सकता है कि सभी निवेश को नियमित रूप से ट्रैक नहीं कर रहे हों। ऐसे में बाजार का रुझान बदलने पर सटीक प्रतिक्रिया देना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए यदि आप अपने निवेश को ट्रैक नहीं कर पा रहें तो एक विश्वसनीय वित्तीय सलाहकार की मदद लें।

पोर्टफोलियो में विविधता लाएं

पोर्टफोलियो में विविधता अस्थिर बाजार में निवेश की वैल्यू स्थिर रखने का अच्छा तरीका है। विविधता का मतलब है जोखिम उठाने की क्षमता और लक्ष्य के हिसाब से अलग-अलग एसेट में निवेश को बांटना। इसका फायदा यह है कि यदि एक एसेट (जैसे इक्विटी) में गिरावट हो तो उसी समय किसी दूसरे एसेट (जैसे सोने) में तेजी नुकसान को कम कर देगी।

नुकसान में न बेचें शेयर

उतार चढ़ाव शेयर बाजार का स्वभाव है। निवेशकों को शेयर बाजार में आई गिरावट से घबराना नहीं चाहिए। अगर आपने शेयर बाजार में पैसा लगा रखा है और इसमें आपको अभी नुकसान हुआ है तो भी आपको नुकसान में अपने शेयर बेचने से बचना चाहिए। क्योंकि लॉन्ग टर्म में मार्केट में रिकवरी की उम्मीद है। ऐसे में अगर आप अपने शेयर्स को लम्बे समय के लिए होल्ड करते हैं तो आपको नुकसान होने की उम्मीद कम हो जाएगी।

स्टॉक बास्केट रहेगी सही

आज कल स्टॉक बास्केट का कॉन्सेप्ट चल रहा है। इसके तहत आप शेयर्स का एक बास्केट बनाते हैं और अपने सभी शेयर्स में निवेश करते हैं। यानी अगर आप इस 5 शेयर्स में कुल 25 हजार निवेश करना चाहते हैं तो सभी में 5-5 हजार रुपए लगा सकते हैं।

सेंसेक्स 28 अंक गिरकर 75,939 के स्तर पर बंद

निफ्टी भी 12 अंक गिरा, BSE स्मॉलकैप में 1,071 अंक की तेजी रही

मुंबई,19 फरवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 19 फरवरी को फ्लैट कारोबार रहा। सेंसेक्स 28 अंक की गिरावट के साथ 75,939 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 12 अंक की गिरावट रही, ये 22,932 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, BSE स्मॉलकैप 1,071 चढ़कर 45,455 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट और 13 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 25 में गिरावट और 25 में तेजी रही। NSE सेक्टोरल इंडेक्स के IT सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.30% की गिरावट रही। एशियाई बाजार में कोरिया के कोस्पी में 1.70% की तेजी रही। हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 0.14% की गिरावट और चीन के शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स में 0.81% की तेजी रही। 18 फरवरी को विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 4,786.56 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। इस दौरान घरेलू निवेशकों ने भी 3,072.19 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। 18 फरवरी को अमेरिका का डाओ जोंस 0.023% की तेजी के साथ 44,556 पर बंद हुआ। S&P 500 इंडेक्स 0.24% चढ़कर 6,129 पर बंद हुआ। नैस्डैक 0.072% चढ़ा।

इससे पहले कल यानी 18 फरवरी को सेंसेक्स 29 अंक की गिरावट के साथ 75,967 के स्तर पर बंद हुआ था।

निफ्टी में भी 14 अंक की गिरावट रही, ये 22,945 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, BSE स्मॉलकैप 772 अंक गिरकर 44,384 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट और 13 में तेजी थी। निफ्टी के 50 शेयरों में से 32 में गिरावट और 18 में तेजी थी।

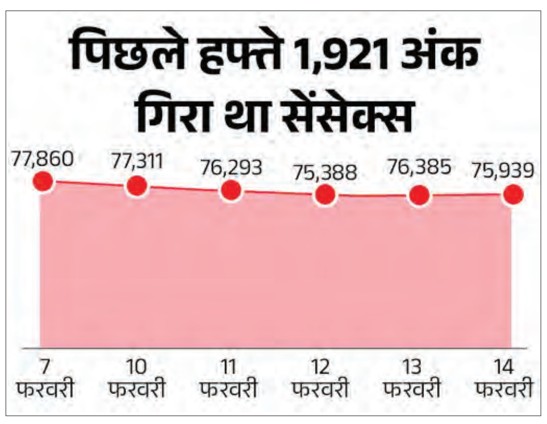

एक कॉल आई और अकाउंट हो गया खाली

साइबर ठगों ने कैसे किया यह काम?

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। देश में साइबर ठगी के मामले बढ़ते जा रहे हैं। साइबर ठग इसके लिए रोज-रोज नए तरीके ईजाद कर रहे हैं। वे आपसे ओटीपी मांगे बिना आपके अकाउंट को खाली कर सकते हैं। साइबर ठग अब कॉल मर्जिंग या कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिए लोगों की गाढ़ी कमाई पर डाका डाल रहे हैं। यह ऐसा तरीका है जिसमें आपसे ओटीपी भी नहीं मांगा जाता है। बस एक कॉल आती है और आपका अकाउंट मिनटों में खाली हो जाता है। जाने-माने साइबर और फॉरेंसिक एक्सपर्ट अमित दुबे ने साइबर ठगों के काम करने के तरीके के बारे में एक इंटरव्यू में बताया है। उनका कहना है कि बातों-बातों में आपसे ओटीपी ले लिया जाता है और आपको पता भी नहीं चलता है।

दुबे ने बताया कि बदलते समय के साथ साइबर ठग भी नए-नए तरीके अपना रहा हैं। सरकार और एजेंसियां बार-बारे लोगों से ओटीपी और पर्सनल डिटेल शेयर नहीं करने का अनुरोध करते हैं। लेकिन साइबर ठगों ने अपना ऐसा तरीका निकाल लिया है कि आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपने अपना ओटीपी शेयर कर दिया है। साइबर ठग कॉल मर्जिंग या कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिए लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइबर ठगों के पास कम से कम 12 ऐसे तरीके हैं जिससे वे आसान से आपका फोन हैक कर सकते हैं। इनमें कॉल मर्जिंग, कॉल फॉरवर्डिंग, क्यूआर कोड, स्क्रीन शेयरिंग टेक्नीक और ऐप्स के जरिए ठगी शामिल है।

कॉल मर्जिंग से ठगी

कॉल मर्जिंग तकनीक के बारे में दुबे ने कहा कि इसमें आपको किसी अजनबी का फोन आता है। वह कहता है कि उसे किसी दोस्त के जरिए आपका नंबर मिला है। अजनबी कहता है कि वह आपको किसी इवेंट के लिए इनवाइट करना चाहता है। इस बीच आपको एक और कॉल आएगा। इस पर अजनबी व्यक्ति कहेगा कि यह आपके दोस्त को फोन है जो वीआईपी नंबर से कॉल कर रहा है। वह आपसे कॉल मर्ज करने को कहेगा। जैसे ही आप कॉल मर्ज करेंगे, आपके अकाउंट से पैसे निकल जाएंगे। आपका वॉटसऐप, फेसबुक या गूगल अकाउंट हैक हो सकता है।

वह बताते हैं कि आपने कोई ओटीपी नहीं दिया, कोई लिंक क्लिक नहीं किया और न ही कोई ऐप इंस्टॉल किया, फिर भी आपका अकाउंट हैक हो गया। उन्होंने बताया कि आपको जो दूसरा कॉल आया, वह ओटीपी का था।

दिल्ली और मुंबई में कहां खुलेगा टेस्ला का शोरूम?

भारत में कितनी होगी कार की कीमत

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी टेस्ला भारत में एंट्री करने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टेस्ला अप्रैल से ही अपनी गाड़ियां बेचना शुरू कर सकती है। कंपनी बर्लिन प्लांट में बनी इम्पोर्टेड गाड़ियां भारत में बेचने की योजना बना रही है। कंपनी भारत में करीब 25,000 अमेरिकी डॉलर (21 लाख रुपये) कीमत वाली सस्ती इलेक्ट्रिक कारें पेश कर सकती है। टेस्ला ने मुंबई में बीकेसी और दिल्ली में एयरोसिटी को अपना शोरूम खोलने के लिए शॉर्टलिस्ट किया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक टेस्ला ने नई दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एयरोसिटी इलाके में एक शोरूम के लिए जगह लीज पर लेने का फैसला किया है। इसी तरह मुंबई में कंपनी ने एयरपोर्ट के करीब बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में जगह चुनी है। टेस्ला कई साल से भारत में एंट्री करने की कोशिश कर रही है। मस्क ने हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका में मुलाकात की थी। इसके बाद टेस्ला की भारत में एंट्री के लिए हलचल तेज हो गई है। कंपनी ने कई अधिकारियों को भर्ती करने के लिए विज्ञापन जारी किया है।

टैरिफ में छूट

टेस्ला को भारत में टैरिफ पर आपत्ति थी। सरकार ने महंगी गाड़ियों पर टैरिफ 100 फीसदी से घटाकर 70 फीसदी कर दिया है। साथ ही देश में 50 करोड़ डॉलर का न्यूनतम निवेश करके मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने वाली कंपनियों को आयात शुल्क में छूट दी जाएगी। यह कदम टेस्ला जैसी प्रमुख ऑटो कंपनियों को आकर्षित करने के मकसद से उठाया गया था। मस्क ने 2021 में कहा था कि अगर टेस्ला भारत में इम्पोर्टेड गाड़ियों के साथ सफल होती है, तो वह भारत में एक मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट लगा सकती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

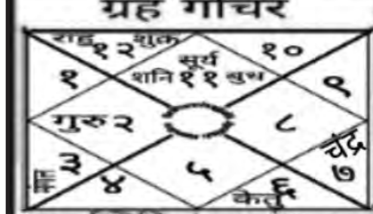

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायण • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-43 सूर्यास्त 18-21
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य- कुंभ	मे	कुंभ....	06-17 बजे
चंद्र- तुला	मे	मीन....	07-56 बजे
मंगल मिथुन	मे	मेष....	09-32 बजे
बुध- कुंभ	मे	वृष....	11-16 बजे
गुरु- वृष	मे	मिथुन..	13-17 बजे
शुक्र- मीन	मे	कर्क....	15-09 बजे
शनि- कुंभ	मे	सिंह....	17-42 बजे
राहु- मीन	मे	कन्या...	19-48 बजे
केतु- कन्या	मे	तुला....	21-54 बजे
		वृश्चिक..	00-04 बजे
		धनु.....	02-17 बजे
		मकर....	04-37 बजे

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी . 09-58 तक उपरान्त अष्टमी
मास - फाल्गुन कृष्ण , गुरुवार 20 February
नक्षत्र - विशाखा 13-30 तक उपरान्त अनुराधा
योग - ध्रुव 11-33 तक उप व्याघात
करण- बव 09-58 तक उप बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्धि योग - 13-30 से

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:57 से 15:24 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:43 - 08:08	शुभ	अमृत	18:21 - 19:51	शुभ
रोग .	08:08 - 09:36	अशुभ	चंचल	19:51 - 21:24	शुभ
उत्पात	09:36 - 11:03	अशुभ	रोग	21:24 - 22:57	अशुभ
चंचल.	.11:03 - 12:30	शुभ	काल	22:57 - 00:30	अशुभ
लाभ.	12:30 - 13:57	शुभ	लाभ	00:30 - 02:02	शुभ
अमृत.	.13:57 - 15:24	शुभ	उत्पात	02:02 - 03:35	अशुभ
काल	15:24 - 16:51	अशुभ	शुभ	03:35 - 05:08	शुभ
शुभ	16:51 - 18:21	शुभ	अमृत	05:08 - 06:43	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी अपने नए-पुराने दोस्तों

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है अपने माता -पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें आपको यह जानकार आश्चर्य होगा की आपने इन पारिवारिक सत्रों से कितना कुछ सीखा है

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपको मदद की जरुरत है और आप जितनी जल्दी यह बात समझ लेंगे उतना ही अच्छा है समय रहते किसी दोस्त या मेंटर से मिली मदद से आप फिर से जीवन में आपस आ पायेंगे जिन बदलावों का आप विरोध करते आ रहे हैं ,उनकी महत्ता आपको अब समझ में आएगी और आप खुद उन्हें करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे अपनों को भी इनमे शामिल करें आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें आज आप अपनी वर्तमान जीवनशैली के स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में जागरूक होंगे और इसमें सुधार के लिए कोई कार्यक्रम बनायेंगे

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं ,क्योंकि आज आप शायद दूसरों को अच्छा लगने वाला व्यवहार ना कर पायें

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे हालांकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं आजका दिन आपके लिए काफी उलझन भरा रहेगा।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की ओर रहेगा आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए किसी गंभीर या कडवी स्थिति से बचने की कोशिश करना ही बेहतर रहेगा इसके स्थान पर दिमाग को शांत रखकर दिन बिताएं तो राहत महसूस होगी

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बजट 2025 में मुफ़्त बिजली समेत हुई 5 बड़ी घोषणाएं

वित्त मंत्री दिया कुमारी ने राजस्थानियों को दी बड़ी राहत!

जयपुर

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को विधानसभा में राजस्थान का वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया। इस बार का बजट 'ग्रीन' थीम पर आधारित है। जिसमें आधारभूत संरचना, ग्रामीण विकास, ऊर्जा, उद्यमिता और नई पहलों पर जोर दिया गया है। प्रदेशवासियों को बड़ी राहत देते हुए 5 मुख्य घोषणाएं हुईः-

1. 100 यूनिट से बढ़ाकर 150 यूनिट फ्री बिजली

बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए राजस्थान सरकार ने हर महीने 100 यूनिट से बढ़ाकर 150 यूनिट तक की फ्री बिजली देने की घोषणा की है। साथ ही पेयजल योजनाओं के समुचित संचालन के लिए पेयजल विभाग में 1050 पदों पर भर्ती की जाएगी।

2. 1000 ट्यूबवेल और 1500 हैंडपंप लगाने की घोषणा

जल संकट से बचाने के लिए सरकार ने 1000 नए ट्यूबवेल और 1500 हैंडपंप लगाने की घोषणा भी की है। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल आपूर्ति को बेहतर बनाया जाएगा।

3. सड़क विकास कार्य के लिए प्रत्येक विधानसभा में 10 करोड़ रुपए

राज्य में सड़कों के विकास के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। इसके अलावा मरूस्थलीय क्षेत्रों के लिए 15 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

4. 50 हजार कृषि और 5 हजार घरेलू बिजली कनेक्शन

राज्य सरकार ने किसानों और घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 50 हजार कृषि और 5 हजार घरेलू बिजली कनेक्शन देने की घोषणा की है।

5. जयपुर मेट्रो के दूसरे फेज के लिए 12,000 करोड़ रुपये

जयपुर मेट्रो के दूसरे फेज को गति देने के लिए सरकार ने 12,000 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है।

ये है 'ग्रीन' थीम का अर्थ

बजट को 'ग्रीन' थीम पर तैयार किया गया है, जिसमें पाँच प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है:

'जी' – गतिः पानी, बिजली, सड़क-परिवहन सहित आधारभूत संरचना को मजबूत किया जाएगा।

'आर' – रूरल डेवेलपमेंटः ग्रामीण विकास, कृषि, पशुपालन, शिक्षा और स्वास्थ्य पर बड़ा निवेश किया जाएगा।

'ई' – एंटरप्रेन्योरशिपः स्टार्टअप्स और एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए रियायतें दी जाएंगी।

'ई' – ऊर्जाः सौर ऊर्जा और ई-व्हीकल को प्रोत्साहित करने के लिए अनुदान और सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

'एन' – न्यू डायमेन्शन्सः पूर्व की योजनाओं को नया रूप देकर उनके क्रियान्वयन में तेजी लाई जाएगी।

चूंदड़ी की साड़ी में पेश किया बजट

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने पारंपरिक चूंदड़ी की साड़ी पहनकर बजट पेश किया। चूंदड़ी राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक मानी जाती है और इसे शुभ संकेत के रूप में देखा जाता है।

नए जिलों को मिला 1 हजार करोड़ का फंड

सरपंचों का बढ़ा मानदेय, सभी विधायक को मिलेगा लेपटॉप

जयपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री दीया कुमारी ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया। बता दें, यह भजनलाल सरकार का दूसरा पूर्ण बजट है, जिससे प्रदेश के हर वर्ग को बड़ी उम्मीदें थीं। वित्त मंत्री दीया कुमारी ने इसे सबके लिए, सब कुछ देने वाला बजट करार दिया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में यह बजट राज्य के विकास के लिए मजबूत आधार साबित होगा।

नए जिलों को 1,000 करोड़ का फंड

दरअसल, राज्य सरकार ने नए जिलों के विकास को प्राथमिकता दी है। इस बजट में 8 नए जिलों को 1,000 करोड़ रुपये देने की घोषणा की गई है। इसके अलावा, हर पंचायत में 'अटल ज्ञान केंद्र' बनाने की योजना है, जिससे डिजिटल शिक्षा और सरकारी योजनाओं की जानकारी सुगमता से लोगों तक पहुंच सके। वहीं, प्रत्येक विधायक को लैपटॉप दिया जाएगा।

1.25 लाख सरकारी भर्तियों का ऐलान

इस बार के बजट में राजस्थान सरकार ने युवाओं के लिए रोजगार की बड़ी सौगात दी है। 1.25 लाख सरकारी पदों पर भर्ती की जाएगी। वहीं, रोजगार मेलों और कैंपस इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे, जिससे युवाओं को निजी क्षेत्र में अवसर मिलेंगे। साथ ही 1.50 लाख नौकरियां निजी क्षेत्र में देने की योजना है। राजस्थान रोजगार नीति लाने की घोषणा की गई, जिससे राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएंगे।

पुलिस विभाग में निकली 3500 भर्तियां

बजट में साइबर क्राइम पर लगाम लगाने के लिए स्मार्ट पुलिसिंग को बढ़ावा देने की योजना है। इसके तहत पुलिस विभाग में 3500 नए पद सृजित होंगे। वहीं, सरदार पटेल सेंटर फॉर साइबर कंट्रोल एंड वॉर रूम" के लिए 350 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा राजस्थान नागरिक सुरक्षा अधिनियम लाने की घोषणा की गई, जिससे नागरिक सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं को और मजबूत किया जाएगा।

अग्निवीरों को विभागों में मिलेगा आरक्षण

दरअसल, राजस्थान सरकार ने अग्निवीरों के लिए बड़ा ऐलान किया है। अब राजस्थान पुलिस, जेल विभाग और वन विभाग में अग्निवीरों को आरक्षण मिलेगा। इसके अलावा फायर सर्विसेज में भी आरक्षण देने का प्रस्ताव है। इससे देश की सेवा कर चुके अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में अवसर मिलेंगे।

पेयजल और स्वच्छता पर विशेष ध्यान

राज्य सरकार ने जल संकट से निपटने के लिए पेयजल विभाग में 1,050 टेक्निकल पदों पर भर्ती करने का ऐलान किया। अगले एक साल में 1,500 नए हैंडपंप और 1,000 ट्यूबवेल लगाए जाएंगे। वहीं, खाद्य सुरक्षा योजना में 10 लाख नए परिवारों को जोड़ा जाएगा।

शिक्षा और कानून क्षेत्र के लिए घोषणाएं

शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए सरकार ने डॉ. भीमराव अंबेडकर लॉ यूनिवर्सिटी के तहत अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्स्टीट्यूशनल स्टडीज एंड रिसर्च की स्थापना करने की घोषणा की। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10 लाख रुपये की लागत से विधायक जनसुनवाई केंद्र बनाए जाएंगे। हर विधायक को लैपटॉप देने की योजना घोषित की गई।

मंदिरों और पुजारियों के लिए बढ़ा मानदेय

इस बार के बजट में मंदिरों और पुजारियों के लिए भी बड़ी घोषणाएं की गई हैं। भोग की राशि 3,000 रुपये कर दी गई। पुजारियों का मानदेय 7,000 रुपये किया गया। जयपुर में गोविंद देवजी कला महोत्सव का आयोजन होगा, जिस पर 50 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

सरपंचों का बढ़ा मानदेय

पंचायती राज के जनप्रतिनिधियों (संरपंचों सहित) के मानदेय में 10% की वृद्धि की गई।

पंचायत समिति कार्यालय के बाहर विधायक अशोक चांदना ने दिया एक दिवसीय धरना

बूंदी, 19 फरवरी (एजेंसियां)। हिण्डोली. ब्लॉक कांग्रेस द्वारा बजरी माफिया की दंबगता व एससी एसटी के लोगों पर अत्याचार का आरोप लगा कर विरोध में विधायक अशोक चांदना के नेतृत्व में पंचायत समिति कार्यालय के बाहर एक दिवसीय धरना दिया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कोडक्या को नई ग्राम पंचायत सृजित करने की मांग

सुबह से ही विधानसभा क्षेत्र से लोग पंचायत समिति कार्यालय के बाहर धरने में पहुंचने लगे। धरने में विधायक अशोक चांदना पहुंचे तो कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। इस दौरान केशवरायपाटन विधायक सीएल प्रेमी भी मौजूद रहे।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते विधायक अशोक चांदना ने कहा कि सरकार बदलते ही भाजपा नेताओं ने दबाव बनाकर अनुसूचित जाति- जनजाति के जनप्रतिनिधियों व लोगों पर दमन करना शुरू कर दिया।

राजनैतिक द्वैषता के चलते आदिवासी समाज से आने वाली ओवण सरपंच का निलंबन करवाया। केशवरायपाटन विधायक सीएल प्रेमी ने कार्यकर्ताओं से कहां कि वे अन्य के खिलाफ संघर्ष को तैयार रहे। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मण बैरवा, जिला कांग्रेस के महासचिव दिनेश शर्मा, महेश सोमानी,सतीश गुर्जर,बृज मोहन शर्मा , हनुमान व्यास, श्योपाल मीणा, सीताराम गुर्जर ने विचार व्यक्त किया।

राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

सभा के बाद चांदना के नेतृत्व में कार्यकर्ता धरना स्थल से जुलूस के रूप में उपखंड अधिकारी कार्यालय की ओर रवाना हुए, जो तहसील रोड भूरया खाल होते हुए उपखंड अधिकारी कार्यालय के बाहर पहुंचे। जहां पर उपखंड अधिकारी शिवराज मीणा को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर यहां की व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

झालरापाटन पीटीएस में प्रशिक्षु जवान की मौत

निंबाहेड़ा, 19 फरवरी (एजेंसियां)। झालरापाटन स्थित पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में निंबाहेड़ा एक प्रशिक्षु जवान की हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटना मंगलवार को नाश्ता करते समय हुई। अचानक सीने में दर्द होने के बाद हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बुधवार को पैतृक गांव बाहेड़ा में जवान का अंतिम संस्कार किया गया।

जानकारी के अनुसार जितेंद्र सिंह 16 फरवरी को ही ट्रेनिंग के लिए पुलिस ट्रेनिंग सेंटर गया था। 17 फरवरी से उसकी ट्रेनिंग शुरू हुई थी। मंगलवार सुबह चाय-नाश्ता कर रहा था। अचानक तबीयत बिगड़ने पर पीटीएस प्रशासन ने उसे झालावाड़ के एसआरजी अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। चिकित्सकों ने मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया है। घटना की सूचना मिलते ही एएसपी चिरंजीलाल मीणा और डीएसपी हर्षराज सिंह खरेड़ा अस्पताल पहुंचे।

जितेंद्र सिंह के पिता लक्ष्मणसिंह उर्फ कालू सिंह खेती करते हैं। दो छोटे भाई अभी पढ़ाई कर रहे हैं। पिता के बाद घर की सारी जिम्मेदारी जितेंद्र पर थी। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। जिला एसआरजी अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों के अनुसार प्रारंभिक जांच में मौत का कारण हार्ट अटैक सामने आया है।

फील्ड-फायरिंग रेंज में गोली लगने से जवान की मौत

बीकानेर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। बीकानेर में महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में प्रैक्टिस के दौरान गोली लगने से घायल सेना के जवान की मौत हो गई। निशानेबाजी का अभ्यास कर रहे थे। इस दौरान हादसा हो गया। उनका सूरतगढ़ के आर्मी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। मजवान ने दम तोड़ दिया। पारस मोहन वेंकटेश (26) 16 मध्यम तोपखाना पठानकोट में सिपाही के पद पर तैनात थे। वह आंध्र प्रदेश में पिट्टावानपलम के रहने वाले थे।

टीकाराम जूली बोले कांग्रेस ने हमेशा जनहित को दलहित से ऊपर रखा

अलवर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सर्वदलीय बैठक के बाद बयान जारी कर बताया कि कांग्रेस ने हमेशा जनहित को दलहित से ऊपर रखा है। उन्होंने कहा कि विधान सभा सत्र शुरू होने से पहले भी हमने बैठक में कांग्रेस का रुख स्पष्ट करते हुए कहा था कि जनहित को देखते हुए सदन को चलाने में सरकार का पूर्ण सहयोग करेंगे। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के दौरान कांग्रेस विधायक दल ने सकरात्मक रुख अख्तियार करते हुए अभिभाषण के दौरान किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न नहीं किया। लेकिन यह दुखद रहा कि सरकार पक्ष के कुछ मंत्री और सदस्य खुद व्यवधान का कारण बनते रहे।

प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने बताया कि प्रदेश में सरकार के मंत्री द्वारा सरकार पर उनके फोन टैपिंग जैसे गम्भीर विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए इस विषय पर सरकार द्वारा जवाब दिये जाने के लिये आसन के माध्यम से कई बार निवेदन किया। इसके उपरांत भी सरकार ने हठधर्मिता को अपनाते हुए प्रतिपक्ष की आवाज को संख्या और सत्ता बल पर दबाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सरकार के

कुछ मंत्री यह नहीं चाहते थे कि मुख्यमंत्री का जवाब निर्विध हो ताकि नेता प्रतिपक्ष को भी नहीं बोलने दिया।

प्रतिपक्ष के नेता जूली ने बताया कि सदन में पैदा किया गतिरोध सरकार की सोची-समझी साजिश का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि सदन को चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है और प्रतिपक्ष सदन को चलाने में सहयोग कर रहा हो तो सरकार को गतिरोध को तोड़ने के लिये गम्भीरतापूर्वक सकारात्मक प्रयास करने चाहिए थे, लेकिन सरकार तो स्वयं गतिरोध पैदा करना चाहती थी। तभी सरकार के गृह राज्य मंत्री मीडिया के सामने आकर तो अपना पक्ष रखते हैं, लेकिन सदन में बयान नहीं देते। जूली ने कहा कि गृह राज्य मंत्री ने जो मीडिया में कहा, यदि वही बात सदन में कही गई होती तो विपक्ष भी अपनी आवाज को सदन में रख पाता, लेकिन सरकार ने संख्याबल के आधार पर प्रतिपक्ष की आवाज को कमजोर करने का काम किया, ताकि सरकार की विफलताओं पर पर्दा पडा रहे और नेता प्रतिपक्ष के माध्यम से गरीब की आवाज को सदन के माध्यम से सरकार तक नहीं पहुंचने दिया जाए। प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने कहा कि बजट प्रदेश की 8 करोड़ जनता से जुड़ा हुआ विषय है और कांग्रेस पार्टी ने सदैव प्रदेश के हित को दल के हित से ऊपर रखते हुए निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सदन में आगे गतिरोध का रूख सरकार के रवैये पर निर्भर करता है।

जिम में 270 किलो की रॉड गिरी, वेटलिफ्टिंग की नेशनल चैंपियन यष्टिका की गर्दन टूटी; मौके पर मौत

बीकानेर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर में वेटलिफ्टिंग की नेशनल खिलाड़ी की मौत हो गई। जिम में अभ्यास करने के दौरान पावरलिफ्टिंग खिलाड़ी और गोल्ड मेडलिस्ट यष्टिका एक हादसे का शिकार हो गईं। 270 किलो की रॉड गिरने से उनकी गर्दन टूट गई। जिम में उन्हें बचाने की कोशिश की गई और फिर पीबीएम अस्पताल ले जाया गया। जहां, जांच के बाद डॉक्टरों ने यष्टिका को मृत घोषित कर दिया। दरअसल, बीकानेर के आचार्य चौक इलाके में रहने वाली यष्टिका पुत्री ऐश्वर्य आचार्य (धिंगाणिया महाराज) पावरलिफ्टिंग में राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी थीं। याष्टिका रोजाना की तरह बड़ा गणेश जी

मंदिर के पास स्थित एक निजी जिम में अभ्यास कर रही थीं। इस दौरान कोच की मौजूदगी में उन्होंने 270 किलो वजन के साथ स्क्वाट लगाने की कोशिश की। इस दौरान याष्टिका का संतुलन बिगड़ गया और रॉड उनके हाथों से छूटकर गर्दन पर गिर गई। आसपास मौजूद कोच और अन्य खिलाड़ियों रॉड को उनके ऊपर से हटाया, लेकिन तब तक याष्टिका बेहोश हो गईं। ऐसे में कोच ने उन्हें सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की, लेकिन याष्टिका आचार्य को होश नहीं आया। इसके तुरंत बाद उन्हें पीबीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने याष्टिका को मृत घोषित कर दिया।

यष्टिका ने हाल ही में राजस्थान स्टेट पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित 29वीं राजस्थान स्टेट सब-जूनियर एवं सीनियर मेन एंड वुमेन इक्विप्ड बेंच प्रेस चैंपियनशिप अलवर में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता था। वहीं, यष्टिका ने गोवा में आयोजित 33वीं नेशनल बेंच प्रेस चैंपियनशिप में इक्विप्ड कैटेगरी में गोल्ड मेडल और क्लासिक कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता था। यष्टिका आचार्य के पिता ऐश्वर्य आचार्य (50) कॉन्ट्रैक्टर हैं। यष्टिका तीन बहनें हैं, उनकी एक और बहन भी पावर लिफ्टिंग करती है। यष्टिका की मौत के लेकर परिजनों ने कोई केस दर्ज नहीं कराया है। हालांकि, पुलिस अपनी जांच कर रही है।

राज्यवृक्ष खेजड़ी की कटाई पर छूट देना अमृतादेवी बिश्नोई और 363 बलिदानियों का अपमान- बाबूलाल जाजू

भीलवाड़ा, 19 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार द्वारा राज्यवृक्ष खेजड़ी की कटाई पर दी गई छूट का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। पर्यावरणविद् एवं पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने इस फैसले को अमृतादेवी बिश्नोई और 363 बलिदानियों का अपमान करार दिया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार अमृतादेवी बिश्नोई पुरस्कार देकर वन्यजीवों और पेड़ों के संरक्षण की बात करती है, तो दूसरी तरफ खेजड़ी जैसे महत्वपूर्ण वृक्ष की कटाई की छूट देकर दोहरी नीति अपना रही है।

उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 1730 में अमृतादेवी बिश्नोई सहित 363 लोगों ने खेजड़ी वृक्षों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर किए

थे। यह बलिदान पर्यावरण और प्रकृति प्रेम की अनूठी मिसाल है। अगर खेजड़ी वृक्ष की कटाई को कानूनी मंजूरी ही देनी थी, तो इसे राज्यवृक्ष घोषित करने की जरूरत ही क्या थी? बाबूलाल जाजू ने वन क्षेत्र के घटने और पर्यावरणीय असंतुलन को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि 1950 में राजस्थान का वन क्षेत्र 13.5% था, जो अब घटकर मात्र 9% रह गया है। वहीं, राज्य की जनसंख्या बढ़कर 7.5 करोड़ हो चुकी है, लेकिन वनों की सघनता घटती जा रही है। लगातार घटते वन क्षेत्र के कारण प्रदेश का तापमान बढ़ता जा रहा है, जिससे भविष्य में गंभीर पर्यावरणीय संकट उत्पन्न हो सकता है। बिश्नोई समाज पिछले छह महीनों से खेजड़ी वृक्षों की रक्षा के लिए आंदोलन कर रहा है, लेकिन इसके बावजूद सरकार ने इस पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया है। सरकार की इस उदासीनता से पर्यावरण प्रेमियों में रोष व्याप्त है।

पर्यावरणविद् जाजू ने सरकार से खेजड़ी वृक्षों की कटाई पर तुरंत प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने जल्द कदम नहीं उठाए तो राजस्थान का पर्यावरणीय संतुलन पूरी तरह से बिगड़ सकता है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पुलिस इंस्पेक्टर की मौत

छुट्टी खत्म होने के बाद ड्यूटी पर लौटते समय हुआ हादसा

अलवर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र स्थित बावड़ी मोड़ के पास आज सवेरे एक दुखद हादसा हुआ, जब राजस्थान पुलिस के एक इंस्पेक्टर को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए फतेह सिंह की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार फतेह सिंह जयपुर मुख्यालय में तैनात थे और छुट्टी पर अपने घर माजरा मुंडावर आए हुए थे। छुट्टी की अवधि पूरी होने के बाद वह आज सुबह अपनी ड्यूटी पर वापस जयपुर जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। अज्ञात वाहन की टक्कर से वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें पहले मालाखेड़ा प्राथमिक चिकित्सा केंद्र ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें अलवर जिला अस्पताल रैफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतक के दोस्त नरेश कुमार ने बताया कि फतेह सिंह की एक बेटी है, जिसकी शादी हो चुकी है। वह तीन भाई थे, जिनमें से एक सीआईएसएफ में इंस्पेक्टर है और दूसरा समाजसेवी है। पुलिस ने हादसे की रिपोर्ट दर्ज कर ली है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। घटना के समय अंधेरा होने के कारण किसी ने भी वाहन के नंबर प्लेट की पहचान नहीं की। वाहन चालक घटना के बाद फरार हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है।

युवक की मौत पर बवाल,पुलिस पर बरसाए पत्थर

टोंक, 19 फरवरी (एजेंसियां)। टोंक में युवक की मौत पर बुधवार को बवाल हो गया। लोगों ने रोड पर शव रखकर प्रदर्शन किया। उन्हें समझाकर लौट रही पुलिस टीम पर लोगों ने पथराव कर दिया। पथराव में देवली DSP की गाड़ी समेत 4 सरकारी वाहनों के शीशे टूट गए। पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवाई फायर करने पड़े।

ग्रामीणों का आरोप है कि मंगलवार को पुलिसकर्मी ने ट्रैक्टर से ड्राइवर को कुचल दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद नगरफोर्ट थाना क्षेत्र के बालागढ़ गांव के लोगों ने रात भर स्टेट हाईवे-34 पर नगरफोर्ट-धूनी रोड को जाम कर दिया। बुधवार सुबह प्रशासन की टीम ग्रामीणों को समझाने गई थी।

लौटते समय घटना स्थल से करीब 5 किलोमीटर दूर कुछ लोगों ने रोड पर आकर रास्ता रोक लिया। अधिकारियों की गाड़ियों पर पथराव शुरू कर दिया था। बवाल के बाद पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा भी लोगों के समर्थन में पहुंच गए। हालांकि शाम साढ़े चार बजे समझौता हो गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि ड्राइवर विमल मीणा (26) पुत्र मोहन लाल मीणा मंगलवार शाम 6:15 बजे ट्रैक्टर-ट्रॉली में मिट्टी भरकर गुराई की ओर से बालागढ़ स्थित घर आ रहा था। नगरफोर्ट थाने की पुलिस की 112 नंबर गाड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली के पास आकर रुकी। ड्राइवर को रुकने का इशारा किया। ड्राइवर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोक लिया।

ग्रामीणों के मुताबिक, ट्रैक्टर-ट्रॉली में टेप रिकॉर्डर तेज आवाज में चलाने पर पुलिस जवानों ने विमल को ट्रैक्टर से उतारकर पुलिस गाड़ी में बैठा लिया। उसके बाद उसे बालागढ़ में उतार दिया। इस दौरान उसकी ट्रैक्टर-ट्रॉली को एक पुलिसकर्मी चलाकर ले जाने लगा।

ग्रामीणों ने बताया- ड्राइवर विमल ट्रैक्टर-ट्रॉली को रुकवा रहा था, लेकिन पुलिसकर्मी ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को नहीं रोका और सीधे उसके ऊपर चढ़ा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। यह देख पुलिसकर्मी ट्रैक्टर-ट्रॉली को थाने ले गया।

एसपीविकास सांगवान ने बताया- सुबह जाम स्थल पर लोगों को समझाकर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घाड़ की ओर लौट रहे थे। इस दौरान भीड़ रोड पर आ गई और रास्ता रोककर पथराव किया। पथराव में देवली एसडीएम, मालपुरा एएसपी, देवली डीएसपी की गाड़ी समेत चार सरकारी वाहनों के शीशे टूट गए।

उद्यमों और स्टार्टअप को साइबर सुरक्षा पर ध्यान देना शुरू करना चाहिए : जयेश रंजन

साइबर सुरक्षा शील्ड 2025 पर दो दिवसीय सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 19 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। साइबर सुरक्षा शील्ड 2025 पर दो दिवसीय सम्मेलन बुधवार शाम को एचआईसीसी में सपन्न हुआ।समापन समारोह में मुख्य अतिथि तेलंगाना सरकार के उद्योग और वाणिज्य (आई एंड सी) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभागों के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन थे। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने पहले सफल सम्मेलन के लिए तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो की सराहना की। कई साल पहले भारत के प्रधान मंत्री द्वारा डिजिटल इंडिया पहल के शुभारंभ को याद करते हुए, जहां उन्होंने युद्ध की बात की थी, जबकि तब ऐसा कोई भौतिक युद्ध नहीं चल रहा था। वह साइबर युद्ध का जिक्र कर रहे थे जो अब एक वास्तविकता प्रतीत होता है। वर्ष 2016 में नोटबंदी और उसके बाद कोविड के कारण हुए विकास ने भारत में डिजिटल लेन-देन को लोकप्रिय बनाया। समाज तेजी से डिजिटल हो गया है, इसलिए साइबर सुरक्षा के खतरे भी काफी बढ़ गए हैं। इसका मुकाबला करने के लिए दो-कारक प्रमाणीकरण शुरू किया गया था। लोगों ने इसका उपहास किया और सोचा कि यह आवश्यक नहीं है। लेकिन, जितनी जल्दी वे इसे समझेंगे, उनके सुरक्षित डिजिटल पदचिह्न के लिए उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि उद्यमों और स्टार्टअप को साइबर सुरक्षा पर ध्यान देना शुरू करना चाहिए और अपने संगठनों को साइबर खतरों से सुरक्षित करना चाहिए। स्टार्टअप को यह नहीं सोचना चाहिए कि साइबर सुरक्षा केवल बड़ी कंपनियों और तकनीकी दिग्गजों के लिए है। उद्यम नए भारत की रीढ़ हैं। वे भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास इंजन हैं। साइबर सुरक्षा के खतरे किसी भी अन्य संगठन की तरह उनके लिए भी बड़े हैं। दुर्भावनापूर्ण सॉफ़्टवेयर से लेकर रैनसमवेयर हमलों से लेकर फ़िशिंग तक, वे कोई अपवाद नहीं हैं और किसी भी अन्य संगठन की तरह साइबर हमलों के लिए प्रवण हैं। साइबर सुरक्षा एक ऐसा पहलू है जिस पर हर स्टार्टअप को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पिछले कई सालों में एक भी सुरक्षा खतरा नहीं हुआ। तेलंगाना पुलिस ने एक बार फिर अपनी काबिलियत साबित की है। उन्होंने सबसे जटिल साइबर सुरक्षा मामलों को सुलझाया है। जयेश रंजन ने कहा कि आज हमारे राज्य की पुलिस एक शानदार प्रतिष्ठा का आनंद ले रही है। उन्होंने आईआईटी हैदराबाद, आईएसबी और एनएएलएसएआर के साथ समझौता ज्ञापन करने के लिए शील्ड की सराहना की। मेरा सुझाव है कि उन्हें सी-डैक, सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग पर भी विचार करना चाहिए। यह भारत में एक स्वायत्त वैज्ञानिक समाज है जो साझेदारी के लिए आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास करता है।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने कहा कि शील्ड 2025 ने उस उद्देश्य को पूरा किया जिसके लिए इसे आयोजित किया गया था। किसी भी अग्रणी प्रयास में एक साथ काम करना और एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना बहुत महत्वपूर्ण है। साइबर धोखाधड़ी में निर्दोष लोग पैसा खो रहे हैं। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी मेहनत की कमाई न डूबे। टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोयल ने कहा कि शील्ड 2025 का पहला प्रयास इसके प्रयासों के लायक था। हमने इस शो को एक साथ लाने के लिए दो महीने तक कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा कि यह बहुत संतोषजनक है। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने अपने स्वागत भाषण में सम्मेलन को सीखने के दो पूरे दिनों का आयोजन बताया। सम्मेलन के दूसरे दिन कई पैनल चर्चाएँ और वार्ताएँ हुईं। इस अवसर जोएल डेविड, संयुक्त सीपी हर्षवर्धन एसपी, साइबर सुरक्षा और प्रशासन, देवेंद्र सिंह, एसपी साइबर अपराध, साइबराबाद पुलिस के अधिकारी; माधापुर डीसीपी विनीत कुमार नावेद खान, सीईओ, एससीएससी इस अवसर पर उपस्थित थे।

भाग्यनगर ग्रेटर हैदराबाद में श्री छत्रपति शिवाजी महाराज का 395 वां जन्मोत्सव धूमधाम से आयोजित

हैदराबाद, 19 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर ग्रेटर हैदराबाद में हिंदू धर्म के गौरव अदम्य साहसी श्री छत्रपति शिवाजी महाराज का 395 वां जन्मोत्सव धूमधाम से आयोजित हुवा।

इस संदर्भ में, श्री छत्रपति शिवाजी मराठा नवयुवक मंडल, भाग्यनगर, तेलंगाना एवं श्री छत्रपति शिवाजी मराठा सांस्कृतिक ट्रस्ट तेलंगाना के संयुक्त तत्वावधान में, बुधवार दि. 19 फरवरी 2025 के दोपहर से, श्री छत्रपति शिवाजी महाराज का 395 वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

इस शुभावसर पर, मुख्य अतिथि के रुप में तेलंगाना राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा तथा सम्माननीय अतिथिगणों में केंद्रीय खान व कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी, तेलंगाना राज्य परिवहन व बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, राज्यसभा सांसद एम. अनिलकुमार यादव, गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह, बेगम बाजार पार्षद जी. शंकर यादव, गोशामहल पार्षद लालसिंह, पूर्व मंत्री कृष्णा यादव, पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौड, अध्यक्ष भाग्यनगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति डा. पी. भगवंतराव आदि, गरिमामय उपस्थिति रही।

तत्संबंधित छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मोत्सव पर भव्य शोभा निकाली गयी तथा यह भव्य शोभायात्रा ग्रेटर हैदराबाद के पुराना पुल छत्रपति शिवाजी महाराज द्वार से होते हुए शिवाजी महाराज प्रतिमा(श्री शिवाजी महाराज पुल), इमलीबन बस डिपो तक निकाली गयी। तत्पश्चात् सायं के समय उक्त शोभायात्रा जो जनसभा में परिवर्तित हुई। तत्संबंधित भव्य शोभायात्रा के बाद उपरोक्त मुख्य अतिथि एवं सम्माननीय अतिथिगणों ने अपने अपने संबोधन प्रस्तुत किए।

निवेदक मदन जाधव(अध्यक्ष), विश्वनाथ मोरे (महामंत्री), राम शेरिकर, गोपालराव जगताप(संयोजक), लक्ष्मणराव जाधव(सह-संयोजक), मारुति जग ताप (सलाहकार) ने सभी देशप्रेमी बंधुओं, शुभचिंतकों से, इस भव्य जन्मोत्सव में, सपरिवार पहुंचकर, अपने अपने संगठनों का परिचय देकर, इस विशाल आयोजन में भाग लेकर, कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गयी।

इस शोभायात्रा में विशेष आकर्षण के रुप में तेलंगाना वारकरी भजन मंडलियों द्वारा मधुर भजन का आयोजन हुवा।

इस भव्य जन्मोत्सव को सफल बनाने में उपरोक्त निवेदक मदन जाधव(अध्यक्ष) आदि प्रमुखों सहित तेलंगाना मराठा मंडल, तेलंगाना मराठा महिला मंडल, तेलंगाना मराठा गोल्ड एण्ड सिल्वर रिफाइनरीज का अभूतपूर्व योगदान रहा। इस भव्य कार्यक्रम में भारी लोगों ने भाग लिया।

6.7 लाख रुपये की अवैध दवाएं जब्त

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) के औषधि निरीक्षकों ने मेडचल-मलकाजगिरी जिले के उप्पल खालसा स्थित एक बिना लाइसेंस वाले गोदाम पर छापा मारा और 6.7 लाख रुपये मूल्य की अवैध रूप से रखी गई दवाएं जब्त कीं। बिना लाइसेंस वाले गोदाम में अद्दांकी वेंकट सुरेश बाबू द्वारा बिना वैध औषधि लाइसेंस के अवैध रूप से दवाइयां रखी जा रही थीं। छापे के दौरान, डीसीए अधिकारियों ने बड़ी मात्रा में दवाओं के अनधिकृत भंडारण का पता लगाया, जिसमें छह प्रकार की एक्सपायर हो चुकी दवाएं, गर्भपात किट, दर्द निवारक और एंटीहिस्टामिनिक दवाएं शामिल थीं।

टीएसडीसीए के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी ने कहा कि आगे की जांच की जाएगी और सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। बिना ड्रग लाइसेंस के दवाओं का भंडारण और बिक्री करने वाले व्यक्तियों को दवाइयां सप्लाई करने वाले थोक विक्रेता और डीलर भी ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत दंडनीय हैं। ऐसे थोक विक्रेताओं और डीलरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ईटेला ने केसीआर पर निशाना साधा

वारंगल, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद ईटेला राजेंद्र ने तेलंगाना के पहले मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर तीखा हमला बोला है और कहा है कि कांग्रेस सरकार भी केसीआर के नक्शेकदम पर चल रही है। ईटेला राजेंद्र ने चेतावनी दी है कि अगर कांग्रेस केसीआर के नक्शेकदम पर चलना बंद नहीं करती है, तो कांग्रेस का भी वही हश्र होगा जो पूर्व सीएम केसीआर का हुआ था। बुधवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने तेलंगाना राज्य में शिक्षा व्यवस्था को भ्रष्ट करने के लिए केसीआर की आलोचना की। उन्होंने कहा कि संसद के एक अधिनियम के अनुसार, भूमि विस्थापितों को तीन गुना अधिक मुआवजा देना होगा। ईटेला ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार लापरवाही से काम कर रही है और मांग की है कि उसे राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए अधिग्रहित भूमि दे देनी चाहिए। एटाला ने चिंता व्यक्त की कि ग्रीनफील्ड परियोजना के भूमि अधिग्रहण में किसानों को भारी नुकसान हो रहा है और कहा कि राज्य सरकार की लापरवाही के कारण ग्रीनफील्ड भूमि विस्थापितों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है, जबकि उन्होंने कहा कि ग्रीनफील्ड हाईवे पर काम तेजी से चल रहा है।

सीएडब्ल्यू में मिड-कैरियर इंटरेक्शन प्रोग्राम आयोजित

सिकंदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर (सीएडब्ल्यू) ने 17 फरवरी से 19 फरवरी तक सिकंदराबाद में मिड-कैरियर इंटरेक्शन प्रोग्राम (एमसीआईपी) आयोजित किया। इस इंटरेक्शन का विषय था 'अंतरिक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के लिए एक नया मोर्चा है' और इसमें भारतीय सशस्त्र बलों के 15 अधिकारी और सिविल सेवाओं के 10 अधिकारी शामिल हुए। सरकारी और सैन्य स्तर के इंटरेक्टिव कार्यक्रम का उद्देश्य देश के एयरोस्पेस विकास कार्यक्रमों में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में अंतरिक्ष की समझ को बढ़ाना था।

जाट समाज भवन का लोकार्पण

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)।जाट समाज ट्रस्ट, हैदराबाद-सिकंदरबाद के तत्वावधान में अलमासगुड़ा, सीएन रेड्डी नगर, वनस्थलीपुरम स्थित प्रमेश्वर महादेव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत मंगलवार को जाट समाज भवन का लोकार्पण, द्वितीय दिवस में 21 कुंडीय हवन, कथा का आयोजन साध्वी सूरजबाईसा के सान्निध्य ओर भजन कार्यक्रम में आज गजेन्द्र राव, महावीर सांखला ने अपनी प्रस्तुती इस अवसर पर अध्यक्ष दुदाराम बाबल, सरंक्षक सोहनलाल बांगडा, सचिव बाबूलाल पुनिया, कोषाध्यक्ष लिक्माराम खोखर, उपाध्यक्ष कैलाश सारण, सुखाराम चांगल, बक्साराम खुडखुड़ीया, धर्माराम रिवाड़, सह सचिव गोविन्द सागुंण, घन्नाराम जाखड़, दौलाराम कड़वा, गोविन्द खदाव, हनुमान छिणंग, सोहनलाल धायल, सलाहकार जगदीशचन्द्र कुलकधानिया, दिलीप चौधरी, गणपतलाल साहु, भिरदाराम भडियासर, सरदारराम ढाका, जस्साराम टाडा, बुद्धाराम पुनिया, धर्माराम कड़वा, गोपाल खोड़, संग्राम चोटिया, भैराराम भंवररिया, भंवरलाल पड़ोदा एरिया मेम्बरः वनस्थलीपुरम्ः श्रवण जाखड़, गोपाल मुदियाड़ा, महिपाल भड़ियार शिवरामपट्टी-काटेदानः सुमेर जाखड़, धन्नराज लुमरोड़ कुकटपल्ली-मियापुरः गोर्वधन जाखड़, अणदाराम मुवाल, सिकंदराबाद-सुचित्रा उगमाराम पुनिया, कालूराम थारोल एल.बी.नगर-मनसुराबाद-एन.टी.आर. नगर सुगनाराम भालिया, कैलाश कागट उप्पल नागौल-नागारमः रामनिवास साहु, दिनेश नारदणिया, कानाराम मुन्दियाड़ा अब्दुलापुरमेट-चोटुप्पलः रामलाल लुमरोड़, भरत सारण करमनघाट-बालापुर-मीरपेट-साइदाबादः बुद्धाराम भाम्बु, भीयाराम जवालतुकुगुडा-महेश्वरम-कोतूरः कालूराम भड़ला, मलाराम जाखड़ इब्राहीमपट्टनम्-मालगाँव-मल्लेपल्लीः मुकेश भाना, बुद्धाराम ग्वाला, धर्माराम भाम्बू भुवनगिरी-आलेर घनपुरः बाबूलाल खोड़, सम्पत ढाका, दुर्गाराम खोड़ गजवेल-तुपरान-चेगुटाः महेन्द्र ढाडिया, तुलसाराम थारोल व सामज बन्धु उपस्थित थे।

एग्जीबिशन समिति के मंत्री का सम्मान

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं रामायण मेला के महामंत्री तथा प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी, संयोजक मनोज जायसवाल ने आज समिति के महामंत्री सुरेंद्र रेड्डी इकोनामिक कमेटी के अध्यक्ष डॉ गंगाधर राव राजेश्वर एग्जिबिशन समिति के सुकेश रेड्डी एवं शंकर लाल का शाल द्वारा अभिनंदन किया गया। गोविंद नारायण राठी ने समिति के मंत्री सुरेंद्र रेड्डी को मोमेंट प्रदान किया। सुरेंद्र रेड्डी ने इस अवसर पर कहा कि इस बार नुमाइश का तकरीबन 80 लाख लोगों ने लाभ लिया। उन्होंने बताया कि एग्जिबिशन द्वारा 22 कॉलेजेस चलते हैं और स्कूल भी चलता है इससे विद्यार्थियों को लाभ मिलता है।

के.बी.आर. पार्क स्थित इच्छा पूर्ति गणेश भगवान की पूजा करते राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, संध्या रानी, संतोष अग्रवाल, विजय रानी, प्रवीण अग्रवाल, गोपाल बलदेव, विजय कुमार अग्रवाल, बाबूलाल केडिया, नरेंद्र चोपड़ा, डॉ. राधा कृष्णा, विजय तुंबी, अशोक लखोटिया, अशोक सरायवाला, राहुल सिंघल, दिनेश पंचोली, सुधाकर पंपटी, सुदर्शन गारू आदि भक्तजन उपस्थित थे

असामान्य गर्मी का दौर शुरू

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और तेलंगाना राज्य के जिलों में इस समय असामान्य रूप से गर्मी पड़ रही है, जो अप्रैल और मई में गर्मी के चरम दिनों जैसा है।

पिछले 48 घंटों से हैदराबाद में दिन का तापमान लगातार 36 डिग्री सेल्सियस और 37 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है, जबकि जिलों में कुछ स्थानों पर पहले से ही 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जाना शुरू हो गया है। हालांकि, गर्मी का असामान्य दौर कम होने की उम्मीद है और गुरुवार और शुक्रवार के बीच तापमान में एक या दो डिग्री की गिरावट आ सकती है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले 3 दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, क्योंकि तेलंगाना राज्य में मौसम गर्म और शुष्क बना रहेगा।

हैदराबाद के मौसम पूर्वानुमानकर्ता टी बालाजी कहते हैं कि 18 और 19 फ़रवरी इस असामान्य गर्मी के चरम दिन हैं, जब हैदराबाद के कुछ हिस्सों में तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और 37 डिग्री सेल्सियस को पार करने की उम्मीद है।

सांसद चामला ने केसीआर की टिप्पणियों का खंडन किया

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की टिप्पणियों को खारिज कर दिया है, जिन्होंने सुझाव दिया था कि तेलंगाना में निकट भविष्य में उपचुनाव होंगे। बुधवार को जारी एक बयान में, कांग्रेस सांसद ने अपना विश्वास व्यक्त किया कि अगले पांच वर्षों में उपचुनाव होने की संभावना नहीं है, उन्होंने केसीआर के दावों को अवास्तविक करार दिया। "केसीआर की पार्टी स्थानीय निकाय चुनावों में भी महत्वपूर्ण उपस्थिति नहीं रखती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

रेखा गुप्ता दिल्ली ...

रेखा गुप्ता शालीमार बाग वार्ड से भी पार्षद रही हैं। रेखा गुप्ता को 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में शालीमार बाग सीट से हार मिली थी। 2015 में उन्हें लगभग 11000 वोटों से वंदना कुमारी ने हराया था जबकि 2020 में उनकी हार का अंतर 3440 वोटों का था। लेकिन इस बार रेखा गुप्ता ने वंदना कुमारी को बहुत बड़े अंतर से चुनाव में शिकस्त दी है।

रेखा गुप्ता मूल रूप से हरियाणा के जींद की रहने वाली हैं। उनका पुश्तैनी गांव नंदगढ़ जींद के जुलाना इलाके में है। यहां उनके दादा मनिराम और परिवार के बाकी लोग रहते थे। रेखा के पिता जयभगवान की नौकरी दिल्ली में लग गई थी इसलिए उनका पूरा परिवार दिल्ली में शिफ्ट हो गया। रेखा गुप्ता की स्कूली पढ़ाई से लेकर ग्रेजुएशन तक दिल्ली में ही हुई है। रेखा गुप्ता की 1998 में मनीष गुप्ता से शादी हुई थी। मनीष गुप्ता स्पेयर पार्ट्स का कारोबार करते हैं। बताना होगा कि जुलाना सीट से महिला पहलवान विनेश फोगाट विधायक हैं। विनेश फोगाट तीन बार की ओलंपियन हैं। उन्होंने हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस के टिकट पर जुलाना से चुनाव जीता था। विनेश फोगाट की ससुराल भी जुलाना में है। अपने राजनीतिक करियर के दौरान रेखा गुप्ता लोगों के साथ जुड़ी रही हैं और उन्होंने कई राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

एमपी में मुठभेड़ ...

हॉक फोर्स, सीआरपीएफ, कोबरा और जिला पुलिस बल की 12 से अधिक टीमें सर्च ऑपरेशन में जुटी हैं। हालांकि पुलिस की ओर से मुठभेड़ को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। मारी गई महिला नक्सलियों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। दोपहर में सीएम डॉ. मोहन यादव ने वीडियो जारी कर पुलिस को बधाई दी है। सीएम ने एक्स पोस्ट पर कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में गृहमंत्री अमित शाह जी वर्ष 2026 तक देश से नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए अभियान चला रहे हैं और हमारी सरकार भी इस दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा यह हमारी नीति का हिस्सा है। इस नीति के बलबूते पर राज्य में नक्सलवादी, आतंकवादियों को हटाने के लिए पुलिस जान की बाजी लगाकर काम कर रही हैं। प्रदेश में पुलिस इस मूवमेंट को खत्म करके ही दम लेगी। बालाघाट और बाकी जगह जहां भी जरूरत होगी पूरी जगह हमने व्यवस्था बनाई है और उम्मीद करेंगे

महाप्रबंधक ने हैदराबाद डिवीजन का निरीक्षण किया

कामारेड्डी स्टेशन पर किए गए पुनर्विकास कार्यों की भी समीक्षा की

हैदराबाद , 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने बुधवार को हैदराबाद डिवीजन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ हैदराबाद डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर लोकेश विश्नोई और मुख्यालय और डिवीजन दोनों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। महाप्रबंधक ने मुदखेड़ से मेडचल तक निरीक्षण किया और पटरियों, सिग्नलिंग, नई स्थापित इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम, यात्री सुविधाओं और आगे की विकास योजनाओं के सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की। उन्होंने उमरी रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया और उपलब्ध यात्री सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन मास्टर के कार्यालय का भी निरीक्षण किया और स्टेशन के रिकॉर्ड की जांच की। इसके अलावा, उन्होंने स्टेशन पर पटरियों और अन्य सुरक्षा उपकरणों के रखरखाव का निरीक्षण किया। उन्होंने ट्रैक अनुरक्षकों से बातचीत की और उनकी कार्य स्थितियों और अपनाई जा रही सुरक्षा प्रथाओं के बारे में पूछताछ की। महाप्रबंधक ने बसर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया, उन्होंने सुविधाओं की समीक्षा की और स्टेशन मास्टर कार्यालय, एटीवीएम मशीनों के कामकाज, एक स्टेशन एक उत्पाद स्टॉल (ओएसओपी) और स्टेशन के परिचालित क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत 11.33 करोड़ रुपये की लागत से बसर में चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों में और तेजी लाने की सलाह दी ताकि परियोजना को लक्ष्य के अनुसार पूरा किया जा सके।

उन्होंने गोदावरी रेलवे ब्रिज का भी निरीक्षण किया और रखरखाव और सुरक्षा पहलुओं की जांच की। बाद में, महाप्रबंधक ने निजामाबाद रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया उन्होंने स्टेशन पर रनिंग रूम और क्रू बुकिंग लॉबी का भी निरीक्षण किया और कर्मचारियों से उपलब्ध सुविधाओं के बारे में पूछताछ की। उन्होंने स्टेशन पर दुर्घटना राहत ट्रेन का भी निरीक्षण किया। महाप्रबंधक और वरिष्ठ अधिकारियों ने स्टेशन पर हरित वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। श्री अरुण कुमार जैन कामारेड्डी रेलवे स्टेशन पर गए, जहां उन्होंने स्टेशन परिसर और ओएसओपी स्टॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने एबीएसएस के हिस्से के रूप में 39.9 करोड़ रुपये की लागत से कामारेड्डी स्टेशन पर किए गए पुनर्विकास कार्यों की भी समीक्षा की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत के लिए ये टीमें झेलेंगी बड़ी तकलीफ

सभी का होगा इतना बड़ा नुकसान !

खेल डेस्क, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान 29 साल बाद किसी आईसीसी इवेंट (चैंपियंस ट्रॉफी 2025) को होस्ट कर रहा है. लेकिन टीम इंडिया के सभी मैच दुबई में खेले जाएंगे. अगर भारतीय टीम सेमीफाइनल और फाइनल में पहुंचती है तो ये मैच भी दुबई में ही होंगे. भारत के मैच दुबई में होने के चलते टूर्नामेंट की तीन टीमों पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को बड़ी तकलीफें झेलनी पड़ेगी. भारत का पहला मैच बांग्लादेश से है तो बांग्लादेश कुछ दिनों पहले ही दुबई पहुंच चुकी है. लेकिन पाकिस्तान और न्यूजीलैंड को भी दुबई आना होगा. टीम इंडिया के लिए इन टीमों को ट्रैवल संबंधित तकलीफें झेलनी पड़ेगी.

टीम इंडिया के लिए कैसे तकलीफ झेलेंगी तीनों टीमें?

न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, भारत और बांग्लादेश तीनों टीमें ग्रुप ए में हैं और सभी टीमें ग्रुप स्टेज में एक-दूसरे से एक-एक मैच खेलेंगी. बांग्लादेश 20 फरवरी को भारत से पहला मैच खेलने के बाद आगे के मैचों के लिए पाकिस्तान चली जाएगी. 23 फरवरी को पाकिस्तान को भारत से मैच के लिए दुबई आना होगा और वो भी अपने अगले मैच के लिए वापस अपने देश लौट जाएगी. वहीं न्यूजीलैंड पाकिस्तान में अपने शुरुआती दो मैच पाकिस्तान और बांग्लादेश से खेलने के बाद ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच के लिए दुबई आएगी. अगर पूरा टूर्नामेंट पाकिस्तान में होता तो इन तीनों टीमों को दुबई के चक्कर नहीं काटने पड़ते लेकिन टीम इंडिया के लिए इन्हें तकलीफ लेनी पड़ेगी और दुबई आना पड़ेगा.

तीनों टीमों को होगा ये नुकसान!

भारतीय टीम के चलते इन तीनों ही टीमों को एक बड़ा नुकसान भी हो सकता है. 50 ओवर फॉर्मेट के चलते खिलाड़ियों को मैदान पर ज्यादा से ज्यादा समय बिताना पड़ेगा. घंटों-घटों मैच खेलने के चलते खिलाड़ियों पर थकान का भी असर रहेगा और फिर इन्हें हजारों किलोमीटर दूर दुबई का सफर भी टीम इंडिया के खिलाफ मैच के लिए तय करना पड़ेगा. इससे इन टीमों के खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर भी असर पड़ सकता है. क्योंकि पाकिस्तान से दूसरे देश में ट्रैवल करने के चलते प्लेयर्स को कम से कम आराम मिलेगा.

दुबई में छावा फिल्म को देखने के बाद क्यों ट्रोल हो रहे हैं गौतम गंभीर ?

दुबई, 19 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी आज यानि 19 फरवरी से शुरुआत हो रही है. वहीं भारतीय टीम 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ दुबई में मुकाबले के लिए उतरेगी. टीम को 23 फरवरी को सबसे बड़ी प्रतिद्वंदी टीम पाकिस्तान से भिड़ना है. टीम इंडिया इसके लिए 4 दिन पहले ही दुबई पहुंच चुकी है. तभी से खिलाड़ी नेट्स में जमकर पसीना बहा रहे हैं. लेकिन इन तैयारियों के बीच टीम के हेड कोच गौतम गंभीर फैंस के निशाने पर आ गए हैं. उन्होंने दुबई में इन दिनों बॉलीवुड एक्टर विकी कौशल की चर्चित फिल्म छावा फिल्म देखी. इसके बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट लिखा, जिसने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया और वो ट्रोल होने लगे.

गंभीर को क्यों ट्रोल कर रहे फैंस?

छावा फिल्म हाल ही में रिलीज हुई है और फैंस को काफी पसंद आ रही है. शायद इसलिए टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने दुबई में इसे देखने का फैसला किया. इसके बाद उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, 'छत्रपति संभाजी महाराज, मातृभूमि के प्रति समर्पण !.' जैसे ही गंभीर ने ये पोस्ट किया, वो फैंस के निशाने पर आ गए. एक फैन ने चैंपियंस ट्रॉफी पर ध्यान देने की सलाह दी. वहीं दूसरे ने कहा 'चैंपियंस ट्रॉफी में मत हरवा देना भाई.' एक और यूजर ने लिखा 'कोचिंग कर लो भाई क्या मूवी देख रहे हो.'

दरअसल, इस अहम आईसीसी टूर्नामेंट से पहले भारतीय फैंस को लगा कि गंभीर ठीक से अपने काम पर फोकस नहीं कर रहे हैं. वो इस बड़े आईसीसी टूर्नामेंट पर अपना समय और एनर्जी लगाने के बजाय कहीं और ध्यान दे रहे हैं, जिससे टूर्नामेंट पर असर पड़ सकता है. इसलिए उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी. हालांकि, कई फैंस ने इस फिल्म को समर्थन देने के लिए उनकी तारीफ भी की है.

रोहित संग प्लानिंग, विराट पर ध्यान

वैसे हम आपको बता दें कि गौतम गंभीर का पूरा ध्यान इस वक्त चैंपियंस ट्रॉफी को फिर से हासिल करने पर है. दुबई पहुंचने के साथ ही वो कप्तान रोहित शर्मा के साथ प्लानिंग करते हुए नजर आए थे. वहीं कोचिंग स्टाफ और टीम के सभी खिलाड़ियों को एक साथ बुलाकर भी बात करते दिखे. इसके अलावा उन्हें विराट कोहली के नेट सेशन के दौरान उनके पीछे खड़े होकर टेक्निक पर ध्यान देते हुए पाया गया था.

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले शुभमन गिल ने रचा इतिहास

रोहित-बाबर को पछाड़ बने नंबर-1

मुंबई, 19 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी यानी कल खेलेगी। उससे पहले आईसीसी की ताजा वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज शुभमन गिल का जलवा देखने को मिला है। रोहित शर्मा और बाबर आजम जैसे खिलाड़ियों को पछाड़कर शुभमन गिल वनडे में नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ रहा था शानदार प्रदर्शन

हाल ही में इंग्लैंड के साथ खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज में शुभमन गिल का प्रदर्शन काफी शानदार रहा था। इस सीरीज में गिल ने 2 अर्धशतक और एक शतक लगाया था। इंग्लैंड के खिलाफ गिल ने तीन मैचों में 229 रन बनाए थे। आखिरी वनडे मैच में उन्होंने 112 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा पहले मैच में 87 और दूसरे मैच में उन्होंने 60 रन बनाए थे।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों को टेबल टेनिस खेलता देख भड़के फैंस

दुबई, 19 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर फैंस का इंतजार खत्म होने वाला है, आज यानि 19 फरवरी से टूर्नामेंट की शुरुआत हो रही है. इसका पहला ही मैच मेजबान टीम पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच है. लेकिन मुकाबले से पहले कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ी टेबल टेनिस खेलते हुए नजर आए. दरअसल, खुद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, ओपनिंग बल्लेबाज फखर जमां के साथ अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर राशिद खान इस खेल को खेल रहे थे. ये देखकर पाकिस्तान फैंस का गुस्सा सातवें आसमान पर चढ़ गया. उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकालनी शुरू कर दी.

पाकिस्तानी फैंस का फूटा गुस्सा

चैंपियंस ट्रॉफी में 4-4 टीमों के दो ग्रुप बने हैं. ग्रुप ए में पाकिस्तान के अलावा न्यूजीलैंड, भारत और बांग्लादेश की टीम शामिल है. हर टीम को ग्रुप की दूसरी टीम से 1-1 मैच खेलना है. इसके आधार पर ही सेमीफाइनल की राह तय होगी. इसका मतलब है कि हर मैच नॉकआउट की तरह है. ऐसे में अपने खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से पहले दूसरा खेल खेलता देख पाकिस्तानी फैंस का गुस्सा फूट पड़ा. एक फैन ने कहा कि 'इसका ही मैच रख लो.' वहीं दूसरे फैन ने लिखा 'सुबह मैच है और ये टेबल टेनिस खेल रहे हैं.' एक यूजर ने कमेंट किया 'कुछ घंटे में चैंपियंस ट्रॉफी है. इससे पहले क्या सीरियसनेस है?' इस तरह कई और फैंस ने भी अपना गुस्सा निकाला.

एक तरफ जहां पाकिस्तानी फैंस अपने खिलाड़ियों पर भड़के हुए थे. वहीं दूसरी ओर कुछ फैंस ने राशिद खान को पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ खेलता देख टीम इंडिया और बीसीसीआई को ट्रोल करने की कोशिश की और लिखा, 'इंडिया को जलन हो रही होगी. कई साल कोशिश करने के बावजूद पाकिस्तानी और अफगानी को एक-दूसरे के खिलाफ नहीं कर सके. दोनों अभी भी भाई की तरह हैं.'

न्यूजीलैंड से 2 बार हारी पाकिस्तान

पाकिस्तान की टीम ने हाल ही में ट्राई नेशन सीरीज खेली थी. इस दौरान पाकिस्तान की दो बार न्यूजीलैंड से भिड़ंत हुई और कीवी टीम ने दोनों ही बार उसे करारी शिकस्त दी. न्यूजीलैंड ने ग्रुप स्टेज के दौरान 78 रनों से हराया था. वहीं फाइनल में 5 विकेट से आसान जीत दर्ज करके सीरीज पर कब्जा जमा लिया था. इसके बाद पाकिस्तानी फैंस काफी गुस्से में नजर आए थे. वहां क्रिकेट एक्सपर्ट्स ने भी चैंपियंस ट्रॉफी में कीवी टीम से बड़ा खतरा बताया था.

भारतीय महिला हॉकी टीम स्पेन से 3-4 से हारी

पुरुषों में जर्मनी ने टीम इंडिया को 4-1 से हराया

भुवनेश्वर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम को एफआईएच प्रो लीग हॉकी प्रतियोगिता के रोमांचक मैच में स्पेन के हाथों 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, भारतीय पुरुष हॉकी टीम को खेल के हर क्षेत्र में कमजोर प्रदर्शन के कारण इसी प्रतियोगिता में मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी के हाथों 1-4 से करारी हार का सामना करना पड़ा।

महिला टीम को स्पेन ने हराया

भारतीय महिला टीम पहले क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। भारत ने दूसरे क्वार्टर में बलजीत कौर (19वें मिनट) के गोल की मदद से बढ़त बना ली थी लेकिन स्पेन ने दो मिनट बाद ही सोफिया रोगोस्की (21वें मिनट) के गोल की मदद से बराबरी कर ली। बलजीत का यह सीनियर स्तर पर पहला गोल था। स्पेन ने भारतीय टीम पर दबाव बनाए रखा तथा दूसरे क्वार्टर में ही एस्टेल पेटचामे (25वें मिनट) के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में दबदबा बनाया। साक्षी राणा ने 38वें मिनट में बराबरी का गोल दागा जबकि रुताजा दादासो पिसल (45वें मिनट) के गोल की बदौलत उसने बढ़त हासिल कर ली।

स्पेन ने हालांकि चौथे और अंतिम क्वार्टर में शानदार वापसी की तथा एस्टेल (49वें मिनट) और लूसिया जिमेनेज (52वें मिनट) के गोल की मदद से अपनी जीत सुनिश्चित की। स्पेन ने यह दोनों गोल पेनल्टी कार्नर पर किए। भारतीय महिला टीम अपने पिछले मैच में इंग्लैंड से हार गई थी।

पुरुष टीम को जर्मनी से मिली हार

वहीं, बात करें पुरुष हॉकी टीम की तो भारत की रक्षा पंक्ति का प्रदर्शन अच्छा नहीं था, जबकि अंतिम तीन क्वार्टर में उसकी अग्रिम पंक्ति भी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई। फ्लोरियन स्पर्लिंग ने सातवें मिनट में गोल करके जर्मनी को बढ़त दिला दी लेकिन गुरजंत सिंह (13वें मिनट) ने छह मिनट के भीतर भारत को बराबरी पर ला दिया।

पहला क्वार्टर रोमांचक साबित हुआ, जिसमें कुल तीन गोल हुए। जर्मनी की तरफ से दूसरा गोल थिस प्रिंज़ ने 14वें मिनट में किया। इस तरह से जर्मनी पहले क्वार्टर में आगे रहा। दूसरे और तीसरे क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई लेकिन चौथे क्वार्टर में जर्मनी ने भारतीय रक्षा पंक्ति की गलतियों का फायदा उठाकर दो गोल दागे और इस तरह से बड़े अंतर से जीत दर्ज की।

जर्मनी की तरफ से चौथे क्वार्टर में मिशेल स्ट्रूथॉफ (48वें) और राफेल हार्टकोफ (55वें) ने गोल किए। इस मैच में सीनियर डिफेंडर अमित रोहिदास ने भारतीय टीम का नेतृत्व किया क्योंकि नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह शुरुआती एकादश का हिस्सा नहीं थे। यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि चैंपियन ड्रैग फ़्लिकर मैच के शुरू में क्यों नहीं खेला। हरमनप्रीत को हालांकि भारत के दूसरे मैच में विश्राम दिया गया था।

अपने आखिरी मुकाबले में स्पेन पर 2-0 से जीत के बाद इस मैच में उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि स्पर्लिंग ने गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक के खतरे को विफल करने में असमर्थ होने के कारण पहला गोल किया। भारत ने तुरंत ही जवाबी हमला किया और अनुभवी फारवर्ड गुरजंत ने गेंद को प्रतिद्वंद्वी के गोलपोस्ट में डालकर हिसाब बराबर कर दिया।

जर्मनी ने हालांकि पलक झपकते ही फिर से बढ़त हासिल कर ली। इस बार प्रिंज़ ने पाठक को छकाया। पहले क्वार्टर की समाप्ति पर जर्मनी 2-1 से आगे था। भारत के पास 20वें मिनट में बराबरी करने का शानदार मौका था लेकिन राजिंदर के पास पर गुरजंत निशाना चूक गए। इसके चार मिनट बाद अर्शदीप सिंह भी गोल करने का मौका चूक गए, जबकि स्थानापन्न गोलकीपर सूरज करकेरा ने स्पर्लिंग को गोल करने से रोका।

मध्यांतर के बाद भारत को सर्कल के अंदर अपने प्रदर्शन में सुधार करने की जरूरत थी, लेकिन जर्मन टीम ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। भारत ने गोल करने के प्रयास किए लेकिन जर्मनी की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उसकी एक नहीं चली। इसके बजाय जर्मनी ने चौथे और अंतिम क्वार्टर में सात मिनट के भीतर दो बार गोल करके मैच अपने पक्ष में कर लिया। भारत की तीन मैचों में यह दूसरी हार है।

कभी जीता था चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब

अब टूर्नामेंट में ही नहीं है ये टीमें

खेल डेस्क, 19 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी में 8 टीमें हिस्सा ले रही है। इन सभी आठ टीमों को 4-4 के दो ग्रुपों में रखा गया है। ग्रुप-ए में भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश को रखा गया है। वहीं, आज से चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज होने जा रहा है पहला मुकाबला मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। इस बार टूर्नामेंट में अफगानिस्तान और बांग्लादेश जैसी टीमें भी हिस्सा ले रही हैं, जबकि इन टीमों ने अभी तक चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब भी नहीं जीता है।

वहीं, दूसरी तरफ श्रीलंका और वेस्टइंडीज जैसी पूर्व आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी विजेता टीमें इस बार टूर्नामेंट में भी नहीं है। जिसके बाद काफी सारे फैंस के मन में सवाल चल रहा है कि आखिर ये पूर्व चैंपियन टीमें इस बार टूर्नामेंट में क्यों नहीं खेल रही है?

चैंपियंस ट्रॉफी में क्यों नहीं है श्रीलंका और वेस्टइंडीज?

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में श्रीलंका और वेस्टइंडीज की टीम नहीं खेल रही है, जबकि 1-1 बार इन दोनों टीमों ने इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। दरअसल, वनडे विश्व कप 2023 में जो टीमें टॉप-8 में रही थी, सिर्फ वे टीमें ही इस बार टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही हैं। श्रीलंका की टीम का प्रदर्शन वनडे विश्व कप 2023 में बेहद खराब रहा था, जिसके चलते टीम टॉप-8 में भी नहीं थी, इसके अलावा वेस्टइंडीज की टीम वनडे विश्व कप 2023 का हिस्सा ही नहीं थे। ऐसे में ये दोनों टीमें इस बार चैंपियंस ट्रॉफी का हिस्सा नहीं है। बता दें, साल 2004 में वेस्टइंडीज ने चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया था। वहीं, श्रीलंका की टीम ने साल 2002 में संयुक्त रूप से टीम इंडिया के साथ इस खिताब को अपने नाम किया था।

मनु भाकर को आगे भी कोचिंग देते रहेंगे जसपाल राणा

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारतीय निशानेबाज मनु भाकर और उनके कोच जसपाल राणा का साथ आगे भी बना रहेगा। राणा को भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने पिस्टल निशानेबाजी का हाई परफार्मेंस ट्रेनर नियुक्त किया है, लेकिन मनु ने पुष्टि की है कि राणा आगे भी उनके कोच बने रहेंगे। चार बार एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता राणा और मनु के बीच टोक्यो ओलंपिक से पहले मतभेद हो गए थे लेकिन पिछले साल पेरिस ओलंपिक से पहले दोनों फिर साथ आए। मनु ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। राणा के मार्गदर्शन में मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली आजादी के बाद पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम वर्ग में कांस्य पदक जीते थे। मनु ने सोमवार की रात वर्ष 2024 की बीबीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने के बाद कहा, मैं इतना ही कहूंगी कि राणा मेरे कोच हैं और अपने काम में बहुत अच्छे हैं ।

पाकिस्तान में लहराया भारत का झंडा, पीसीबी ने अपनी गलती को सुधारा!

इस्लामाबाद, 19 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान के कराची स्टेडियम में भारत का झंडा नहीं फहराने को लेकर बीते कई दिनों से विवाद छिड़ा हुआ था। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी वायरल हुआ, ये वीडियो कराची स्टेडियम का था जिसमें टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही सभी टीमों का झंडा लहराया गया था लेकिन यहां भारत का झंडा गायब था। जिससे भारतीय फैंस काफी गुस्से में भी दिखे थे लेकिन अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपनी गलती को सुधारने का काम किया है।

पाकिस्तान में लगा भारत का झंडा

चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी इस बार पाकिस्तान कर रहा है, लेकिन टीम इंडिया अपने सभी मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेलने वाली है। दरअसल जो टीमें पाकिस्तान में खेलेंगे सिर्फ उनका झंडा ही कराची स्टेडियम में लहराया गया था। जिसको लेकर काफी विवाद भी छिड़ा था। वहीं, अब सोशल मीडिया पर एक तस्वीर काफी तेजी से वायरल हो रही है जिसमें कराची स्टेडियम में अन्य देशों के झंडे के साथ भारत का झंडा भी दिख रहा है। यानी विवाद को शांत करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कराची में भारत का झंडा लगाने का फैसला किया है।

मुंबई के पूर्व कप्तान का निधन

76 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

मुंबई, 19 फरवरी (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी में मुंबई की कप्तानी करने वाले पूर्व चयनकर्ता मिलिंद रेगे का बुधवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। मिलिंग रेगे ने 76 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। तबीयत खराब होने पर मिलिंद रेगे को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसके बाद सुबह 6 बजे उनका निधन हो गया था। मिलिंद रेगे के निधन से क्रिकेट जगत में शोक की लहर है। रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर को 26 साल की उम्र में भी एकबार दिल का दौरा पड़ा था। हालांकि, उसके बाद वे मैदान पर लौटे थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और 2 बेटे हैं।

मिलिंग रेगे को कभी टीम इंडिया के लिए खेलने का मौका नहीं मिला था, लेकिन उन्होंने फर्स्ट क्लास में जरूर क्रिकेट खेला था। अपने करियर में मिलिंद ने 52 फर्स्ट क्लास मैच खेले थे। जिसमें बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 1532 रन बनाए थे।

केंद्र ने सीताराम सागर परियोजना को मंजूरी देने का आश्वासन दिया : उत्तम

महीने के अंत तक मेदिगड्डा पर एनडीएसए रिपोर्ट

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से आश्वासन प्राप्त किया कि केंद्र तेलंगाना की जल चिंताओं को दूर करने और प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं के लिए मंजूरी में तेजी लाने में हस्तक्षेप करेगा। बुधवार को उदयपुर में दूसरे अखिल भारतीय राज्य जल मंत्रियों के सम्मेलन के दौरान एक बैठक के दौरान, उत्तम कुमार रेड्डी ने जल शक्ति मंत्रालय के सचिव देबाशीष मुखर्जी के साथ भी चर्चा की, जिसमें जल विवादों पर तत्काल कार्रवाई और महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण पर जोर दिया गया। उत्तम कुमार रेड्डी ने आंध्र प्रदेश पर आरोप लगाया कि वह रबी सीजन के दौरान श्रीशैलम बांध और नागार्जुन सागर परियोजना की दाहिनी नहर के बैकवाटर से अवैध रूप से अतिरिक्त पानी खींच रहा है। उन्होंने नागार्जुन सागर के अयाकट क्षेत्रों, विशेष रूप से तत्कालीन नलगोंडा और खम्मम जिलों में रबी की फसल की रक्षा के लिए केंद्रीय हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

जवाब में, केंद्रीय मंत्री पाटिल ने आश्वासन दिया कि केंद्र उचित जल वितरण सुनिश्चित करने और अनधिकृत निकासी को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाएगा। पारदर्शिता बढ़ाने और भविष्य के विवादों को रोकने के लिए, उत्तम कुमार रेड्डी ने श्रीशैलम और नागार्जुन सागर दोनों बांधों पर कृष्णा नदी के पानी पर कुल 35 बिंदुओं पर टेलीमेट्री सिस्टम लगाने की वकालत की। ये सिस्टम पानी के उपयोग पर वास्तविक समय के आंकड़े प्रदान करेंगे, जिससे आवंटित कोटा का पालन सुनिश्चित होगा। केंद्रीय मंत्री ने सटीक निगरानी तंत्र के महत्व को पहचानते हुए इस पर सहमति जताई। त्वरित मंजूरी और वित्त पोषण की आवश्यकता पर बल देते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने केंद्र से पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीआरएलआईएस), सीताराम सागर परियोजना और सम्मक्का सागर परियोजना सहित प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी देने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी मांग की कि पीआरएलआईएस को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिया जाए और इसे पूर्ण केंद्रीय वित्त पोषण मिले। सचिव मुखर्जी ने आश्वासन दिया कि केंद्र तेलंगाना की सिंचाई परियोजनाओं के लिए 50 साल की चुकौती अवधि के साथ शून्य प्रतिशत ब्याज पर बुनियादी ढांचा निधि प्रदान करने की संभावना तलाशेगा।

उन्होंने सीताराम सागर परियोजना के लिए एक महीने के भीतर सभी आवश्यक मंजूरी देने की भी प्रतिबद्धता जताई। उत्तम कुमार रेड्डी ने मूसी नदी की सफाई और पुनरुद्धार और गोदावरी-मूसी लिंक के विकास के लिए केंद्रीय सहायता का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री ने इन परियोजनाओं के महत्व को स्वीकार किया और तेलंगाना सरकार के प्रस्तावों पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने मेदिगड्डा परियोजना के ढहने की राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) द्वारा लंबे समय से चल रही जांच पर भी चिंता जताई, जो एक साल से चल रही है। उन्होंने रिपोर्ट और सुधारात्मक कार्रवाई के लिए सिफारिशें जल्द से जल्द प्रस्तुत करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री पाटिल ने आश्वासन दिया कि एनडीएसए के निष्कर्ष महीने के अंत तक उपलब्ध करा दिए जाएंगे। केंद्र ने यह भी सुझाव दिया कि तेलंगाना नागार्जुन सागर और श्रीशैलम बांधों की मरम्मत के साथ-साथ सिंचाई परियोजनाओं में गाद निकालने और तलछट प्रबंधन के लिए विश्व बैंक द्वारा सहायता प्राप्त बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना (डीआरआईपी) निधि का उपयोग करे।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण-II (केडब्ल्यूडीटी-II) की कार्यवाही में तेजी लाने के लिए केंद्र के हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दिया। तेलंगाना को उसका उचित जल हिस्सा मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र निर्णय महत्वपूर्ण है।

काश्तकार ने की आत्महत्या

खम्मम, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चिंतकणी मंडल के लाचागुडेम में 45 वर्षीय एक काश्तकार की कथित तौर पर आत्महत्या कर ली गई। एन येल्लैया ने मंगलवार देर रात अपने खेत में कीटनाशक पी लिया और उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि धान के खेत में पानी की आपूर्ति न होना और कर्ज के कारण उसने यह कदम उठाया। स्थानीय पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

यह राज्य में किसानों की आत्महत्याओं की जारी श्रृंखला में नवीनतम घटना है, तेलंगाना में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से अब तक कुल संख्या 430 को पार कर गई है। अधिकांश आत्महत्याएं खेती में हुए नुकसान के कारण हुई हैं, जो सिंचाई, उर्वरक, बीज, फसल की खरीद, एमएसपी के भुगतान और रैतु भरोसा के वितरण में देरी के कारण राज्य सरकार से समय पर समर्थन न मिलने के कारण हुआ है।

अंतरराज्यीय गांजा तस्कर रैकेट का भंडाफोड़

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस और आरपीएफ ने ओडिशा के केंद्रपाड़ा से सिकंदराबाद तक अंतरराज्यीय गांजा तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 3.859 किलोग्राम सूखा गांजा और 96,4%5 रुपये की नकद राशि जब्त की गई है। आरोपी का नाम लंबोदर जेना है। वह ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले का निवासी है। उसने गांजा को ओडिशा के केंद्रपाड़ा से लेकर सिकंदराबाद लाने के लिए इस तस्करी का सहारा लिया था। आरोपी ने 1% फरवरी को ओडिशा के केंद्रपाड़ा वन क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति से 4 किलोग्राम गांजा खरीदा था। इसके बाद वह भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन से सिकंदराबाद जाने के लिए कोणार्क एक्सप्रेस ट्रेन में सवार हुआ। 18 फरवरी को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पहुंचने पर, पुलिस ने उसे संदिग्ध अवस्था में पकड़ लिया। आरोपी के पास से तास के 3.859 किलोग्राम सूखा गांजा और 96,475 की नगदी मिली। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। इस कार्रवाई में रेलवे पुलिस अधीक्षक चंदना दीप्ति और डीएसआरपी एससी (यू) एस.एन. जावेद की देखरेख में अधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आईजीपी रेलवे और सड़क सुरक्षा के. रमेश नायडू ने इस कार्रवाई के लिए पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की सराहना की और उन्हें उचित पुरस्कार देने की घोषणा की है।

कांग्रेस ने रमजान की छुट्टी पर भाजपा के पाखंड की निंदा की : निजामुद्दीन

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आधिकारिक प्रवक्ता सैयद निजामुद्दीन ने बुधवार को रमजान की छुट्टी के आदेश पर भाजपा के चुनिंदा आक्रोश की आलोचना करते हुए इसे पाखंड और सांप्रदायिक अवसरवाद का एक क्लासिक मामला बताया। गांधी भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, सैयद निजामुद्दीन ने भाजपा के दोहरे मानदंडों को उजागर किया, और बताया कि आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा रही इसी पार्टी को वहां भी इसी तरह का आदेश जारी किए जाने पर कोई आपत्ति नहीं थी।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश दोनों सरकारों ने अपने मुस्लिम कर्मचारियों को पवित्र रमज़ान के महीने में शाम 4 बजे कार्यालय छोड़ने की अनुमति दी है। भाजपा के पाखंड की कोई सीमा नहीं है। आंध्र प्रदेश में, वे सत्तारूढ़ गठबंधन में चुपचाप बैठे रहते हैं जबकि वही रमज़ान छुट्टी का आदेश जारी किया जाता है। लेकिन तेलंगाना में, वे "तुष्टिकरण' चिल्लाते हैं। भाजपा विधायक राजा सिंह वहाँ चुप क्यों हैं? भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय आंध्र सरकार पर हमला क्यों नहीं कर रहे हैं? क्योंकि भाजपा को शासन या स्थिरता की परवाह नहीं है - यह अपने राजनीतिक एजेंडे के अनुकूल जहाँ भी हो, सांप्रदायिक जहर फैलाने में कामयाब होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेलंगाना ने कभी भी भाजपा की विभाजनकारी राजनीति को स्वीकार नहीं किया। भाजपा हिंदुओं, मुसलमानों या किसी समुदाय के लिए खड़ी नहीं है।

डिपो में दो बसें जलकर खाक

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुशाईगुडा बस डिपो में मंगलवार रात आग लगने से टीजीएसआरटीसी की दो बसें जलकर खाक हो गईं। जब आग सबसे पहले एक बस में लगी और बाद में उसके पास स्थित एक अन्य बस में फैल गई, तब सभी वाहन डिपो में खड़े थे। सूचना मिलने पर दमकल विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

तेलंगाना में बिजली की मांग बढी, 16 हजार मेगावाट का आंकड़ा पार

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से मौजूदा बिजली आपूर्ति की स्थिति पर चर्चा की

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में बिजली की मांग 16,000 मेगावाट के आंकड़े को पार करते हुए अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। इसको देखते हुए, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने बुधवार को अधिकारियों के साथ बैठक की और मौजूदा बिजली आपूर्ति की स्थिति पर चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि 19 फरवरी को सुबह 7:55 बजे तेलंगाना में बिजली की अधिकतम मांग 16,058 मेगावाट तक पहुंच गई। यह आंकड़ा इस महीने की 10 फरवरी को दर्ज किए गए 15,998 मेगावाट के पिछले उच्चतम स्तर को पार कर गया।

इसके अलावा, पिछले साल 8 मार्च को स्थापित 15,623 मेगावाट का पिछला रिकॉर्ड भी इस साल 5 फरवरी को पार कर गया। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने जोर देकर कहा कि बिजली की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद, तेलंगाना में बिजली क्षेत्र बिना किसी समस्या के खपत की जरूरतों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर रहा है। "राज्य सरकार अपने नागरिकों के लिए एक विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित है। अधिकारियों को नियमित रूप से बिजली आपूर्ति की स्थिति का आकलन करना चाहिए और किसी भी कमी को रोकने के लिए उपायों को लागू करना चाहिए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.